* *

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 134

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वीर शहीद नीलांबर पीतांबर की धरा से लातेहार, पलामू और गढ़वा की बहनों को

खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत

श्री हेमन्त सोरेन
मानननीय मुख्यमंत्री

हर बहना को
हर साल
₹ 12 हजार

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

पलामू प्रमंडल (लातेहार, पलामू और गढ़वा) की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

केवल 2 सप्ताह में 45 लाख निबंधन

अब तक 43 लाख बहनों का आवेदन स्वीकृत

31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में बिना देर पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

राजनीतिक उथल-पुथल : अब झारखंड की राजनीति में फिर से एक नए दल का उदय, पूर्व के इतिहास नहीं रहे हैं सुखद

नयी राह पर चलना कितना आसान होगा पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के लिए?

कौशल आनंद। रांची

अब यह तय हो चुका है कि चंपाई सोरेन कम से कम झामुमो में रहने वाले नहीं हैं. खुद चंपाई के बयानों से यह भी साफ हो गया कि वे अगल राह चलेंगे, जिसमें नयी क्षेत्रीय पार्टी का गठन भी विकल्प हो सकता है. इसके बाद अब झारखंड की राजनीति में फिर से एक नए दल के उदय की संभावना प्रबल हो गयी है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि चंपाई सोरेन कोल्हान के टाइगर में अपनी हैसियत एवं रूतबा रखते हैं. वे गुरूजी के आंदोलन की साथी और विश्वास पात्र के रू में जाने जाते हैं. इसलिए चंपाई का झामुमो से निकलना पार्टी संगठन के साथ-साथ कोल्हान में भी पार्टी के कमजोर होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. मगर अब सवाल उठ रहे हैं कि चंपाई के लिए नयी राह व भी नए संगठन खड़ा करके चलना कितना आसान होगा.

- बाबूलाल भी भाजपा से अलग होकर गठित कर चुके थे झाविमो, मगर अंततः कर दिया गया भाजपा में विलय
- पहले तुम, पहले तुम के चक्कर में बुरी तरह से फंस गए चंपाई, भाजपा और चंपाई दोनों की रणनीति को हेमंत ने किया फेल

14 साल झाविमो को चलाने वाले मरांडी को भाजपा के समक्ष घुटने टेकने पड़े

उस समय के राष्ट्रीय नेताओं की अनदेखी करने का आरोप लगाकर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी अपना एक नया राजनीतिक संगठन झारखंड विकास मोर्चा खड़ा किया था. 2014 में झाविमो के आठ विधायक भी जीत दर्ज की. मगर उस समय के तत्कालीन रघुवर सरकार में पांच विधायक पाला बदल कर भाजपा में शामिल हो गए. 2019 में भी झाविमो अकेले दम पर चुनाव लड़ी, तीन विधायक जीते भी. मगर बाद में खुद मरांडी ही पूरे संगठन का विलय भाजपा में कर दिया. उस समय मरांडी पर ये आरोप भी लगे कि 2019 के चुनाव लड़ने में फंडिंग भाजपा ने ही की थी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी विधायक तोड़ने की चंपाई और भाजपा दोनों की रणनीति को कर दिया फेल

मिली जानकारी के अनुसार भाजपा की रणनीति न केवल चंपाई सोरेन को अपने पाले में लाने की थी, वहीं पार्टी के विधायकों को भी तोड़ने की थी. जैसे ही कोल्हान के चार विधायक के नाम मीडिया में उछली, हेमंत सोरेन अलर्ट हो गए और डैमेज कंट्रोल में जुट गए. जिसमें हेमंत सोरेन शत प्रतिशत सफल साबित हुई. चंपाई सोरेन का कोलकाता भाया दिल्ली जाना, वहां तीन दिन रूकना केवल एक इतेफाक के तौर राजनीतिक के जानकार मानने को तैयार नहीं हैं. दरसल भाजपा द्वारा दिए गए होमवर्क को पूरा करने में चंपाई सफल नहीं हो सके. पहले तुम, पहले तुम के चक्कर में खुद भाजपा और चंपाई सोरेन उलझ कर रह गए. नतीजा चंपाई सोरेन के झामुमो में बने रहने की सारी संभावना समाप्त हो गयी. हालांकि राजनीति में संभावनाए कभी समाप्त नहीं होती है. इसलिए अभी आगे का खेला देखना, विधानसभा चुनाव के पहले तक दिलचस्प होगा.

जेपीएससी मेंस परीक्षा का रिजल्ट जल्द होगा जारी

- 5600 अभ्यर्थियों ने दी थी मुख्य परीक्षा
- रिजल्ट किया जा चुका है तैयार

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएसएसी) जल्द ही मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी करेगा. रिजल्ट लगभग तैयार किया जा चुका है. मुख्य परीक्षा में 5600 अभ्यर्थी शामिल हुए थे. बताते चलें कि पीटी की परीक्षा 17 मार्च को हुई थी. 22 अप्रैल को पीटी परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था. 22 से 24 जून तक मुख्य परीक्षा ली गई थी. यह परीक्षा 342 पदों के लिए ली गई थी. मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद सफल अभ्यर्थियों के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसके बाद अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी किया जाएगा.

डीजीपी से मिला रांची प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल, रखी मांग

पत्रकारों पर चल रहे हैं फर्जी मुकदमे, रोक लगाएं

संवाददाता। रांची

झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से रांची प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुलाकात की. इस दौरान पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए मांग पत्र सौंपा गया. पुलिस महानिदेशक को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड में पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है. यहां के पत्रकारों नें तमाम चुनौतियों के बावजूद पूरी निष्ठा के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मान बढ़ाया है. इसके बावजूद झारखंड के पत्रकार कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं.

पत्रकारहित में झारखंड के सभी पत्रकारों के आस्था का केंद्र बने ''द रांची प्रेस क्लब'' के प्रतिनिधिमंडल ने कई समस्याओं की ओर डीजीपी का ध्यान आकृष्ट कराया, जिनमें प्रमुख रूप से पूरे झारखंड में पत्रकारों पर दर्ज कराए गए झूठे मामले की एसआईटी द्वारा जांच करवा कर उन्हें न्याय दिलाया जाय. पत्रकारों को उनकी मुखर पत्रकारिता की कीमत चुकानी पड़ रही है, जैसे बुंडू के पांच परगना अखबार के पत्रकार आशीष प्रमाणिक, बुंडू न्यूज 11 के अमित दत्ता, हजारीबाग के झारखंड दर्पण के पत्रकार सचिन खंडेलवाल, रातू के खबर मंत्र के पत्रकार मो. मुजीबुल, पलामू मेदिनीनगर के दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ संजय तिवारी, पलामू जिले के छतरपुर के प्रभात खबर के प्रतिनिधि राजीव सिन्हा, छतरपुर के ही दैनिक भास्कर के पत्रकार बुद्धिनारायण सिंह और ओरमांझी के न्यूज 11 के पत्रकार मो. मोहसिन के खिलाफ दर्ज मुकदमे इसके उदाहरण हैं.

डीजीपी अनुराग गुप्ता को मांग पत्र सौंपते प्रेस क्लब के पदाधिकारी.

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में पहल हो

ज्ञापन में कहा गया है कि संबंधित मामलों की जांच करवा कर उन्हें फर्ज़ी मुकदमों से बरी करवाया जाए. साथ ही झारखंड में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की तरह पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की दिशा में पहल की जाय. झारखंड के हर थाने में पीड़ितों के आवेदन का रिसीविंग देने की प्रक्रिया कड़ाई से लागू किया जाए. ज्ञापन में कहा गया है कि ऐसे कई मौके आए है जब रसूख वाले लोग पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए झूठे रंगदारी, मारपीट जैसे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं, पुलिस और थाना भी रसूखदारों के इशारे पर ही काम करती है. ऐसे मामलों को दर्ज करने से पूर्व पुलिस द्वारा पूरी सत्यता को सतर्कता से जांच सुनिश्चित करने के निर्देश आपके स्तर से दिए जाएं. साथ ही क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से आग्रह किया कि झारखंड पुलिस और प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में साइबर क्राइम और विभिन्न विषयों पर क्लब में वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाए.

पुलिस महानिदेशक ने ज्ञापन के बाद प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया की संबंधित मांगों पर सकारात्मक रूप से कार्रवाई की जाएगी. पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपने वालों में द रांची प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरि, कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, मैनेजिंग कमेटी सदस्य आरजे अरविंद, मोनू कुमार और विजय मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे.

31 तक फसल बीमा योजना का लाभ लें

रांची। खरीफ फसल 2024 के लिए फसल बीमा कराया जा रहा है. किसानों को यह सुविधा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तहत बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है. इसका लाभ लेने को सभी जिलों में सूचना जारी की जा रही है. इच्छुक किसान पास के प्रज्ञा केंद्र जा सकते हैं. साथ ही किसान पोर्टल पर ऑनलाइन खुद आवेदन फॉरमर लॉगिन से दे सकते हैं. बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है. पंजीकरण में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राजस्व पदाधिकारी द्वारा निर्गत भूमि प्रमाण पत्र चाहिए. तत्काल उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुखिया या प्रधान से सत्यापित वंशावली एवं भूमि विवरणी, बटाई, स्वसत्यापित फसल बुआई प्रमाण पत्र और मोबाइल नंबर की भी जरूरत होगी.

कमांडर दिवाकर दस्ते के सदस्य थे तीनों, देसी कार्बाइन भी बरामद

टीपीसी के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

पुलिस ने टीपीसी कमांडर दिवाकर गंझू के दस्ते के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है. इसे लेकर बुधवार को ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि तीन टीपीसी उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बड़कागांव निवासी प्रकाश गंझु, हजारीबाग निवासी राहुल लहरी और रांची निवासी मोनू कुमार बड़ाईक शामिल है. गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एक देशी कार्बाइन मैगजीन सहित, 13 जिन्दा गोली, एक बाइक, जिओ कंपनी का राउटर और चार मोबाइल फोन बरामद हुआ है.

टीपीसी कमांडर दिवाकर दस्ते के गिरफ्तार उग्रवादी.

घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे : पुलिस को सूचना मिली थी कि मंगलवार की रात दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडारी और बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित ग्राम छापर में टीपीसी उग्रवादी जमा हुए हैं. जो लेवी वसूलने और किसी बड़ी घटना का अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. सूचना के आधार पर डीएसपी खलारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो उग्रवादी भागने लगे. जिसमें पुलिस द्वारा घेराबंदी कर तीन उग्रवादियों पकड़ा गया. दो अन्य उग्रवादी अंधेरे का फायदा उठा भागने मे सफल रहे.

भारत बंद के समर्थन में भी माले कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

लैटरल एंट्री के खिलाफ माले ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

आदिवासी, दलित और पिछड़ों का आरक्षण के खिलाफ हो रहे हमले के खिलाफ भाकपा माले ने सक्रिय समर्थन प्रदान किया था. बुधवार को राज्य के सभी जिलो में माले कार्यकर्ता सड़क पर उतरे. माले के अलावे छात्र संगठन आइसा के बैनर तले सैकड़ों छात्र युवा भी इन प्रतिवाद कार्यक्रमों में हिस्सा लिए. धनबाद, रांची, डालटनगंज. रामगढ, गिरिडीह, कोडरमा, बोकारो, दुमका, देवघर आदि जिलों के ग्रामीण तथा शहरी इलाकों में प्रदर्शन प्रदर्शनकारी आरक्षण में वर्गीकरण व लैटरल एंट्री के जरिये नियुक्ति के खिलाफ नारे लगा रहे थे. वे जाति आधारित जनगणना चालू करने की मांग कर रहे थे.

बंद के समर्थन में सड़क पर उतरे माले के नेतागण.

रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर सुबह करीब साढ़े दश बजे दर्जनों माले कार्यकर्ता तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया एवं नारे लगाए. प्रदर्शन का नेतृत्व रविन्द्र भुईयां, जगरनाथ ओरांव, शांति सेन, ऐति तिर्की, नौरिन, अकरम, मोइन, मोहन दत्ता, शुभेंदु सेन, एनामुल, समर सिन्हा, भीम साहू, नौहीद आकाश आदि ने किया. बंद को सफल बनाने आम जनो के सहयोग के लिए पार्टी सचिव ने आभार जताया.

जेटेट के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी, 26 तक कर सकेंगे आवेदन

- सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने लिया फैसला
- पहले 22 अगस्त तक जमा किये जाने थे आवेदन

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टेट)) परीक्षा के लिए आवेदन जमा करने की तिथि बढ़ा दी है. अब उम्मीदवार 26 अगस्त तक आवेदन जमा कर सकते हैं. पहले टेट परीक्षा के लिए आवेदन भरने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित थी. लेकिन सर्वर में आयी खराबी के कारण जैक ने आवेदन भरने की लास्ट डेट को बढ़ाने का फैसला लिया. टेट एग्जाम के लिए 23 जुलाई से ही ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया जारी है. अब तक इस परीक्षा के लिए लगभग साढ़े तीन लाख अभ्यर्थी आवेदन दे चुके हैं.

ऐसे करें आवेदन :

- जीटेट 2024 आवेदन पत्र भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट jactetportal.com पर जायें.
- वेबसाइट के होम पेज पर आपको रजिस्टर नाउ के लिंक पर क्लिक करे और अपना रजिस्ट्रेशन कराये.
- रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी फिर से लॉग इन करके बाकी डिटेल भरें और एप्लिकेशन सब्मिट कर दें.
- इसके बाद आवेदन शुल्क जमा करें.
- फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर अपने पास रख लें.

रीडर स्तर के 63 पुलिसकर्मियों की वरीयता सूची जारी

रांची। 63 रीडर (आशु सहायक अवर निरीक्षक) स्तर के पुलिसकर्मियों का पुलिस मुख्यालय ने औपबंधिक वरीयता सूची जारी की है. वहीं रिटायर डीएसपी अनिल शंकर को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ देने को लेकर बैठक हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि अनिल शंकर को एसीपी और एमएसीपी योजना का लाभ से संबंधित सभी तरह की कार्रवाई गृह विभाग से सहमति मिलने के बाद की जाएगी. इसे लेकर डीआईजी कार्मिक ने अधिसूचना जारी किया है.साथ ही रेंज और इकाई के डीआईजी को कहा गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में पदस्थापित रीडर स्तर के पुलिसकर्मियों का वरीयता सूची प्रसारित की जाए. इसमें अगर किसी पुलिसकर्मी को आपत्ति है, तो इसे 15 दिनों के अंदर बताया जाए. इसके अलावा यह भी कहा गया है कि अगर पुलिसकर्मियों का नाम इस सूची में छूट गया है तो इसको लेकर अलग से जानकारी उपलब्ध कराई जाए.

कोर्ट की खबरें

राजकुमार अग्रवाल को कोर्ट से राहत

संवाददाता। रांची

राज्यसभा चुनाव से जुड़े हॉर्स ट्रेडिंग मामले में आरोपी राजकुमार अग्रवाल को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ रांची सीबीआई कोर्ट के चल रहे ट्रायल की प्रक्रिया को खत्म कर दिया है. इस मामले में सीता सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दायर की है. सीबीआई की चार्जशीट में बताया गया था कि सीता सोरेन ने राज्यसभा चुनाव में वोटिंग के लिए 50 लाख रुपये लिए थे. बुधवार की सुनवाई के दौरान राजकुमार अग्रवाल के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया कि जो पैसे बरामद हुए थे, वह उनके नहीं थे. एजेंसी ने उन्हें पैसों के मामलों में क्लीन चिट भी दे दी है. इसलिए उनके खिलाफ चल रही कार्रवाई को रद्द किया जाना चाहिए.

एडवोकेट एसोसिएशन और आरडीबीए ने हाईकोर्ट से किया आग्रह

रांची। आरक्षण के मुद्दे पर बुलाये गये बंद के कारण झारखंड हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट के कई अधिवक्ता और उनके मुवक्किल अदालत तक नहीं पहुंच पाए. इसे देखते हुए हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन और रांची जिला बार एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त से यह आग्रह किया था कि अगर कोई अधिवक्ता किसी मामले में पक्ष नहीं रख पा रहा है तो 21 अगस्त को सूचीबद्ध मामलों में किसी भी तरह का विपरीत आदेश पारित न किया जाये. रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महासचिव के संयुक्त हस्ताक्षर से यह पत्र जारी किया गया था. हाईकोर्ट एडवोकेट एसो. के महासचिव ने भी पत्र जारी किया था.

गांजा तस्कर दुखहरण साहू को 10 साल सश्रम कारावास

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने गांजा और अवैध शराब के तस्कर दुखहरण साहू को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने उसपर दो लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोषी को दो वर्ष की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी. इस केस के दूसरे आरोपी साबिर अंसारी को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 7 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था. रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है.

आज सीएम पलामू में, देंगे सौगात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 22 अगस्त को पलामू में महिलाओं को मईयां सम्मान योजना की सौगात देंगे. 21 अगस्त तक इस योजना के लिए 42.85 लाख आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं. इस योजना के तहत महिलाओं को सालाना 12 हजार रुपये दिए जाएंगे. 23 अगस्त को हजारीबाग, 27 अगस्त को दुमका, 28 अगस्त को चाईबासा और 30 अगस्त को रांची में आयोजित कार्यक्रम में सीएम शिरकत करेंगे.

कैबिनेट की बैठक 29 को: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 29 अगस्त को होगी. यह बैठक प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रीपरिषद कक्ष में होगी. इसमें कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिलेगी.

क्लासिफाइड

गौरव नयी दिल्ली में पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन आयोजित

मेकॉन को पब्लिक सेक्टर एक्सीलेंस अवॉर्ड

संवाददाता। रांची

मेकॉन को सर्वश्रेष्ठ मिनीरत्न केंद्रीय पीएसयू श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पब्लिक सेक्टर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. भारत में इस्पात उद्योग के लिए इंजीनियरिंग कंसल्टेंट के रूप में वर्ष 1959 में स्थापित मेकॉन ने धातु, ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई क्षेत्रों में सम्पूर्ण समाधान इंजीनियरिंग परामर्शी संगठन के रूप में खुद को स्थापित किया है. मेकॉन के सेवा पोर्टफोलियो में अवधारणा, इंजीनियरिंग, खरीद, परियोजना प्रबंधन, डायग्नोस्टिक अध्ययन, मूल्य वर्धित सेवाएं, ईपीसी निष्पादन, ओ एंड एम सेवाएं शामिल हैं. डन एंड ब्रैडस्ट्रीट, एक अग्रणी वैश्विक बी2बी एनालिटिक्स और बिजनेस इंटेलिजेंस समाधान प्रदाता ने 20 अगस्त को नयी दिल्ली में पीएसयू और सरकारी शिखर सम्मेलन के अपने 16वें संस्करण की मेजबानी की.

मेकॉन पब्लिक सेक्टर एक्सिलेंस अवॉर्ड से हुआ सम्मानित.

शिखर सम्मेलन में इंडिया @ 2047 विजनः पावर्ड बाई रिसर्जेंट पब्लिक सेक्टर विषय पर गहन चर्चा हुई. जिसमें प्रमुख केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को उनके व्यावसायिक उत्कृष्टता और मंत्रालयों को उनकी अभिनव पहलों व योजनाओं के लिए सम्मानित किया गया. इस शिखर सम्मेलन में मेकॉन लिमिटेड की ओर से संजय कुमार वर्मा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मेकॉन ने पुरस्कार प्राप्त किया.

हेमंत सरकार ने बेच दिया है युवाओं का भविष्यः बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार ने राज्य के युवाओं का भविष्य बेच दिया है. 100 अंकों के पेपर में अभ्यर्थी को 252 अंक दे दिये गये हैं. वहीं, 78 प्रश्नों के सही उत्तर देनेवाले अभ्यर्थी को 156 की जगह 88.23 अंक दिये गये हैं. पीजीटी में हुई भीषण गड़बड़ियों का मामला पहले दिन से लगातार भाजपा उठा रही है. इस मामले की सीबीआई जांच आवश्यक है. झारखंड सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य को बेचने का पाप ना करें, अविलंब मामले में सीबीआई जांच की अनुशंसा करें. सरकार व परिस्थितियां बदलेंगी, जिन्होंने भी नियुक्ति घोटाले में सहभागिता सुनिश्चित की है उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी. भाजपा आएगी, न्याय दिलाएगी. राज्य का आदिवासी-मूलवासी समाज सोरेन परिवार से त्रस्त है, इस बार समाज उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकेगा.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 134 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.2	26.2
जमशेदपुर	35.8	26.7
डालटनगंज	34.6	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,300
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को बेल

रांची। चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन की गलत तरीके से खरीद-बिक्री करने के आरोपी रांची के पूर्व डीसी और निलंबित आईएएस छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी और बचाव पक्ष यानी छवि रंजन का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने बेल दे दी. छवि रंजन फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं. उनकी ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अभिषेक चौधरी, स्नेह सिंह और अभिषेक सिंह ने बहस की. यह केस ईडी के कांड संख्या ईसीआईआरआर 5/2023 से जुड़ा हुआ है.

हरियाणा : भर्ती परिणामों पर रोक

नयी दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को राज्य के अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक पुलिस कांस्टेबल और शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं के परिणामों की घोषणा करने से रोक दिया. हरियाणा में एक अक्टूबर को एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होना है.

ईरान: बस दुर्घटना में 28 लोगों की मौत

तेहरान। शिया जायरीनों को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. अधिकारियों ने बुधवार को इस हादसे में करीब 28 जायरीनों की मौत होने, जबकि 23 अन्य के घायल होने की जानकारी दी. आपातकालीन सेवा के अधिकारी मोहम्मद अली मालकजादेह ने बताया कि यह हादसा मंगलवार देर रात राजधानी तेहरान से लगभग 500 किमीर दक्षिण-पूर्व में यज्द प्रांत के तफ्त शहर के बाहरी इलाके में हुआ.

नक्सल प्रभावित राज्यों की समीक्षा करेंगे शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित होने वाली एक उच्च स्तरीय बैठक में नक्सल प्रभावित राज्यों के बीच अंतर-राज्यीय समन्वय की समीक्षा करेंगे. अंतर-राज्यीय समन्वय बैठक में छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के अलावा केंद्र सरकार के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के भी शामिल होंगे.

गुजरात: दूसरा स्वदेशी परमाणु रिएक्टर शुरू

नयी दिल्ली। गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन में 700 मेगावाट के भारत के दूसरे स्वदेशी परमाणु ऊर्जा रिएक्टर ने पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया. एनपीसीआईएल ने बताया कि केएपीएस इकाई 700 मेगावाट की पूर्ण क्षमता तक पहुंचने से पहले 90% क्षमता पर काम कर रही थी.

सामूहिक दुष्कर्म मामले में 6 गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुलिस ने रक्षाबंधन के दिन 27 वर्षीय आदिवासी युवती से सामूहिक बलात्कार के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि रायगढ़ के पुसौर थाना क्षेत्र में एक आदिवासी युवती से सामूहिक बलात्कार के आरोप में राहुल चौहान समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

भारत बंद : समर्थक सड़क पर उतरे, कम चले वाहन, बंद रहे स्कूल-कॉलेज व दुकानें

झारखंड में मिला-जुला असर रामगढ़ व धनबाद में असरदार

लगातार न्यूज । नेटवर्क टीम

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के विरोध में आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के भारत बंद का झारखंड में भी मिला जुला असर रहा. कई जिलों में बंद समर्थक सड़क पर उतर कर भारत बंद को सफल बनाने में जुटे थे. राजधानी रांची की बात करें, तो सामान्य दिन की तुलना में वाहनों का परिचालन काफी कम रहा. व्यस्त रहनेवाले किशोरगंज चौक पर बुधवार को वाहन कम दिखे. सड़क पर लोग कम ही नजर आए. इक्का-दुक्का दुकानों को छोड़ कर सभी दुकानें बंद रहीं. वहीं, बंदी को देखते हुए एहतियातन सभी स्कूलों बंद रहे.

रांची के अलावा हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो, तोपाचांची, झरिया, लातेहार आदि जिलों में भारत बंद का मिल-जुला असर देखने को मिला. गिरिडीह, चक्रधरपुर में बंद असरदार रहा. सड़कों पर गाड़ियां कम दिखीं. भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बाधित है. सभी मार्गो में बंद समर्थक मौजूद है. बोकारो की बात करें तो यहां भी भारत बंद का कोई असर नहीं दिख रहा है. रोड पर सामान्य दिनों की तरह ही ट्रक, बस सहित अन्य गाड़ियां नहीं चलीं. बता दें कि झारखंड में भारत बंद को झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दलों के अलावा कई संगठनों ने समर्थन दिया था.

धनबाद में भी दिखा असर, सड़क पर उतरे समर्थक : भारत बंद का धनबाद में व्यापक असर देखने को मिल रहा है. प्रदर्शनकारियों ने धनबाद बरटांड बस स्टैंड, झरिया-कतरास मोड़, बस्ताकोला, लोदना मोड़ आदि क्षेत्रों में सड़क पर बांस लगा कर आवागमन को अवरूद्ध कर दिया. धनबाद में अधिकतर निजी स्कूलों को बंद रहीं. तोपचांची नेशनल हाईवे को भीम आर्मी, राजद और जेबीकेएसएस कार्यकर्ताओं ने जाम कर दिया था. झरिया में बंद का खास असर नहीं दिखा. सभी दुकानें खुली रहीं और छोटे वाहन चलते रहे. हालांकि बंद समर्थक सड़क पर बैठे थे, जिसकी वजह से सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न होती रही. झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग बस्ताकोला के समक्ष बंद समर्थकों ने सड़क जाम कर दिया है. इसकी वजह से करीब दो घंटे से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा. पुलिस ने कुछ बंद समर्थकों हिरासत में लिया. वहीं बाघमारा, हरीना चौक, डुमरा में सुबह से ही भारत बंद का असर देखने को मिला.

रामगढ़ में असरदार रही बंदी, कई मार्ग किये अवरुद्ध : हजारीबाग व लातेहार में भी भारत बंद का मिल-जुला असर देखा गया. लातेहार के महुआडांड़ में बंद समर्थक सड़कों पर उतर आये. वहीं, रामगढ़ जिले में बंद का व्यापक असर देखने को मिला. सुभाष चौक पर बंद समर्थक सड़क पर उतरकर एनएच -23 को पूरी तरह बाधित कर दिया था. जिले के भुरकुंडा कोलांचल में बंद का असर पूरी तरह देखने को मिला. सैकड़ों की संख्या में बंद समर्थक भुरकुंडा मतकम्मा चौक पर डटे रहे और रामगढ़-पतरातू मुख्यमार्ग को जाम कर दिया. इसके अलावा लोहरदगा व सिमडेगा में बंद का आंशिक असर देखने को मिला.

रांची में बंद के दौरान टायर जला कर सड़क जाम किया, पास से गुजरता एंबुलेस. तस्वीर : रमीज

धनबाद : जाम ने ले ली किशोरी की जान

धनबाद। भारत बंद के कारण धनबाद में एक सड़क दुर्घटना में जख्मी निरसा की एक किशोरी की जान चली गई. 14 वर्षीय पायल बुधवार को अपने घर के समीप अज्ञात बाइक की चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी. पायल को परिजन निजी वाहन से धनबाद के अस्पताल ले जा रहे थे. लेकिन बंदी की वजह से कई स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर सड़क जाम कर दिया गया था. जाम के कारण युवती को अस्पताल पहुंचाने में देर हो गई. एसएनएमएमसीएच पहुंचने पर इमरजेंसी में डॉक्टरों ने किशोरी का इलाज शुरू किया, लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई.

पटना में लाठीचार्ज, गुजरात में मालगाड़ी रोकी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बुधवार को बुलाए गये भारत बंद का मिला-जुला असर रहा. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर बुलाए गए इस बंद को देशभर के 21 संगठनों ने समर्थन दिया था. बिहार की राजधानी पटना में बंद के दौरान जमकर बवाल देखने को मिला. पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया. इस दौरान सिविल ड्रेस में मौजूद एसडीएम पर पुलिस जवान ने लाठियां भांज दी. वहां मौजूद पुलिस अफसरों ने जवान को रोका और बताया कि वो एसडीएम हैं. इसके बाद जवान ने एसडीएम से माफी मांगी. भारत बंद के समर्थन में पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी सड़क पर उतरे.

वहीं, राजस्थान के जयपुर, अलवर, अजमेर समेत कई इलाकों में भारत बंद का असर नजर आया. यहां प्रमुख बाजार बंद रहे और सड़कों पर आवागमन अन्य दिनों की तुलना में कम देखने को मिली. वहीं, असम में बंद बेअसर रहा. राज्य भर में विद्यालयों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कामकाज सामान्य ढंग से चला तथा कर्मियों की पूर्ण उपस्थिति रही. भारत बंद का पंजाब और हरियाणा में भी कोई खास असर नहीं दिखा. हालांकि कुछ स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए. पंजाब और हरियाणा में भारत बंद का कोई खास असर नहीं दिखा. सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सामान्य रूप से संचालित रहीं. साथ ही दुकानें भी खुली रहीं.

गुजरात में मालगाड़ी रोकी, डेढ़ घंटे बाद छोड़ा : गुजरात के छोटा उदयपुर, नर्मदा, सुरेंद्रनगर, साबरकांठा और अरावली जैसे जिलों के आदिवासी और दलित बहुल इलाकों में भारत बंद का असर दिखा. यहां बाजार बंद रहे. सुरेंद्रनगर जिले के वाधवन तालुका में प्रदर्शनकारियों ने मालगाड़ी रोक दी और नारेबाजी की. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाया और करीब डेढ़ घंटे बाद मालगाड़ी भावनगर के लिए रवाना हुई. ओडिशा में सड़क, रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित रहीं. सरकारी कार्यालयों, बैंक, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुआ.

यूपी में प्रदर्शन, एमपी में बंद का आंशिक असर

उत्तर प्रदेश में भारत बंद को सपा, बसपा, आजाद पार्टी समेत तमाम संगठनों ने अपना समर्थन दिया. लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर बसपा कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर प्रतिमा के पास विरोध-प्रदर्शन किया. प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की. वहीं, मध्य प्रदेश में भारत बंद का आंशिक असर दिखा. राजधानी भोपाल के अलावा ग्वालियर चंबल अंचल, विंध्य अंचल, मालवांचल, निमाड़, महाकौशल, बुंदेलखंड क्षेत्र में भी पूरी तरह से शांति रही.

ना झामुमो के रहे, ना भाजपा में जा सके

नई पार्टी बनायेंगे चंपाई सोरेन

जिलिंगगोड़ा गांव में अपने समर्थकों को संबोधित करते चंपाई सोरेन.

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सुर बागी होने के बाद झारखंड की राजनीतिक गलियारों में कयासों का दौर लगना शुरू हो चुका था. इस बीच 'एक्स' पर पोस्ट कर झामुमो में अपमान होने की बात कह कर उन्होंने सियासी सरगर्मी और बढ़ा दी थी. चंपाई ने तीन विकल्प भी बताए थे, राजनीति से सन्यास, नयी पार्टी का गठन और इस राह में मिलने वाले समान विचारधारा वाले दोस्त का साथ. सभी को उनके अगले कदम का इंतजार था. चंपाई सोरेन ने बुधवार को साफ कर दिया कि वह राजनीति से सन्यास नहीं लेंगे और नया संगठन बनाएंगे.

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आंदोलन के वक्त से गुरुजी के मजबूत स्तंभ माने जानेवाले चंपाई सोरेन के झामुमो में रहने की संभावनाएं अब खत्म हो गयी हैं. उन्होंने खुद ही बड़ा ऐलान कर एक तरह से इस पर मुहर लगा दी है. कोलकाता से मंगलवार देर रात झारखंड लौटने के बाद चंपाई सोरेन ने बुधवार को सरायकेला-खरसावां जिला स्थित अपने पैतृक गांव जिलिंगगोड़ा में एक जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि कोलकाता से लौटने के बाद उनकी बहुत से लोगों से बातचीत हुई. देर रात भी 5000 से अधिक लोगों के के साथ बातचीत हुई थी. अब वे बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं.

चंपाई काफी समझदार, अपनी मंजिल ढूंढ लेंगे : मरांडी : पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की घोषणा के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बहुत ही सधा हुआ बयान दिया है. मरांडी ने कहा कि चंपाई सोरेन काफी समझदार हैं, वो अपनी मंजिल ढूंढ लेंगे. चंपाई सोरेन संघर्षशील रहे हैं, सही राह पर आगे चलेंगे. साथी ढूंढ रहे हैं, तो सही साथी ढूंढ लेंगे. मरांडी ने कहा कि चंपाई से भाजपा में आने का न आग्रह करेंगे और न ही अनुरोध. समझदार चंपाई सोरेन खुद उचित निर्णय लेंगे.

आदिवासी हित की बात करने वाले साथी की तालाश

जिलिंगगोड़ा के उत्क्रमित फुटबॉल ग्राउंड में भारी संख्या में मौजूद समर्थकों को संबोधित करते हुए चंपाई ने कहा कि मैंने तय कर लिया है कि राजनीति से संन्यास नहीं लेंगे. अगर आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाला कोई साथी मिलेगा, तो उनके साथ आगे बढ़ेंगे. उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि जब मैं कुछ भी नहीं था, तब भी यहां के मजदूरों के हक में आवाज बुलंद करता था. उनकी लड़ाई लड़ता था. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वे अपनी नयी पार्टी बनाएंगे.

सन्यास नहीं लेंगे

पोटका के इंपीरियल रिसोर्ट में बनी आगे की रणनीति : जिलिंगगोड़ा में अपने समर्थकों को संबोधित करने के बाद चंपाई सोरेन पोटका विधानसभा क्षेत्र पहुंचे. यहां इंपीरियल ब्लू रिसोर्ट में उन्होंने अपने समर्थकों एवं शुभचिंतकों के साथ बैठक की. देर शाम तक चली बैठक में अपने सिपहसलारों से अगले कदम को लेकर चर्चा की. मीडिया द्वारा आगे के राजनीतिक कदम के बारे में पूछने पर चंपाई ने कहा कि इंतजार कीजिए जल्द तस्वीर साफ हो जाएगी.

देश भर के 16 माननीय दुष्कर्म के आरोपी

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है. इनमें पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे अधिक है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की, जिसके बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों को चिह्नित किया गया.

आरोपी माननीयों में बंगाल शीर्ष पर : रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है, जिसके बाद आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 सांसद-विधायक हैं. यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या तथा ठाणे में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार से संबंधित मामलों की जानकारी दी है. इनमें से दो सांसद और 14 विधायक हैं.

भाजपा के सांसद-विधायक सबसे अधिक : रिपोर्ट के अनुसार, राजनीतिक दलों में सबसे अधिक भाजपा के 54 सांसद और विधायक हैं, जिनके खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले हैं. इसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी के 17 सांसद-विधायक हैं. भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही पांच-पांच मौजूदा सांसद-विधायक बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं.

एडीआर रिपोर्ट की मुख्य बातें

- 16 सांसदों, 135 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले
- पार्टी के तौर पर भाजपा के सबसे अधिक आरोपी, बंगाल के माननीय सबसे अधिक

अस्पताल में तोड़फोड़ मामले में तीन निलंबित

कोलकाता। पुलिस ने पिछले सप्ताह आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के सिलसिले में अपने तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. अधिकारियों ने बताया कि निलंबित पुलिसकर्मियों में दो सहायक पुलिस आयुक्त शामिल हैं. बता दें कि बीते 15 अगस्त को तड़के कुछ लोगों ने आरजी कर अस्पताल में घुस कर आपातकालीन विभाग, नर्सिंग स्टेशन और दवा घर में तोड़फोड़ की थी.

भारत के खिलाफ चीन की साजिश को सैटेलाइट तस्वीरों ने किया बेपर्दा

एलएसी के पास बनाया छह हेलीस्ट्रिप

लगातार। न्यूज नेटवर्क

भारत के पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल को अपना हिस्सा बताने वाले चीन ने एक बार फिर भारत के खिलाफ साजिश रचना शुरू कर दिया है. चीनी सेना ने लद्दाख से लगनेवाली वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास छह हेलीस्ट्रिप बनाई है. इस खुलासा सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है. लद्दाख के डेमचोक से इन लद्दाख से 160 किमी दूरकी दूरी करीब 160 किलोमीटर है. चीन यहां से भारतीय सेना के टैंकों और अन्य बड़े हथियारों को निशाना बना सकता है.

भारतीय व चीनी सेनाओं का संघर्ष क्षेत्र रहा है डेमचोक : डेमचोक एलएसी के पास ही है और भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच संघर्ष क्षेत्र रहा है. यहां भारत और चीन की सेना आमने-सामने तैनात हैं. फिलहाल भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है. एक मीडिया रिपोर्ट की मानें, तो यह हेलीस्ट्रिप गेयायी नाम की जगह पर बनाया गया है, पर यहां कंस्ट्रक्शन का काम पूरा नहीं हुआ है. सैटेलाइट तस्वीरों से जाहिर होता है कि यहां पर छह हेलीस्ट्रिप तैयार की जा रही है. मतलब साफ है कि यहां आधा दर्जन से अधिक हेलीकॉप्टर एक साथ तैनात किए जा सकते हैं.

लद्दाख से 160 किमी दूर हेलीस्ट्रिप की सैटेलाइट तस्वीर

रिपोर्ट बाहर आने के बाद कांग्रेस का मोदी पर निशाना

चीन की सेना ने लद्दाख से सटी एलएसी के पास छह हेलीस्ट्रिप बनाए जाने की मीडिया रिपोर्ट बाहर आने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. ऑफिसियल 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट में कहा है कि चीन बॉर्डर पर अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा. एक बार फिर सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात का खुलासा हुआ है. चीन लगातार एलएसी पर दखल दे रहा है, लेकिन नरेंद्र मोदी खामोश हैं. जो मोदी चीन को 'लाल आंख' दिखाने की बातें करते थे, आज वे चीन का नाम तक नहीं ले पा रहे हैं. चीन ऐसी हिमाकत सिर्फ इसलिए कर पा रहा है, क्योंकि मोदी चीन को पहले ही क्लीन चिट दे चुके हैं.

खुलासा **द लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण ने चौंकाया**

रेड मीट खाने से टाइप-2 मधुमेह का खतरा अधिक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दक्षिण-पूर्व एशिया सहित दुनिया भर के 20 देशों के 19 लाख से अधिक वयस्कों पर किए अध्ययन के अनुसार रेड मीट का सेवन टाइप-2 मधुमेह के खतरे को बढ़ाता है. 'द लांसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण में पाया गया है कि रोज 50 ग्राम प्रसंस्कृत मांस, 100 ग्राम असंसाधित रेड मीट और 100 ग्राम पोल्ट्री मांस लेने से टाइप-2 मधुमेह होने के खतरा क्रमशः 15 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और आठ प्रतिशत अधिक है.

अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, मेक्सिको सहित अन्य देशों के शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने कहा कि दुनिया के कई क्षेत्रों में मांस का सेवन अनुशंसित स्तर से अधिक है और इसका संबंध टाइप-2 मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों से है. उन्होंने कहा कि हालांकि, सभी मौजूदा सबूत काफी हद तक उच्च आय वाले देशों, मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अध्ययनों पर आधारित हैं. इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 31 समूहों को शामिल किया, जिसके लिए डेटा वैज्ञानिक अध्ययन और ऑनलाइन रजिस्ट्री से संकलित किया गया था. अध्ययन में भाग लेने वाले 19,66,444 लोगों में से एक लाख से अधिक लोगों को टाइप-2 मधुमेह हुआ, जो आम तौर पर 10 वर्ष तक रहता है.

शोधकर्ताओं ने कहा, टाइप-2 मधुमेह के साथ असंसाधित रेड मीट और प्रसंस्कृत मांस का सकारात्मक संबंध अमेरिका के क्षेत्र में (क्रमशः 13 और 17 प्रतिशत), यूरोपीय क्षेत्र में (छह और 13 प्रतिशत) अधिक था. वहीं, पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र व पूर्वी एशिया में (17 और 15 प्रतिशत) पाया गया. हालांकि, शोधकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि पोल्ट्री के बजाय असंसाधित रेड मीट का सेवन करने से मधुमेह के खतरे को कम करने में मदद मिलती है.

- दुनिया के कई क्षेत्रों में मांस का सेवन अनुशंसित स्तर से अधिक
- काफी हद तक उच्च आय वाले देशों के वयस्कों पर है अध्ययन

संतुलित आहार लेना जरूरी

इस शोध से साफ है कि रेड मीट का अधिक सेवन करने से टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है. इसलिए, अगर आप अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखना चाहते हैं, तो रेड मीट की मात्रा को कम करना और संतुलित आहार लेना जरूरी है. इसके अलावा, मांस के हेल्थ ऑप्शन जैसे कि पोल्ट्री या अनप्रोसेस्ड रेड मीट का सेवन करने से डायबिटीज के खतरे को कुछ हद तक कम किया जा सकता है. इसका मतलब यह भी है कि अपने खाने-पीने की आदतों पर ध्यान देना और जरूरत के मुताबिक इसमें सकारात्मक बदलाव जरूरी है.

युद्धग्रस्त क्षेत्र में शांति व स्थिरता बहाली की उम्मीद : नरेंद्र मोदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह यूक्रेन में जारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं. पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी एक बयान में मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली की उम्मीद भी जताई.

इस दौरे के पहले चरण में मोदी बुधवार को पोलैंड की राजधानी वॉरसा पहुंचे. वे यहां 22 अगस्त तक रहेंगे. पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी, राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. इसके बाद वे 23 अगस्त को यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ विचार साझा करेंगे. कीव में मोदी सात घंटे रहेंगे. बता दें कि पीएम मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन का दौरा कर रहे हैं. यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूक्रेन की पहली यात्रा है. मोदी ने कहा है कि एक मित्र और साझेदार के रूप में हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की उम्मीद करते हैं.

- पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर पीएम

ग्रामीण क्षेत्रों में बंद का व्यापक असर, शहरी इलाकों में दिखा कम प्रभाव

जमशेदपुर के करनडीह चौक में प्रदर्शन करते बंद समर्थक.

आदित्यपुर के आकाशवाणी चौक पर प्रदर्शन करते बंद समर्थक.

बंद के दौरान मुसाबनी बाजार की सभी दुकानें बंद रहीं. यहां बंद का व्यापक असर देखा गया.

जमशेदपुर में बंद समर्थकों ने सड़क पर उतर कर बंद कराईं दुकानें, टायर जला किया विरोध

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

भीम सेना व दलित समाज की ओर से बुधवार को आहूत भारत बंद मिश्रित रहा. ग्रामीण एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बंद असरदार रहा. बंद समर्थक सड़कों पर उतरकर वाहन एवं दुकानें बंद कराते दिखे. सड़कों पर टायर जलाकर मार्ग अवरूद्ध किया तथा नारेबाजी की. हालांकि शहरी क्षेत्र में कुछ क्षेत्रों में दुकानें खुली रहीं एवं वाहन परिचालन सामान्य दिनों की तरह रहा. कदमा, सोनारी, मरीन ड्राइव रोड में बंद समर्थकों ने टायर जलाकर प्रदर्शन किया. जमशेदपुर में बंद का ज्यादा असर करनडीह सुंदरनगर, परसुडीह में दिखा. झामुमो एवं अन्य दलों का समर्थन मिलने से ग्रामीण क्षेत्र में बंद असरदार रहा.

बंद समर्थकों ने करनडीह चौक जाम कर दिया. साथ ही टायर जलाकर विरोध जताया. इस दौरान बंद समर्थक घूम-घूमकर दुकानें बंद कराते दिखे. इस दौरान करनडीह एवं खासमहल में स्थित पेट्रोल पंप को भी बंद करा दिया गया. मौके पर पुलिस मौजूद रही. लेकिन किसी तरह का विरोध नहीं हुआ. टाटा-हाता रोड में

कदमा बाजार में बंद पड़ी दुकानें.

फंसी कुछ गाड़ियों ने मार्ग बदलकर आना-जाना किया. दोपहर बाद इक्का-दुक्का वाहन सड़कों पर चलते दिखे. ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से एससी-एसटी आरक्षण को लेकर हालिया आए फैसले से दलित समाज एवं भीम सेना नाराज है. उक्त समाज अदालत के फैसले का विरोध कर रहा है.

डिमना चौक पर बंद समर्थकों ने किया रोड जाम

भारत बंद के दौरान झामुमो एवं दलित समाज के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को डिमना चौक जाम कर दिया. इस दौरान टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया. जिसके कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. हालांकि पुलिस मौजूद रही. जिसके कारण किसी तरह की अनहोनी अथवा तोड़फोड़ की सूचना नहीं है. लेकिन बंद समर्थकों की नारेबाजी के कारण अधिकतर दुकानें बंद रही. वहीं कुछ समर्थकों ने मानगो पुल को भी जाम करने की कोशिश की. लेकिन पुलिस की तत्परता से जाम हट गया.

कांग्रेस-राजद कार्यकर्ता उतरे सड़क पर

भारत बंद के दौरान कई क्षेत्रों में कांग्रेस एवं राजद के कार्यकर्ता भी सड़कों पर उतरकर बंद कराते दिखे. करनडीह में कांग्रेस के जिला महासचिव भरत सिंह, आशीष ठाकुर की अगुवाई में समर्थक बंद कराते दिखे. वहीं राजद के ललन यादव ने समर्थकों के साथ दुकानदारों से बंद का समर्थन करने की अपील की.

स्टेशन-बिष्टुपुर क्षेत्र में नहीं दिखा असर

भारत बंद का टाटानगर स्टेशन, जुगसलाई, बिष्टुपुर आदि क्षेत्रों में कोई असर देखने को नहीं मिला. बंद को देखते हुए चौक-चौराहों पर पुलिस तैनात दिखी. इन क्षेत्रों में सामान्य दिनों की तरह दुकानें खुली रही. सिटी बसें व ऑटो सड़कों पर चलते रहे. वहीं आम लोग अपने दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों से आना-जाना करते रहे.

आदित्यपुर में आकाशवाणी चौक पर किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता | आदित्यपुर

एससी-एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के विरोध में बुधवार को एससी-एसटी ओबीसी समन्वय समिति के बंद समर्थकों ने आकाशवाणी चौक पर धरना प्रदर्शन कर रैली की. इस दौरान आवश्यक सेवाओं को बंद से अलग रखा गया. इस दौरान सड़क जाम की और दुकानों को बंद कराया. इस कार्यक्रम में राजद और कांग्रेस के नेताओं ने भी सहभागिता निभाई.

बंद समर्थकों में राजद के प्रदेश महासचिव पुरेन्द्र नारायण सिंह, राजद नेत्री शारदा देवी, पूर्व डीएसपी अखिल झारखंड दुसाध महासभा के अध्यक्ष सरयू पासवान, राजद के प्रदेश महासचिव वीरेंद्र यादव, रामाशीष राम, प्रदेश सचिव राजेश यादव, प्रदेश सचिव देव प्रकाश देवता, कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुरेश धारी, प्रभात पार्क विकास समिति के अध्यक्ष बरामचंद्र पासवान, यदुनंदन राम, आर के अनिल, आरपी राही, पांडी मुखी, भरत राम, अर्जुन भगत, खिरोद सरदार, प्रदीप मुखी आदि शामिल थे.

भारत बंद का आदित्यपुर में सुबह-सुबह मिला-जुला असर दिखा. बंद समर्थकों ने अहले सुबह टोल ब्रिज जाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं. बता दें कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए सुझाव के विरोध में बुधवार को एससी एसटी संगठनों ने भारत बंद बुलाया है. इसको लेकर आज आदित्यपुर में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति और झामुमो के सदस्यों ने केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर टोल ब्रिज के समक्ष जोरदार प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दिया.

इस दौरान मार्ग पर वाहनों का परिचालन ठप रहा. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित संगठनों के इस बंद को जेबीकेएसएस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने समर्थन दिया है. इन संगठनों ने आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बाकी सारे काम काज को बंद रखने का आह्वान किया है. बंद समर्थक नेताओं ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण करके अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों में फूट डालने की कोशिश की जा रही है. इसका हम सब विरोध कर रहे हैं.

घाटशिला अनुमंडल में बंद का मिला-जुला असर, ठप रहा यात्री वाहनों का परिचालन

संवाददाता | घाटशिला/ डुमरिया / बहरागोड़ा / जादूगोड़ा

विभिन्न आदिवासी मूलवासी संगठनों द्वारा भारत बंद के आह्वान का घाटशिला अनुमंडल क्षेत्र में मिला-जुला असर देखने को मिला. बंद के दौरान बुधवार को घाटशिला की सभी दुकान बंद रहीं जबकि कुछ देर के लिए बंद समर्थकों ने एनएच 18 फोरलेन पर वाहनों का आवागमन ठप कर दिया. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने मौके पर पहुंचकर बंद समर्थकों को हटाया, इसके बाद एनएच पर वाहनों का आवागमन शुरू हो गया. घाटशिला से मुसाबनी, बहरागोड़ा व जमशेदपुर जाने वाली यात्री बसें पूरी तरह बंद रहीं. गैर सरकारी संस्थान को छोड़कर सभी सरकारी संस्थान पूरी तरह खुले रहे. इक्का-दुक्का स्कूल कॉलेज को छोड़कर बाकी सब बंद रहा. बंद समर्थकों को में मुख्य रूप से भीम आर्मी, माझी परगना महाल, कांग्रेस पार्टी एवं विभिन्न आदिवासी संगठन के लोग शामिल थे. बंद के दौरान सरकारी कार्यालय में अन्य दिनों की तुलना लोगों की आमद काफी कम थी जबकि घाटशिला व्यवहार न्यायालय में फरियादियों की काफी भीड़ देखने को मिली.

डुमरिया प्रखंड में आदिवासी संगठनों द्वारा आहूत बंद बेअसर रहा. डुमरिया बाजार सामान्य दिनों की तरह खुला. बैंक की शाखा में भी सामान्य कामकाज दिनों की तरह लेन-देन किया गया. प्रखंड में आदिवासी संगठनों का कोई सदस्य नजर नही आया. झामुमो के कार्यकर्ता भी कहीं नहीं दिखे. यात्री वाहन नहीं चले, यात्री भी घरों से नहीं निकले. डुमरिया से सटे मुसाबनी प्रखंड में बंदी का व्यापक असर रहा. आवश्यक सेवाओं को छोड़कर पूरा बाजार बंद रहा. मुसाबनी झामुमो कार्यकर्ता भी बंदी को लेकर सक्रिय रहे.

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 तथा एनएच 49 के संगम स्थल पर झामुमो कार्यकर्ताओं व माझी परगना महाल के लोगों ने सड़क अवरोध कर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में नारेबाजी की. वहीं मौके पर बहरागोड़ा थाना प्रभारी विकास कुमार तथा बरसोल थाना प्रभारी चंदन कुमार यादव अपने दल बल के साथ मुस्तैद रहे. बहरागोड़ा के अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो व दोनों थाना प्रभारियों ने मिलकर बंद समर्थकों के साथ वार्ता करके सड़क को जाम से मुक्त कराया. उधर आम दिन के भांति बाजार खुल रहा लेकिन खरीदारी करने वाले लोगों में भारी कमी देखी गई. समर्थकों में झामुमो केंद्रीय सदस्य आदित्य प्रधान, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष असित मिश्रा, प्रोफेसर श्याम मुर्मू, गुरुचरण मांडी, रासबिहारी साउ, सुमित माइति आदि उपस्थित थे.

जादूगोड़ा की सड़कों पर सुबह 10 बजे झामुमो कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे. कार्यकर्ताओं ने झामुमो जिला उपाध्यक्ष बाघराय मार्डी की अगुवाई में मोटरसाइकिल पर जादूगोड़ा, राखा कॉपर की मुख्य सड़क पर घूम-घूम कर दुकानों को बंद कराया. बाघराय मार्डी ने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण में छेड़छाड़ के खिलाफ वह लोग सड़कों पर उतरे हैं. इस बीच बंद को देखते हुए थाना प्रभारी अभिषेक कुमार व हाइवे पेट्रोलिंग सड़क पर सुबह साढ़े छह बजे से चौकस रही. जादूगोड़ा पुलिस की चौकसी की वजह से बंद समर्थकों ने शांतिपूर्ण ढंग से दुकानों बंद कराया. क्षेत्र में बंद का मिलाजुला असर देखने को मिला.

ब्रीफ खबरें

बिहार के कैबिनेट मंत्री डॉ अशोक चौधरी का स्वागत

आदित्यपुर। जमशेदपुर में माइकल जान ऑडिटोरियम में श्रावणी मिलन समारोह में शामिल होने के लिए बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अशोक चौधरी बुधवार को टाटानगर स्टेशन पहुंचे. स्टेशन पर मंत्री डॉक्टर अशोक चौधरी का कोल्हान जदयू ने बाजे गाजे के साथ स्वागत किया. मौके पर सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार, पश्चिमी सिंहभूम जिलाध्यक्ष विश्राम मुंडा, जमशेदपुर जिला अध्यक्ष विश्राम प्रसाद, झारखंड प्रदेश सचिव अंजलि सिंह, जमशेदपुर जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, जिला सचिव संजय यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भ्रामक राजनीति कर रहे कुछ लोग : अभय झा

आदित्यपुर । सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए एससी-एसटी आरक्षण कोटे में क्रीमी लेयर संशोधन पर कुछ लोग भ्रामक राजनीति कर रहे हैं. यह बात युवा जनशक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय झा ने कही. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट पर कुछ लोग निजी स्वार्थवश भ्रामक प्रचार-प्रसार कर भारत बंद का आयोजन किए हैं. इसका युवा जनशक्ति मोर्चा पुरजोर विरोध करता है. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के चार न्यायाधीशों ने क्रीमी लेयर की जो व्याख्या की है उसका मतलब उस वर्ग से है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रगति कर चुके हैं. इस श्रेणी के लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए.

भाकपा (एम) का एसडीएम ऑफिस पर प्रदर्शन आज

किरीबुरु । महंगाई-बेरोजगारी के खिलाफ **जमशेदपुर ।** भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से 22 अगस्त को धालभूम एसडीएम के कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा. जिला सचिव जेपी सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की जनविरोधी केंद्रीय बजट, महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय जनमुद्दों पर अगस्त माह में राज्यव्यापी जनसंपर्क अभियान जलाया गया. पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी इस मामले में सरकार एवं प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के लिए प्रदर्शन का निर्णय लिया है. प्रदर्शन साकची आम बगान से प्रारंभ होकर एसडीएम कार्यालय तक जाएगा. उसके बाद एक मांग पत्र मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा जाएगा.

जमशेदपुर पूर्वी से कांग्रेस के दो नेताओं ने टिकट के लिए ठोका दावा

पोटका से जयराम हांसदा ने मांगा टिकट, सौंपा उम्मीदवारी पत्र

उम्मीदवारी का आवेदन पत्र सौंपते कांग्रेस नेता.

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस की ओर से जिले की सभी छह विधानसभा से उम्मीदवारों की सूची मांगे जाने के बाद नेताओं ने टिकट की दावेदारी तेज कर दी है. बुधवार को जमशेदपुर पूर्वी तथा पोटका विधानसभा क्षेत्र से तीन नेताओं ने अपनी उम्मीदवारी का पत्र (बायोडाटा सहित) जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे को सौंपा.

48-जमशेदपुर पूर्वी विधान सभा क्षेत्र से आवेदन पत्र जमा करने वाले नेताओं में कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश सचिव इंदुभुषण यादव एवं प्रदेश सचिव प्रिंस सिंह ने उम्मीदवारी का आवेदन पत्र जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे को सौंपा. वहीं 46-पोटका विधान सभा क्षेत्र से जिला सचिव जयराम हांसदा ने कार्यालय प्रभारी संजय सिंह आजाद को आवेदन पत्र सौंपा. संजय सिंह आजाद ने बताया कि अगामी 23 अगस्त तक चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से आवेदन पत्र जमा लिया जाएगा. जिसे जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे अपनी अनुशंसा के बाद प्रदेश अध्यक्ष को सौंपेंगे. ज्ञातव्य हो कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के संभावित उम्मीदवार के तौर पर डॉ. अजय कुमार जन संपर्क अभियान शुरू कर चुके हैं. वहीं जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे भी वहां से टिकट के प्रबल दावेदार हैं.

हैमर थ्रो में जमशेदपुर के संजीव ने पदक की ओर बढ़ाए कदम

वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप

जमशेदपुर । स्वीडन के गोथनवर्ग शहर में आयोजित 25 वें वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 50 प्लस आयु वर्ग में शहर के हैमर थ्रोवर संजीव कुमार तोमर ने अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए हैमर को 51.53 मीटर छेपित कर वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में पदक की दिशा में पहला पड़ाव तय किया.

उन्होंने आठ फाइनलिस्ट में अपनी जगह पक्की की. इससे पहले फिलिपींस में आयोजित चैंपियनशिप में उन्होंने 51.03 मी के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था.

संजीव कुमार तोमर के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष विजय सिंह, अंतरराष्ट्रीय पूर्व एथलीट गुरदेव सिंह, अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्ट एवं मास्टर एथलीट अवतार सिंह, साबू जोसफ, एल एम महंता, प्रदीप मुखर्जी, अनूप नाग, हरदीप कौर, आनंद महतो, डॉ विजय मोहन सिंह, विलियम पॉलसन, मिथिलेश कुमार, के पी सिंह, सुबोल चटर्जी, मानिक लाल चटर्जी, पूर्वी सिंधु मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव श्याम कुमार शर्मा समेत खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी.

फुलडूंगरी से झांटीझरना सड़क निर्माण का नहीं हुआ शिलान्यास

भारत बंद के कारण सांसद ने कार्यक्रम स्थगित किया

कार्यक्रम स्थल पर सूना पड़ा पंडाल.

संवाददाता | घाटशिला

पथ निर्माण विभाग की ओर से फुलडूंगरी से झांटीझरना तक सड़क निर्माण 2 वर्षों से अधर में अटका हुआ था. उसका भूमि पूजन तथा शिलान्यास बुधवार को सांसद बिद्युत बरण महतो तथा विधायक रामदास सोरेन द्वारा डैम के पास किया जाना था. शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया था. स्टेज सजा कुर्सियां लगीं साथ ही साथ चेगजोड़ा से आगे की सबसे खतरनाक सड़क पर मिट्टी और राख डालकर बराबर भी किया गया. जिससे उधर के राहगीर, मुसाफिर तथा शिक्षक गण बहुत उत्साहित थे. परंतु भारत बंद को देखते हुए सांसद बिद्युत बरण महतो ने अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया. जिससे वह इलाका सुनसान पड़ा रह गया. झांटीझरना स्कूल से लौट रहे शिक्षक डा. कमर अली जब शाम चार बजे गुजर रहे थे तो वहां तीन कर्मचारी कुर्सियां समेट रहे थे.

अपना सामान वापस अब गाड़ी पर लाद रहे थे साथ ही साथ बेचारे भूख से बिलख रहे थे . उन तीनों ने बताया कि हम लोगों ने सुबह से इतनी तैयारी कर रखी थी लेकिन कोई नहीं आया. इस कारण हम लोगों को कुछ खाने को भी नहीं मिला और हम लोग भूखे प्यासे यहां बैठे हुए हैं. यहां पर कोई होटल भी नहीं है जहां कुछ खाने को मिल सके. अब इस कार्यक्रम को कब फिर किया जाएगा यह बात वह लोग जानते भी नहीं.

न्यूज अपडेट

राइजिंग सन इंग्लिश स्कूल में मना 'ग्रीन डे सेलिब्रेशन'

जमशेदपुर । बच्चों को ग्रीन डे का महत्त्व बताने के उद्देश्य से बुधवार को राइजिंग सन इंग्लिश स्कूल केबुल बस्ती ने अपने सभागार में 'ग्रीन डे सेलिब्रेशन' का आयोजन किया. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका सारा मसीह और मुस्कान कुमारी ने किया. जबकि स्वागत संबोधन प्रधानाध्यापिका लुबना नूर खान ने किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष, विद्यालय समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार और महासचिव परमानंद कौशल उपस्थित थे. छोटे बच्चों ने हरा ड्रेस पहन कर सबसे पहले रैंप वॉक किया और हरियाली का संदेश दिया.

फुलपाल गांव में भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने की बैठक

घाटशिला । भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने बुधवार को घाटशिला प्रखंड के फुलपाल गांव में विधान सभा चुनाव को लेकर ग्रामीणों के साथ बैठक की. गीता मुर्मू ने ग्रामीणों को बताया कि केंद्र सरकार की बहुत सारी योजना पर हेमंत सरकार ने धरातल पर काम ही नहीं किया. इसके कारण ग्रामीणों को केंद्र सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पया है. इस बार विधानसभा चुनाव में सभी विधानसभा के ग्रामीण एवं शहरी लोगों ने भी मन बना लिया है कि भाजपा के सरकार सुनिश्चित बनेगी और विकास की पहिया हर गांव शहर में दौड़ेगा. इस मौके पर सीमा करवा, डोली करवा साथ ही काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

बहरागोड़ा में भाजपा नेत्रियों ने निकाली न्याय यात्रा

बहरागोड़ा । बुधवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के ओम कृष्ण होटल परिसर से ऋषि षाड़ंगी के नेतृत्व में भाजपा नेत्रियों ने न्याय यात्रा निकाली. इसमें महिलाओं ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता के आरजे मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर की हत्या के विरोध में उचित न्याय की मांग की. इसमें महिलाओं के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल हुए. रैली में शामिल लोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बंद करने, डॉक्टर के हत्यारे को फांसी देने, बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से अविलंब बाहर निकालने तथा महिलाओं को सम्मान देने के नारे लगाये. रैली पूरे बाजार क्षेत्र का परिभ्रमण करते हुए होटल परिसर में समाप्त हुई.

फोरलेन पर जल जमाव से वाहन चालक परेशान

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 पर कूलिंग प्वाइंट तथा ओम कृष्णा होटल के समीप जल जमाव होने से आवागमन करने वाले वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं वाहन चालकों का कहना है कि टोल टैक्स देने के बावजूद एनएचएआई द्वारा सड़क पर से पानी निकासी नहीं की जाती है. इस कारण हल्की बारिश में भी सड़क पर जल जमाव हो जाता हैस, जिससे छोटे वाहनों से लेकर बड़े वाहनों तक को सड़क पर चलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही जल जमाव से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है.

राजनीति युवा आक्रोश रैली को लेकर भाजपा गोलमुरी मंडल ने चलाया जन जागरुकता अभियान

सरकार की वादाखिलाफी का घर-घर वितरित किया पंपलेट

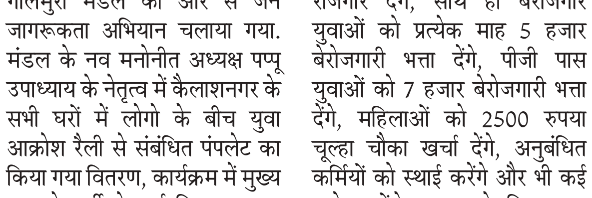

जन संपर्क अभियान चलाते भाजपाई.

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से 23 अगस्त को रांची में आयोजित आक्रोश रैली को लेकर बुधवार को गोलमुरी मंडल की ओर से जन जागरूकता अभियान चलाया गया. मंडल के नव मनोनीत अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय के नेतृत्व में कैलाशनगर के सभी घरों में लोगो के बीच युवा आक्रोश रैली से संबंधित पंपलेट का किया गया वितरण, कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार और प्रदेश कार्य समिति सदस्य मिथिलेश सिंह यादव उपस्थित थे. दिनेश कुमार ने कहा की 2019 के विधानसभा चुनाव के समय हेमंत सोरेन ने युवा और महिलाओं से वादा किया था की उनकी सरकार बनेगी तो प्रत्येक वर्ष 5 लाख युवाओं को रोजगार देंगे, साथ ही बेरोजगार युवाओं को प्रत्येक माह 5 हजार बेरोजगारी भत्ता देंगे, पीजी पास युवाओं को 7 हजार बेरोजगारी भत्ता देंगे, महिलाओं को 2500 रुपया चूल्हा चौका खर्चा देंगे, अनुबंधित कर्मियों को स्थाई करेंगे और भी कई वादे इन्होंने जनता से किया था. लेकिन एक भी वादा पूर्ण नहीं किए और आज फिर से जनता को लोक लुभावने वादे की झांसे में फंसाने का कार्य कर रहे हैं.

भारतीय जानत युवा मोर्चा इन सब मुद्दो को लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ 23 अगस्त को रांची के सड़को पर एक लाख युवाओं के साथ प्रदर्शन करने वाली है. इस प्रदर्शन में जमशेदपुर से भी बड़ी संख्या में भागदारी होगी तो हम सभी अपने क्षेत्र से निकल कर रांची चलें और अपने आने वाले भविष्य के निर्माण में सहायक बने.

जन जागरूकता अभियान में प्रोबीर चटर्जी राणा, नवजोत सोहेल, अभिमन्यु सिंह, विनोद झा, श्रीनु राव, सुरेंद्र सिंह शिंदे, राकेश गिरी, पप्पू कुमार, कैप्टन सिंह, रंजित कुमार सिंह, दीपक सिंह, भोला क्षत्रिय, दिनेश शर्मा, अमरेंद्र कुमार, पीयूष कुमार, शेखर पांडे आदि काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सत्ता परिवर्तन का कील ठोकने रांची में 23 को जुटेंगे झारखंड के युवा : डॉ.गोस्वामी

संवाददाता | घाटशिला

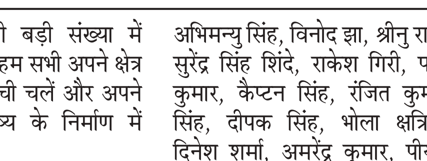

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से घाटशिला स्थित जिला कार्यालय में बुधवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई. प्रेस वार्ता में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने लगभग पिछले 5 वर्षों के दौरान मेधा सम्मान को काफी अपमानित किया है. इसका उदाहरण है कि जेपीएससी की परीक्षा के लिए घंटी आधारित शिक्षकों से प्रश्नपत्र बनवाया गया था. इसके अलावा उन्होंने पिछले 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं से वादा किया था कि एक वर्ष में 5 लाख युवाओं को रोजगार देंगे. मैट्रिक पास युवकों को 5000 रुपए बेरोजगारी भत्ता एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को कई अन्य प्रलोभन देकर सत्ता पर आसीन हुए हैं. इसके विरोध में आक्रोश रैली 23 अगस्त को है. उस दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करने के लिए रांची में युवा तथा महिलाएं पहुंच रहे हैं. युवाओं को जिस प्रकार से ठगा गया है उसका जवाब मांगने के लिए महिलाएं युवा तथा भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता रांची में जुट रहे हैं. इस आक्रोश रैली के माध्यम से सत्ता परिवर्तन की कील ठोकने का काम किया जाएगा. इसके अलावा हेमंत सोरेन सरकार की विफलताओं पर डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने जानकारी दी. प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश, गीता मुर्मू कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, गुरुवार 22 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 03, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 2, अंक : 134 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जमशेदपुर से लापता ट्रेनी विमान की खोज में आज से जुटेगी नौसेना

चांडिल डैम में दिनभर लगी रही एनडीआरएफ की टीम, नहीं मिला कोई सुराग

- सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन के आग्रह पर रक्षा राज्यमंत्री ने की पहल

संवाददाता | जमशेदपुर/चांडिल

जमशेदपुर (सोनारी) एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद लापता हुए अल्केमिस्ट एविएशन के एयरक्राफ्ट की खोज में भारतीय नौसेना भी सहयोग करेगी. इसका आदेश रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दिया. रक्षा राज्य मंत्री को सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने पत्र भेजकर नौसेना (नेवी) के सहयोग का आग्रह किया था. जिला प्रशासन के आग्रह पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने सकारात्मक पहल करते हुए, अधिकारियों को तुरंत मदद को कहा. इसके बाद नौसेना ने सक्रियता दिखाई.

बुधवार की रात विशेष विमान से नौसेना के 15 लोगों की टीम, 4 हाइड्रोसेलर्स मशीन व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ विशाखापट्टनम से रांची पहुंचेगी. रांची से फिर यह टीम चांडिल डैम के लिए रवाना होगी. 22 अगस्त सुबह से नौसेना की पूरी टीम चांडिल डैम में उक्त एयरक्राफ्ट की खोज शुरू करेगी. विदित हो कि 20 अगस्त को जमशेदपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर के बाद एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट लापता हो गया. एयरक्राफ्ट में पायलट (इंस्ट्रक्टर) व ट्रेनी पायलट सवार थे.

स्थानीय स्तर पर काफी खोजबीन के बाद उसकी जानकारी नहीं मिल पाई है. ऐसी आशंका जताई जा रही है कि विमान चांडिल डैम में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. दूसरी तरफ जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह 10.30 बजे उड़ान भरने के 50 मिनट बाद लापता हुए अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के एयरक्राफ्ट की खोज करने बुधवार को पहुंची एनडीआरएफ की टीम को सफलता नहीं मिली. विमान में सवार पायलट जीत शत्रु और ट्रेनी पायलट सुब्रतो दीप का कोई पता नहीं चल पाया है. हालांकि एनडीआरएफ की टीम को तलाशी के दौरान ट्रेनी पायलट सुब्रतो दीप का जूता मिला है. एयरक्राफ्ट के चांडिल डैम में गिरने की स्थानीय लोग पुष्टि कर रहे हैं. मंगलवार की शाम से ही डैम और आसपास के क्षेत्रों में इसकी तलाश जारी थी. स्थानीय लोगों ने कोयलागढ़, प्रतापपुर स्थित शिव मंदिर के आसपास विमान के गिरने की बात कही थी. बुधवार की सुबह रांची से चांडिल डैम पहुंची 16 सदस्यीय एनडीआरएफ की टीम ने डैम के अंदर लापता विमान और पायलटों की तलाश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली. बुधवार को सुबह लगभग 10 बजे चांडिल डैम के अंदर घुसी एनडीआरएफ की टीम तीन घंटे बाद खाली हाथ वापस लौट आई. उसके साथ स्थानीय तैराकों की टीम भी बाहर निकल आई है. इस दौरान प्रत्यक्षदर्शियों के बताए स्थान पर लापता विमान खोजबीन की गई. भोजन करने के बाद टीम दोबारा डैम के अंदर विमान और पायलट की तलाश करने घुसी. उनके साथ चांडिल डैम के वोट संचालकों की टीम भी देशी तकनीक के साथ डैम में प्रवेश किया. शाम करीब साढ़े चार बजे सभी वापस लौट आए. डैम से बाहर निकालने के बाद टीम लीडर सूरज कुमार ने बताया कि टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की है. उन्होंने कहा अगर विमान और पायलट यहां गिरे हैं तो निश्चित तौर पर टीम के सदस्य उन्हें खोज कर बाहर निकलेंगे.

चांडिल डैम में विमान गिरने की सूचना पाकर बड़ी संख्या में लोग बुधवार को चांडिल डैम पहुंचे और इसकी जानकारी ली. डैम में ईचागढ़ के विधायक सविता महतो के अलावा चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार रजवाड़, अल्केमिस्ट एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत जिले के कई पदाधिकारी और कर्मी के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे. उल्लेखनीय है कि मंगलवार से ही विमान के कभी पटमदा तो कभी दलमा जंगल में गिरने का कयास लगाया जा रहा था.

डैम में लापता विमान की तलाश करती एनडीआरएफ की टीम.

चांडिल डैम में पहुंचे लापता पायलटों के स्वजन एवं साथी.

डैम के पानी में मिले जूते और तेल के कुछ अंश

चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने बताया कि पुलिस-प्रशासन की टीम घटना पर नजर रखे हुई है. उन्होंने बताया कि डैम के अंदर पानी में घुसी एनडीआरएफ की टीम को पानी के ऊपर तेल का कुछ अंश और जूता मिला है. जहां-जहां तेल का अंश मिला टीम के सदस्य उन स्थानों में लापता विमान और पायलटों की तलाश किए. दोनों पायलटों के मोबाइल लोकेशन की भी जांच की जा रही है. डैम के आसपास के गांवों में लोगों को इसकी जानकारी देकर पूछताछ भी की जा रही है. बुधवार सुबह को ही प्रशासनिक पदाधिकारी चांडिल डैम पहुंचे. इसके बाद एनडीआरएफ की टीम पहुंची और लापता विमान की तलाश शुरू की.

स्थानीय लोगों ने देखा था विमान को डैम में गिरते

चांडिल के पियालडीह निवासी प्रत्यक्षदर्शी तपन मांझी और रुसु मांझी दोनों डैम में अलग अलग स्थान पर स्नान कर रहे थे. इस दौरान दोनों ने डैम के ऊपर एक विमान को उड़ते देखा. दोनों ने बताया कि डैम के पानी के ऊपर विमान नीचे उतरा. इसके बाद विमान दोबारा ऊपर उठा और इसके बाद सीधे डैम के पानी में गिर गया. चांडिल बांध विस्थापित मत्स्यजीवी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड चांडिल के सचिव श्यामल मार्डी ने बताया कि डैम के निकट डीमुडीह के रहने वाले लखन हेम्ब्रम समेत कुछ महिलाओं ने भी विमान को गिरते हुए देखने की बात कही है. वहीं आंडा गांव के लोगों ने भी हवाई जहाज को गिरते देखने की बात कही है.

ट्रेनी पायलट की मां का रो-रो कर बुरा हाल

सुबह लगभग 11 बजे ट्रेनी पायलट के माता-पिता और स्वजन चांडिल डैम पहुंचे. चांडिल डैम परिसर में उनकी मां का रो-रो कर बुरा हाल था. वे अपने संतान के वियोग में विलाप कर रही थी. इसके बाद सोनारी एयरपोर्ट के अधिकारी, पायलट और ट्रेनी पायलट के परिजन व साथी भी चांडिल डैम पहुंचे थे.

चुर्गी गांव की नाबालिग लड़की को भगाने वाले युवक ने की है सात शादियां

छह पत्नियों को छोड़ चुका है, पुलिस ने संग्राम को लौटने का दिया आदेश

शैलेश सिंह | किरीबुरु

छोटानागरा थाना अन्तर्गत चुर्गी गांव निवासी नाबालिग युवती (14 वर्ष) को शादी की नीयत अथवा मानव तस्करी के उद्देश्य से 14 अगस्त को लेकर कुम्बिया गांव निवासी संग्राम चेरोवा भाग गया है. वह अब तक 7 शादियां कर चुका है. वह वर्तमान में चुर्गी गांव की नाबालिग युवती को लेकर बेंगलुरु चला गया है. कुम्बिया के ग्रामीण सूत्रों ने बताया की लगातार न्यूज में खबर आने के बाद छोटानागरा थाना प्रभारी संग्राम चेरोवा के मोबाइल पर सम्पर्क किया था. संग्राम ने बताया कि वह बेंगलुरु में है तथा उसके साथ नाबालिग युवती भी है. पुलिस ने उसे अविलंब युवती को लेकर छोटानागरा थाना आने का आदेश जारी किया है. हालांकि संग्राम काफी शातिर है, वह वापस आता है या नहीं कहा नहीं जा सकता है.

ग्रामीण सूत्रों के अनुसार संग्राम शुरू से ही गलत प्रवृत्ति का रहा है. वह काफी कम उम्र से ही अब तक सात शादियां कर चुका है. इसमें से छह लड़कियों को शादी करने के कुछ दिन बाद मौज मस्ती कर छोड़ चुका है. उसके द्वारा छोड़ी गई छह पत्नियों में से कुछ को एक-एक बच्चा भी हुआ था.

संग्राम की दूसरी पत्नी कुम्बिया गांव में रहती है. उसकी एक बेटी उस उम्र की है, जिस उम्र की वह चुर्गी गांव निवासी नाबालिग युवती को लेकर फरार हुआ है. अगर वह इस युवती को शादी की नीयत से लेकर फरार हुआ होगा तो यह उसकी आठवीं शादी होगी. यह मामला तो पुलिस जांच के बाद ही पता चलेगा कि नाबालिग को किस उद्देश्य से उसके माता-पिता की बिना सहमति से संग्राम लेकर फरार हुआ है. ग्रामीणों ने बताया कि संग्राम ने इससे पहले कुम्बिया, चाईबासा, हिनुआ के अलावे ओडिशा से कुल सात युवतियों से शादी कर चुका है. ओडिशा की एक युवती बतौर पत्नी के रुप में अभी उसके कुम्बिया स्थित घर पर है. बाकी को वह छोड़ चुका है.

चुर्गी गांव निवासी नाबालिग युवती के पिता ने बताया कि उनकी बेटी मनोहरपुर स्थित संत नरसिंह बालिका उच्च विद्यालय में पढ़ती थी. स्कूल से मिला टीसी के अनुसार उसकी उम्र लगभग 14 वर्ष है. स्कूल में नामांकन भी आधार कार्ड के अनुसार ही होता है, लेकिन बेटी का आधार कार्ड एक मिला है, जिसमें उसका उम्र 20 वर्ष दिखा रहा है जो गलत है. संभावना है कि एक बड़ी साजिश के तहत बेटी का आधार कार्ड में दर्ज उम्र को बदलवाया गया होगा या बडी.साजिश किया गया है, क्योंकि इससे बड़ी बेटी की उम्र अभी 17 वर्ष है तो छोटी बेटी की उम्र 20 वर्ष कैसे हो सकती है.

मारपीट व हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

आदित्यपुर | आदित्यपुर बस्ती निवासी 21 वर्षीय सदानंद बारीक के साथ रविवार को बस्ती के पांच युवकों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया था, जिसकी मौत इलाज के क्रम में हो गई थी. आदित्यपुर थाना में मृतक युवक सदानंद बारीक की मां मंजू बारीक ने आरोपी युवकों के विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. आज उन आरोपियों में से दो आरोपियों रवि महतो और छोटू महतो को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों को पुलिस तलाश रही है. बता दें कि युवक की मौत के बाद बस्तीवासियों ने सोमवार की देर रात शव के साथ थाने पर प्रदर्शन किया था. यह जानकारी आज बुधवार को प्रेसवार्ता में थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह ने दी.

परसुडीह में चोरी की सात बाइक के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

गिरफ्तार आरोपी.

परसुडीह थाना की पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया. उनकी निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग जगहों से चोरी की सात मोटरसाइकिल बरामद की. गिरफ्तार युवकों ने चोरी की बात स्वीकार की. सभी को न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया. गिरफ्तार आरोपियों में सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली ओपी क्षेत्र का रहने वाला सद्दाम हुसैन, मो. रहमत, तस्लीम और दो नाबालिग हैं. थाना प्रभारी मो. फैज ने बताया कि सभी मोटरसाइकिल चुराने के बाद पांच से सात हजार रुपये में ग्रामीण क्षेत्र में बेच देते थे. उन्होंने कहा कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सोपोडेरा गांधी मैदान में दो युवक चोरी की बाइक के साथ घूम रहे हैं. एक पुलिस टीम गठित की गई. टीम गांधी मैदान पहुंची जहां बिना नंबर की बाइक के साथ दो युवकों को देखा गया जो पुलिस को देखकर भागने लगे. दोनों को खदेड़कर पकड़ा गया. इसके बाद गिरोह के बाकी तीन सदस्यों को उनकी निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया. तीनों के पास से बिना नंबर प्लेट की तीन मोरसाइकिल बरामद की गई.

पैदमपुर गांव में धारदार हथियार से सिर पर वार कर एक व्यक्ति की हत्या

- टोकलो थाना प्रभारी बता रहे दुर्घटना का मामला

संवाददाता | चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के टोकलो थाना क्षेत्र के होयोहातु पंचायत स्थित पैदमपुर गांव में एक युवक की धारदार हथियार से सिर पर वार कर हत्या कर दी गई. घटना मंगलवार देर रात की है. इधर इस मामले को लेकर टोकलो थाना प्रभारी परमेश्वर उरांव से पूछे जाने पर बताया कि युवक की हत्या नहीं हुई बल्कि यह दुर्घटना का मामला लग रहा है. जांच के बाद ही पूरा मामला सामने आ पायेगा.

बताया जाता है कि पैदमपुर गांव निवासी जोटो गुंडूवा के 25 वर्षीय पुत्र माली गुंडूवा मंगलवार रात गांव की सड़क पर खड़ा होकर मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था. इसी बीच एक बोलेरो गाड़ी में कुछ लोग वहां पहुंचे और माली गुंडूवा को अपने साथ गाड़ी में बैठाकर ले गये. वहीं गांव से कुछ दूरी पर एक धारदार हथियार से उसकी कनपट्टी व सिर पर वारकर हत्या कर फरार हो गये. जब ग्रामीण घटनास्थल पहुंचे तो माली गुंडूवा को मृत पाया. ग्रामीणों ने इसकी जानकारी तत्काल टोकलो थाना को दी, लेकिन रात में पुलिस गांव नहीं पहुंची. वहीं बुधवार सुबह पुलिस गांव पहुंची और शव को बरामद कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई.

स्थानीय लोगों के अनुसार उस क्षेत्र में आए दिन हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल है. कुछ दिनों पहले 10 अगस्त की शाम टोकलो थाना क्षेत्र के सुरबुड़ा पंचायत के सोरजमडीह गांव में एक व्यक्ति की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी. पुलिस इस मामले का भी अब तक उद्भेदन नहीं कर पायी है.

मंगल कालिंदी निजी खर्च से करवा रहे शिव मंदिर का निर्माण

जमशेदपुर | जुगसलाई विधानसभा अंतर्गत बोड़ाम प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत के आमझोर गांव में विधायक मंगल कालिंदी निजी खर्च (वेतन के रुपये) से शिव मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं. बुधवार को दौरे के क्रम में निर्माणाधीन शिव मंदिर का निरीक्षण करने विधायक आमझोर गांव पहुंचे और ग्रामीणों से आवश्यक चर्चा की. विधायक मंगल कालिंदी ने बताया कि आमझोर शिव मंदिर के 9 मौजा के ग्रामीण तीन पीढ़ी से यहां भगवान शिव की पूजा करते आ रहे हैं. लेकिन मंदिर का निर्माण कर नहीं पा रहे थे. पिछले वर्ष ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में एक बैठक की थी. जिसमें विधायक को आमंत्रित किया गया था. बैठक में नौ मौजा के ग्रामीणों ने हमसे शिव मंदिर निर्माण करवा देने की मांग की थी. उन्होंने ग्रामीणों को अपने वेतन के रुपये से मंदिर निर्माण करवा देने का आश्वासन दिया था.

जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट, नहीं रद्द होगा सूर्य मंदिर समिति का निबंधन

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर समिति का निबंधन रद्द करने के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट उप निबंधन महानिरीक्षक श्वेता कुमारी को सौंप दिया है. वहीं श्वेता कुमारी ने उक्त जांच रिपोर्ट को निबंधक महानिरीक्षक को सौंपते हुए इसकी सूचना शिकायतकर्ता विधायक सरयू राय एवं सूर्य मंदिर कमिटी के सचिव भूपेंद्र सिंह को भेज दी है.

जांच समिति में धालभूम अनुमंडल के भूमि सुधार उप समाहर्ता गौतम कुमार, सहायक निबंधन महानिरीक्षक-1 राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग अंतोष कुमार तथा निबंधन कार्यालयों के निरीक्षक सुजीत कुमार शामिल थे. जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया निबंधन रद्द करने की शिकायत को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नकार दिया है.

तीन सदस्यीय जांच समिति ने कहा कि वर्णित तथ्यों के आधार पर समिति को ऐसा परिलक्षित नहीं हुआ कि निबंधित सूर्य मन्दिर समिति संस्था निबंधन अधिनियम एवं संस्था निबंधन नियमावली के नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने संस्था के उद्देश्यों के विरूद्ध कार्य कर रही है.

इसलिए संस्था निबंधन अधिनियम, 1860 की धारा-23 के अन्तर्गत निबंधित संस्था का निबंधन रद्द करने जैसा मामला प्रथम दृष्टया दृष्टिगोचर नहीं होता है. दूसरी ओर निबंधन रद्द नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद सूर्य मंदिर समिति ने खुशी जाहिर की. ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2022 में सूर्य मंदिर परिसर में परिसंपतियों के इस्तेमाल एवं विधायक सरयू राय द्वारा वहां शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित करने के दौरान दौरान हंगामा एवं मारपीट हुआ था. जिसके बाद जिला प्रशासन को दखल देना पड़ा.

भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस, रांची में रैली आज

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

हेमंत सरकार के युवा विरोधी नीतियों, वादाखिलाफी, ध्वस्त कानून व्यवस्था और व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ बुधवार को महानगर भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला. जुलूस में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हुए. जुलूस साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से प्रारंभ होकर साकची शहीद चौक तक गया.

इस दौरान सभी हाथों में मशाल लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते चल रहे थे. इस अवसर पर भाजपा जमशेदपुर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से कई बड़े वादे किए. जिनमें हर घर से एक व्यक्ति को नौकरी, साल में 5 लाख नौकरियां, बेरोजगारी भत्ता, अनुबंध व थर्ड पार्टी नौकरियों को समाप्त कर स्थायी नौकरियां के साथ महिलाओं, किसानों और बुजुर्गों से कई वादे शामिल थे. लेकिन, सरकार बनते ही हेमंत सरकार ने अपनी प्राथमिकता पूरी तरह से बदल ली. सरकार ने बड़ी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हुए लाखों परिश्रमी छात्राओं के भविष्य को बर्बाद कर उनके सपनों की सौदबाजी की.

उन्होंने कहा कि अब इस सरकार को और मौका नही दिया जा सकता है. उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को रांची में प्रस्तावित युवा आक्रोश रैली के निमित्त जमशेदपुर महानगर की तैयारी अंतिम चरण में है. यह रैली ऐतिहासिक होगी. कई बार सरकार को आगाह करने के बाद हेमंत सोरेन सरकार ने युवाओं को अपने हक और अधिकार के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर कर दिया है. युवाओं की यह लड़ाई इस बार निर्णायक होगी. वहीं, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि युवा आक्रोश रैली को लेकर जमशेदपुर के युवाओं में खासा उत्साह है.

ब्रीफ खबर

जेएफसी के फुटसल दिवस में 172 नन्हें खिलाड़ी शामिल

जमशेदपुर | जमशेदपुर एफसी ने टाटा फुटबॉल एकेडमी (टीएफए) ग्राउंड पर पहली बार फुटसल दिवस मनाया. कार्यक्रम में लोयोला, जेपीएस और कार्मेल स्कूल के 172 बच्चे शामिल हुए. सभी को मिलाकर 20 टीमें बनाई गई. इसमें अंडर-5 और अंडर-7 श्रेणियों के बच्चों ने फुटसल गतिविधियों में भाग लिया. अंडर-9, 11 और 13 श्रेणियों के खिलाड़ियों ने फुटसल मैचों में जमकर प्रतिस्पर्धा की.

फुटसल एसोसिएशन फुटबॉल का एक प्रकार है, जो एक टीम में पांच खिलाड़ियों के साथ एक छोटे से मैदान पर खेला जाता है. भारत में फुटसल को बढ़ावा देने के लिए जमशेदपुर एफसी ने पहली बार फुटसल दिवस मनाया. इसका उद्देश्य युवा फुटबॉल सितारों में खेल की समझ को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करना है.

दाव-पेंच जमशेदपुर के इन्द्रा नगर और कल्याण नगर के 150 मकान तोड़े जाने की नोटिस का मामला

एनजीटी में कल होगी सुनवाई, अधिवक्ताओं को भेजा गया वकालतनामा

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

स्वर्णरेखा नदी के किनारे बने मकानों को टूटने से बचाने के लिए गठित इन्द्रानगर, कल्याणनगर बस्ती बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने बुधवार को एनजीटी के अधिवक्ता मानसी बचानी, ईशा कृष्ण, डॉ. बीपी नीलरत्न, सौमित्र जायसवाल, शुभम उपाध्याय, गीतांजलि सान्याल और सूर्या गुप्ता को अधिकृत किया गया है. उक्त सभी को उन्होंने बस्ती बचाओ संघर्ष समिति की ओर से वकालतनामा भेजा. गौरतलब है कि विगत दिनों दिल्ली प्रवास के दौरान जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने सीनियर एडवोकेट संजय उपाध्याय से 150 मकानों को तोड़ने के आलोक में मुलाकात की थी. संजय उपाध्याय ने बस्तीवासियों का केस लड़ने के लिए वकालतनामा मांगा था. उसी आलोक में अधिवक्ताओं को वकालतनामा भेजा गया. एनजीटी में इस केस पर सुनवाई 23 अगस्त को होनी है. दूसरी ओर संघर्ष समिति के अध्यक्ष समेत कई लोगों ने बुधवार को विधायक सरयू राय से उनके कार्यालय में भेंट की.

बता दें कि भुइयांडीह स्थित कल्याण नगर, इंदिरा नगर एवं छाया नगर सहित आस-पास के करीब 150 से अधिक घरों को तोड़े जाने के लिए अंचल कार्यालय द्वारा जेपीएलइ की नोटिस दी गयी थी. छह जुलाई को जारी नोटिस में सभी को निर्देश दिया गया है कि वे 14 दिनों के अंदर अपने घरों को खाली कर दें. नोटिस में यह भी कहा गया कि 20 जुलाई तक वे जवाब दें कि क्यों नहीं उनके घरों को तोड़ा जाये. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार जल संसाधन विभाग, मानगो नगर निगम, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति और जिला प्रशासन का एक संयुक्त सर्वेक्षण हुआ था, जिसके बाद 150 घरों को चिह्नित कर उन्हें नोटिस दी गयी थी. विधायक सरयू राय ने बीते दिनों कहा था कि वे किसी का घर नहीं टूटने देंगे.

विधायक सरयू राय से मुलाकात करते बस्तीवासी.

अधिकारियों ने की हाई लेबल मीटिंग

कल्याणनगर व इंद्रानगर में अतिक्रमण हटाने से जुड़े मामले की एनजीटी में सुनवाई को लेकर अधिकारियों ने हाई लेबल बैठक की. जमशेदपुर अंचलाधिकारी मनोज कुमार के कार्यालय में मानगो अंचलाधिकारी समेत जेएनएसी, मानगो नगर निगम के अधिकारियों ने बैठक की. बस्तीवासियों को भेज गए दूसरे नोटिस की मंगलवार को सुनवाई होनी थी. लेकिन बैठक के कारण सुनवाई नहीं हो सकी. हालांकि दर्जनभर से ज्यादा बस्तीवासी मंगलवार को अपराह्न 3 बजे जमशेदपुर अंचल कार्यालय पहुंचे थे.

डॉ. अजय ने भुईंयाडीह के लोगों से की मुलाकात अधिवक्ता संदीप बनर्जी एनजीटी में रखेंगे पक्ष

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

भुईंयाडीह के कल्याण नगर,राधिका नगर और छायानगर सहित स्वर्णरेखा नदी तट के किनारे बसे 150 परिवार के लोगों से बुधवार को पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने मुलाकात कर उन्हें इस मामले में किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी साथ ही भरोसा दिलाया कि एक भी घर टुटने नहीं दिया जाएगा.मौके पर उन्होंने कहा कि यह अब केवल आपकी लड़ाई नहीं रह गई हम इसको अंजाम तक पहुंचा कर ही दम लेंगे. आप निश्चिंत रहिए की इंडिया गठबंधन की सरकार के रहते एक भी घर टुटने नहीं दिया जाएगा. डॉ. अजय ने लोगों को बताया कि रांची हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है. वहीं 23 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता संदीप बनर्जी एनजीटी(नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) में भुईंयाडीह के लोगों का पक्ष रखेंगे. इसका पूरा खर्च वो स्वंय(डॉ. अजय) वहन करेंगे.

अर्जुन मुंडा बने रावण दहन समिति के मुख्य संरक्षक

जमशेदपुर | गोविंदपुर रावण दहन समिति की एक बैठक बुधवार को हुई. जिसमें पिछले वर्ष की कमिटी को भंग कर नयी कमिटी का गठन किया गया नयी कमेटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को मुख्य संरक्षक, राधेश्याम सिंह को मुख्य संस्थापक, श्याम किशोर सिंह को संरक्षक, चंद्रशेखर सिंह को अध्यक्ष और कमलेश सिंह को महासचिव बनाया गया. इसके अलावा, ललन शाह, भारत भूषण, विजय यादव, डॉ. रोशन झा, और रमन झा को संरक्षक के रूप में शामिल किया गया है, जबकि अशोक सिंह और बलराम प्रताप सिंह को सलाहकार की भूमिका दी गई है. इस बैठक में कमेटी के अन्य सदस्यों में कामेश्वर पांडे, जुगनू वर्मा, अविनाश, धीरज सिंह, अवधेश शाह, भूषण दीक्षित, जय नारायण सिंह, अमर बहादुर, उपेंद्र कुमार, उदय सिंह और जय कुमार शामिल हुए. मालूम हो कि छोटा गोविंदपुर में 2007 से लगातार रावण दहन का आयोजन हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं.

ब्रीफ खबरें

भारत बंद का कोडरमा जिले में दिखा असर

कोडरमा । एससी-एसटी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में बुधवार को आहूत भारत बंद का असर कोडरमा जिले में देखा गया. सुबह से विभिन्न संगठनों से जुडे बंद समर्थकों ने सड़कों पर उतर कर जगह-जगह धरना प्रदर्शन किया और रोड जाम कर दिया. बंद के समर्थन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता भी सड़क पर उतरे. इस दौरान वाहनों का परिचालन पूरी तरह से ठप है. बस स्टैंड से लंबी दूरी की गाड़ियां नहीं चलीं. इसकी वजह से यात्रियों को वापस अपने घर लौटना पड़ा. राष्ट्रव्यापी बंद के कारण जिले के बाजार आंशिक रूप से खुले. निजी शिक्षा संस्थानों व अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में भी ताले लटके रहे.

डे नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट 27 से, भाग लेंगी 32 टीमें

चौपारण । प्रखंड की बेलाही पंचायत में आगामी 27 अगस्त से डे नाइट फ़ुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ होगा. उद्घाटन हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल और पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव करेंगे. मुखिया और आयोजन कमिटी के अध्यक्ष मंटू सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग ले रही हैं. टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर आयोजक कमिटी के संरक्षक सुधीर कौशल, कपिलदेव यादव, मनोज यादव, मधु यादव दयानंद शर्मा अध्यक्ष मंटू सिंह, सचिव पंचायत समिति सदस्य विकास रजक, कोषाध्यक्ष विकास यादव, राजदेव यादव, टीम मैनेजमेंट भोला यादव, धर्मेंद्र शर्मा आदि दिन रात मेहनत कर रहे हैं.

हजारीबाग-रामगढ़ में भारत बंद का व्यापक असर, थमे वाहनों के पहिये, उमस भरी गर्मी में यात्रियों का हुआ बुरा हाल

शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों व बाजारों में सन्नाटा

प्रदर्शनकारियों ने की संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की मांग

खास बातें

- भारत बंद का प्रखंडों में भी रहा असर, दुकानें रहीं बंद
- यात्री रहे परेशान, बैंकों में भी देखा गया बंद का प्रभाव

संवाददाता । हजारीबाग/रामगढ़

भारत बंद के दौरान सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते बंद समर्थक व विभिन्न संगठनों के लोग.

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के विरोध में बुधवार को विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित देशव्यापी बंद का व्यापक असर हजारीबाग और रामगढ़ जिले में भी दिखाई दिया. झामुमो, भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी जैसे अनेक राजनीतिक दलों ने इस बंद का समर्थन किया. हजारीबाग शहर में प्रदर्शन के दौरान सभी दुकानों, स्कूलों और कॉलेजों की पूर्ण बंदी देखी गई.

वहीं जिले के विष्णुगढ़, केरेडाडी, कटकमसांडी चौपारण कटकमदाग, दारू झुमरा, चरही, चुरचु, पदमा, बड़कागांव आदि प्रखंडों में भी भारत बंद का असर देखा गया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर अपने संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की मांग की. स्थानीय नेताओं ने सरकार से अपील की कि वे इस मुद्दे पर आपात बैठक का आयोजन करें ताकि उचित समाधान निकाला जा सके. विष्णुगढ़ में महेंद्र राम की अगुवाई में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने सुबह से स्थानीय सात मील चौक को जाम कर दिया. इसकी वजह से सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गयीं. इस दौरान उमस और गर्मी के कारण यात्रियों का बुरा हाल था. खासकर महिलाएं और बच्चे ज्यादा बेहाल थे. इस चौराहे से होकर रांची, हजारीबाग, गिरिडीह, धनबाद और बोकारो जाने वाले माल वाहक और यात्री वाहन गुजरते हैं. दिन के लगभग बारह बजे जाम हटने के बाद फंसे वाहन अपने-अपने गंतव्य के लिए निकले. बंद का असर सरकारी कार्यालयों तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर व्यापक रूप से देखा गया.

प्रखंड व अंचल कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा. इन कार्यालयों के ज्यादातर बाबुओं के आशियाने हजारीबाग शहर में हैं. बीडीओ एवं सीओ को छोड़ दें तो अनुसेवक तक यहां नहीं रहते. बैंकों का हाल भी यही है. भारत बंद को लेकर आवागमन पर लगी रोक की वजह से बैंकों पर भी इसका प्रभाव देखा गया. कर रहे थे.

भारत बंद के दौरान सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को प्रदर्शनकारियों ने रोका, जिससे लोग परेशान हुए

रामगढ़ पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा

वहीं रामगढ़ में भी भारत बंद का व्यापक असर असर देखा गया. भुरकुंडा कोयलांचल सहित जिले भर में विभिन्न संगठनों के लोग सड़क पर उतरे और बंद कराते हुए विरोध प्रदर्शन किया. भुरकुंडा के मतकमा चौक पर बड़ी संख्या में बंद समर्थक सड़क पर उतरे और रामगढ़-पतरातू फोरलेन सड़क जाम कर दी.

बंद समर्थक रामगढ़ के सुभाष चौक, पटेल चौक, कोठार ब्रिज, चितरपुर ब्रिज, गोला डीवीसी चौक, नया मोड़ कुजू, मांडू, दो नंबर गेट बरकाकाना, मतकम्मा चौक, पतरातु सहित केदला में सड़क जाम करते हुए यातायात को बाधित कर दिया. इससे एनएच 23 और एनएच 33 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन ठप रहा. इधर, भुरकुंडा बाजार और रामगढ़ शहर सहित जिले के कई हिस्सों में अधिकतर दुकानें स्वतः बंद रहीं.

भारत बंद के दौरान नारेबाजी करते बंद समर्थक संगठनों के लोग.

बंद समर्थकों ने बाजार सहित मुख्य मार्गों पर मोटरसाइकिल जुलूस निकाला और छिटपुट खुली हुई दुकानों को भी बंद कराते देखे गए. इस दौरान बंद समर्थकों ने वर्गीकरण प्रस्ताव के विरोध में नारेबाजी की. हालांकि सीसीएल में प्रोडक्शन कार्य सामान्य रूप से जारी रहा, लेकिन कोयले का संप्रेषण पूरी तरह से ठप रहा. कई पेट्रोल पंपों पर सन्नाटा पसरा रहा. बंद के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा. एसपी अजय कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद, पतरातु एसडीपीओ वीरेंद्र राम सहित जिले के कई दारोगा सदलबल मुस्तैद रहे.

आम सभा में 166.57 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र मिला

चंद्रगुप्त ओसीपी परियोजना के चालू होने का रास्ता हुआ साफ

संवाददाता । केरेडारी

पचड़ा पंचायत के ग्राम सिझुआ में हुई आम सभा में उपस्थित लोग.

सीसीएल के प्रस्तावित चंद्रगुप्त ओसीपी परियोजना अंतर्गत आने वाली पचड़ा पंचायत के ग्राम सिझुआ के रमणी टांड में बुधवार को ग्रामीणों की आम सभा आयोजित की गई, जिसमें वन भूमि/ गैरमजरूआ जंगल झाड़ी की 166.57 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिये सीसीएल को अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया. इससे चंद्रगुप्त ओसीपी परियोजना के चालू होने का रास्ता साफ हो गया है. अंचलाधिकारी के निर्देश पर हुई आम सभा की अध्यक्षता पचड़ा पंचायत के मुखिया महेश प्रसाद साव ने की, जबकि संचालन अंचल निरीक्षक मो शमीम ने किया. आम सभा में चंद्रगुप्त परियोजना के प्रोजेक्ट ऑफिसर सुभाष गुप्ता, ग्रामीणों में वन समिति के अध्यक्ष अमेरिका राम, वार्ड सदस्य छोटन पासवान, मिथुन पासवान, बिनोद दास, दीपक पासवान, फुनेश्वर रजक, छोटेलाल कुमार, कृष्ण कांत कुमार, चंचला देवी, पुष्पा देवी, कौशल्या देवी, अनिता देवी, मंजू देवी, गीता देवी आदि ग्रामीण उपस्थित थे.

जिपस अनिता सिंह ने बड़कागांव विस क्षेत्र से पेश की अपनी दावेदारी

संवाददाता । हजारीबाग

केरेडारी के दक्षिणी क्षेत्र से लगातार दो बार जिला परिषद सदस्य रह चुकी अनिता सिंह ने कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष से मिलकर आगामी विधानसभा चुनाव में बड़कागांव क्षेत्र से अपनी दावेदारी पेश की. उन्होंने कहा कि पार्टी मुझे मौका देती है तो मैं चुनाव जीत कर क्षेत्र की जनता की सेवा करूंगी. उन्होंने कहा कि मैं केरेडारी दक्षिणी क्षेत्र से दो बार जिला परिषद चुनाव जीतकर 10 वर्षों से लगातार जनता के बीच काम कर रही हूं. आगे भी मौका मिला तो जनता के बीच रहकर सेवा करूंगी.

कांग्रेस जिलाध्यक्ष से मिलती जिला परिषद सदस्य अनिता सिंह.

ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

- आरोपी के पास से एक वजन करने वाली मशीन, मोबाइल फोन, नीले रंग की अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद

संवाददाता । रामगढ़

ब्राउन शुगर के साथ की गई गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते एसपी.

रामगढ़ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक व्यक्ति को राजा बंग्ला के पास ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है. इस संबंध में एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी. इस पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम द्वारा राजा बंग्ला के पास से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया. आरोपी रितेश कुमार उर्फ बॉबी, पिता रामलखन मेहता उर्फ मुन्ना, आदर्श नगर, रामगढ़ निवासी को करीब 6 ग्राम ब्राउन शुगर, एक वजन करने वाली मशीन, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल एवं एक नीले रंग की अपाची मोटरसाइकिल के साथ रितेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, परमेश्वर प्रसाद, थाना प्रभारी सौरभ ठाकुर, पुअनि बीरबल हेम्ब्रम, पुअनि सुमंत राय आदि शामिल थे.

अबुआ आवास योजना को लेकर हुई बैठक

डीसी ने लाभुकों को तीव्र गति से भुगतान करने का दिया निर्देश

संवाददाता । रामगढ़

चंदन कुमार, उपायुक्त, रामगढ़

अबुआ आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों को लेकर बुधवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया. इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में अबुआ आवास योजना के तहत लाभुकों को द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि के भुगतान की प्रखंडवार समीक्षा करते हुए तीव्र गति से लाभुकों को राशि का भुगतान करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया.

मौके पर उपायुक्त ने जिन लाभुकों द्वारा राशि के भुगतान के उपरांत भी निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है उन्हें नोटिस भेजने सहित किए जाने वाले अन्य कार्रवाइयों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत प्रखंडों को अबुआ आवास योजना के तहत उपलब्ध कराए गए लक्ष्य के विरुद्ध अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को शत प्रतिशत लाभुकों का पंजीकरण कराने का कार्य त्वरित रूप से पूर्ण करते हुए आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उप विकास आयुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे.

सांसद खेल महोत्सव- 2024 : उद्घाटन मैच गोला बनाम नवाडीह टीम के बीच खेला गया

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रथम चरण शुरू

संवाददाता । रामगढ़

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के प्रथम चरण के शुभारंभ अवसर पर ट्रॉफियों के साथ आयोजनकर्ता और खिलाड़ी.

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के पांचों विधानसभा क्षेत्र के सभी 22 प्रखंडों में "सांसद खेल महोत्सव- 2024" के आयोजन के संकल्प तहत बुधवार को रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला प्रखंड स्थित पूरबडीह मैदान में सांसद खेल महोत्सव- 2024" का विधिवत आगाज़ हुआ. नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के प्रथम चरण का उद्घाटन रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता राजीव जायसवाल, गोला भाजपा मंडल अध्यक्ष बबलू साव, समाजसेवी आनंद प्रकाश, बंटी तिवारी ने सामूहिक रूप से किया. इस दौरान मैदान में रंग- बिरंगे नमो जर्सी से लैस विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों ने मशाल के साथ मार्च पास्ट भी किया. टूर्नामेंट में गोला प्रखंड क्षेत्र की कुल 36 टीमों ने भाग लिया है. सभी खिलाड़ियों को सांसद की ओर से नमो जर्सी और हर एक टीम को फुटबॉल भेंट किया गया. सांसद द्वारा टूर्नामेंट की विजेता टीम को नकद 25 हजार रुपये की राशि के साथ ट्रॉफी और उपविजेता टीम को नकद 15 हज़ार रुपये के साथ ट्रॉफी पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी. मौके पर राजीव जायसवाल ने बताया कि सांसद मनीष जायसवाल की यह पहल हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों को एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान कर उन्हें मंजिल तक पहुंचने में मिल का पत्थर साबित होगा.

उद्घाटन मैच में गोला ने नवाडीह को 4-1 से हराया

टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच गोला बनाम नवाडीह के टीम के बीच खेला गया, जिसमें गोला की टीम 4– 1 गोल से विजय घोषित हुई . निर्णायक की भूमिका में रेफरी उत्तम कुमार, सुरेश कुमार दास, चंद्रमोहन कुमार और प्रकाश कुमार रहे . उद्घोषक की भूमिका जितेंद्र कुमार ने निभाई . टूर्नामेंट के आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, महेंद्र प्रसाद, मंशु बेदिया, सुरेंद्र करमाली, प्रीतम झा, सचिव विकास मणि पाठक, सह– सचिव जितेंद्र कुमार महतो, सुभाष रजवार, प्रवेशकर्ता बबलू साव, मोहन महतो, संरक्षक विजय ओझा, मनोज महतो, हरीश बर्मन, रवि हाजरा, सचिन कुमार, प्रमोद रजवार, रंजीत करमाली, अविनाश महतो, कोषाध्यक्ष सूरज वर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी उज्ज्वल चक्रवर्ती शामिल रहे .

समाजसेवी नीरज ने अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

संवाददाता । हजारीबाग

जिले में लावारिस और अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार करने वाली संस्था मुक्तिधाम सेवा संस्थान की ओर से सचिव नीरज कुमार बुधवार को चार अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार उनके धर्म के मुताबिक कराया. इसको लेकर सचिव नीरज कुमार ने बताया कि विगत 12 एवं 13 अगस्त को जिले के बरही थाने की पुलिस ने उन्हें दो अज्ञात शव पहचान होने तक सुरक्षित रखने एवं उसके उपरांत उनका अंतिम संस्कार कर देने के लिए सौंपा था. वहीं 14 अगस्त को चौपारण थाने की पुलिस ने भी एक अज्ञात शव मुक्तिधाम सेवा संस्थान को सौंपा, जबकि एक शव विगत 15 अगस्त को मेडिकल कालेज अस्पताल से प्राप्त हुआ था. सभी शवों को प्रावधानों के मुताबिक कई दिनों तक मेडिकल कालेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस के मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी शवों की पहचान नहीं हो पाई. मौके पर नीरज कुमार ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए मरने के उपरांत अंतिम संस्कार को सभी धर्मों में अनिवार्य बताया गया है. ऐसे में किसी भी अज्ञात व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार करने से मुझे आत्मिक शांति का अनुभव होता है.

कार्यक्रम

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

मिस फेयरवेल बनीं अंजू, अनुज को मिस्टर फेयरवेल का ताज

संवाददाता । हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में विदाई समारोह के दौरान विद्यार्थी व अन्य.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस सभागार में बुधवार को बीएससी व एमएससी के अंतिम सेमेस्टर में उत्तीर्ण हो चुके विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई.

मौके पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विद्यार्थियों से मुखातिब होते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में जो शिक्षा आपने ग्रहण किया और व्यावहारिक तौर पर एक बेहतर इंसान बनने की जो कला विश्वविद्यालय में बताई गई, मुझे उम्मीद है कि उसे आप सब अपने जीवन में अपनाने की कोशिश करेंगे. इससे न केवल हमारा समाज बल्कि देश पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और जीवन में सफल व्यक्ति बनने के साथ साथ नेक इंसान बनने की भी सलाह दी. डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा ने शिक्षा को एक ऐसी रोशनी बताया जो जीवन के अंधकार को मिटाने में मददगार है. वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार ने भी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की.

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग की तनिष्का कुमारी, अंकित, कैलाश सहित अलग–अलग सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसे मौजूद लोगों ने काफी सराहा . नेहा के नृत्य ने जहां लोगों का मन मोह लिया, वहीं ओम के नृत्य से कई पांव खुद–ब–खुद थिरकने लगे . इस बीच अंतिम सेमेस्टर में उत्तीर्ण होने वाले प्रेमचंद कुमार, अंजु कुमारी, अनुज कुमार, पूजा कुमारी सहित अन्य विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए . संचालन हेरा फातिमा व अंकित कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राध्यापिका नेहा सिन्हा ने किया . कार्यक्रम को सफल बनाने में विज्ञान विभाग की एचओडी सबीता कुमारी, कार्यक्रम के समन्वयक मुकेश कुमार, सह समन्वयक राहुल राजवार, विशाखा बाला आदि का अहम योगदान रहा .

जेबीकेएसएस/जेएलकेएम ने किया ग्रामीणों के साथ संवाद

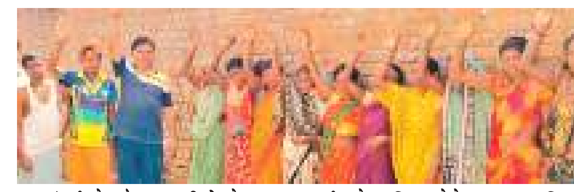

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से धरना-प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया.

संवाददाता । रामगढ़

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जेबीकेएसएस/जेएलकेएम जिला कमिटी रामगढ़ द्वारा नगर परिषद कार्यालय के समक्ष विभिन्न मांगों व भ्रष्टाचार पर लगाम को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जाना है. इसको लेकर ग्राम छतर मांडू के महलीचंडी में ग्रामीणों से जनसंपर्क कर उन्हें कार्यक्रम में आने के लिए आग्रह किया गया. मौके पर दिनेश मुंडा, नरेश मुंडा, धनी मुंडा, अजय मुंडा, जानकी मुंडा, धुपनाथ मुंडा, गीता देवी, मिला देवी, सोनी देवी, उर्मिला देवी, मंचू देवी, खुलासों देवी, मूर्ति देवी, पश्चिमी देवी, रेखा देवी, सुमित्रा देवी आदि ने कहा कि आने वाले समय में जयराम महतो झारखंड के मुख्यमंत्री होंगे.

बंदगांव : जिप सदस्य ने डीसी को सौंपा मांगपत्र

चाईबासा में उपायुक्त कुलदीप चौधरी को मांगपत्र सौंपती जिला परिषद की सदस्य बंसती पूर्ति

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड की भालुपानी पंचायत के प्राथमिक विद्यालय नवादा में छह कमरों के भवन का नवनिर्माण कार्य वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 56 लाख की लागत से पूरा किया जाना था. लेकिन ठेकेदार द्वारा अब तक कार्य को पूरा नहीं किया गया है. इसे लेकर बुधवार को बंदगांव भाग दो की जिला परिषद सदस्य बसंती पूर्ति ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया. साथ ही कार्य अधूरा रहने पर नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण ही विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है. नवादा स्कूल में कुल वोटर्स 1223 हैं. नवादा मतदान केंद्र छोटा दामूडीह में स्थानांतरित होने के कारण लोकसभा चुनाव में कुल वोटिंग 368 हुई. इसे लेकर बुधवार को जिप सदस्य ने पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त को मांगपत्र भी सौंपा. साथ ही मामले की जांच कर विद्यालय भवन निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराने व बूथ स्थान्तरण कराने की मांग की.

ब्रीफ खबरें

चक्रधरपुर : वज्रपात की चपेट में आने से एक किसान की मौत

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के केरा पंचायत के बाईपीड़ गांव में बुधवार को वज्रपात की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई. बताया जाता है कि केरा गांव निवासी 60 वर्षीय जगदीश प्रधान अपने खेत में काम कर रहे थे. इसी दौरान बारिश के बीच वज्रपात हो गई. इससे खेत में काम कर रहे जगदीश प्रधान वज्रपात की चपेट में आ गये. वे खेत में ही गिर पड़े. ग्रामीणों की नजर जब जगदीश प्रधान पर पड़ी तो उसे उठाकर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल लाया गया. वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है.

समाजसेवी ने छात्राओं के बीच 150 जोड़ी चप्पल किया वितरित

चक्रधरपुर । चक्रधरपुरके सोनवा प्रखंड के सोनापोस में संचालित एस्पायर संस्था के आरबीसी सेंटर में समाजसेवी डॉ रीना गोडसोरा मुर्मू ने छात्राओं को 150 जोड़ी चप्पल का वितरण किया. आरबीसी सेंटर में चप्पल मिलने पर छात्राओं ने खुशी जाहिर की. मौके पर उन्होंने छात्राओं से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की कोशिश करें. इस मौके पर एस्पायर संस्था के प्रखंड समन्वयक कालेश्वर सिंह, एलईपी समाव्यांक स्वीटी किस्पोटा, रैना कुमारी,जगन्नाथ सोरेन के अलावे संस्था के कर्मी व छात्राएं मौजूद थे.

अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम के डीसी कुलदीप चौधरी और एसपी आशुतोष शेखर के निर्देशानुसार बुधवार को चक्रधरपुर की कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. चक्रधरपुर महिला थाना प्रभारी शशिबाला भेंगरा ने छात्राओं, महिला शिक्षिकाओं तथा कर्मियों को महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित कानूनी प्रावधानों, सुरक्षा एवं सुविधाओं से बच्चों तथा शिक्षकों को अवगत कराया गया तथा आवश्यक सावधानियों बरतने की अपील की. मौके पर विद्यालय की शिक्षिकाएं व छात्राएं मौजूद थीं.

सड़क दुर्घटना में घायल युवा को त्रिशानु ने पहुंचाया अस्पताल

चाईबासा । सदर प्रखण्ड कार्यालय, चाईबासा के पास बुधवार देर शाम गगन दीप तामसोय नामक युवा जो कि ताम्बो चौक से अपने स्कूटी से कमरहातु घर जा रहा था. इसी क्रम में स्कूटी असंतुलित होने से गगन दीप तामसोय चोटिल हो गया था. जिससे उसके हाथ-पैर में चोट लगी है. उल्लेखित मार्ग से गुजर रहे सामाजिक कार्यकर्ता त्रिशानु राय की नजर गगन दीप तामसोय पर पड़ी तो उन्होंने चोटिल युवा को सदर अस्पताल पहुंचाया. जहां उसका प्राथमिक उपचार की गई. मौके पर संतोष सिन्हा आदि उपस्थित थे.

पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में बंद का मिला-जुला असर, पोड़ाहाट अनुमंडल में असरदार, स्वास्थ्य सेवाएं बंद से रहीं मुक्त

लंबी दूरी की बसें नहीं चलीं, यात्री रहे परेशान

संवाददाता । चाईबासा

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के आरक्षण में क्रीमीलेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए सुझाव के विरोध में बुधवार को भारत बंद का असर चाईबासा में देखने को मिला. अधिकतर दुकानें बंद रहीं, कुछ दुकानें बाद में खोली गईं. बंद कराने वाले संगठन ने सरकारी कार्यालयों को भी बंद करने का आह्वान किया था. लेकिन सरकारी कार्यालय पूरी तरह खुले रहे. सामान्य दिनों की तरह कामकाज चला. कुछ स्कूल बंद रहे, लेकिन अधिकतर स्कूल खुले थे. लंबी दूरी की बस नहीं चलीं. इसके कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. बंद समर्थकों ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी करते रहे. पश्चिम सिंहभूम जिला छात्र मोर्चा अध्यक्ष सनातन पिंगुवा ने कहा कि आज पूरे भारत में आदिवासी संगठनों के द्वारा भारत बंद का समर्थन करते हैं. पिंगुवा ने कहा कि एससी/एसटी समुदाय के लोगों को आज तक आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं, निजी संस्थानों में उन्हें आरक्षण की सुविधा नहीं मिलती है और वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं. इनकी जिम्मेदारी कौन लेगा, यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस तरह का फैसला को अविलंब आपस ले या फिर से उसपर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है.
इस तरह क् फैसले से आदिवासी समुदायों का अस्तित्व जल, जंगल, जमीन और संविधान में दिए गए अधिकारों को खत्म करने का बहुत बड़ा षड्यंत्र है. इसलिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा लाई गई कानून पर कोई हस्तक्षेप नहीं कर रहा है. इस तरह का कानून भारत की जनता लिए बुरा साबित होगा.

चाईबासा में बंद कराने निकले बंद समर्थक सड़क जाम कर प्रदर्शन और नारेबाजी करते हुए.

बसों का परिचालन ठप. यात्री परेशान

चाईबासा के बस स्टैंड से रांची, भुवनेश्वर, पटना, हजारीबाग समेत ओडिशा के कई शहरों के लिए बसें खुलती हैं, लेकिन भारत बंद को देखते हुए सुबह से ही बस का परिचालन पूरी तरह से ठप रहा. उधर, चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन से राउरकेला तक जाने वाले सुबह पैसेंजर ट्रेन को भी रद्द कर दिया गया. सिर्फ एक्सप्रेस ट्रेन का ही परिचालन देखने को मिला. लंबी दूरी की बसों के आलावा अन्य छोटे वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बंद रहा. इसके कारण लाखों रुपये का नुकसान हुआ है. शहर में कारोबार भी ठप रहा. बड़ी-बड़ी दुकानें बंद थीं. हालांकि देर शाम तक अधिकतर दुकानों को खोल दिया गया.

सड़कों पर पुलिस का रहा पहरा

पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस प्रशासन की ओर से भारत बंदी को देखते हुए चौक चौराहों पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया था. जगह-जगह पर दंडाधिकारी की नियुक्ति की गई थी. इसके साथ ही पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया था कि किसी भी तरह का उपद्रव ना हो. इस पर पूरी तरह से नजर बनाए रखें, ताकि सरकारी संपत्ति का नुकसान ना हो. इसके अलावा उपायुक्त ने दंडाधिकारी को भी निर्देश दिया कि वैसे लोगों को चिन्हित करें जो सरकारी संपत्ति को नुकसान करने की फिराक में रहते हैं.

लौहांचल व सारंडा में भारत बंद रहा बेअसर

संवाददाता । किरीबुरु

एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में 21 अगस्त को भीम सेना द्वारा आहूत 14 घंटे का भारत बंद को थोड़ा भी असर लौहांचल व सारंडा क्षेत्र में देखने को नहीं मिला. किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, बड़ाजामदा, गुवा, छोटानागरा आदि क्षेत्रों की तमाम दुकानें, स्कूल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, खदान आदि आम दिनों की तरह दोपहर 12 बजे तक खुली रहीं. किरीबुरु से सिर्फ लंबी दूरी की यात्री बसों का परिचालन छोड़ सभी गतिविधियां आम दिनों की तरह जारी रहीं. पुलिस प्रशासन को भी इस क्षेत्र में बंद समर्थकों के पीछे अधिक परेशान नहीं होना पड़ा.

भारत बंद के दौरान सड़क किनारे खड़ी बसें.

समर्थकों ने घूम-घूमकर बंद करवा दीं दुकानें

बुधवार को पोड़ाहाट अनुमंडल की चक्रधरपुर समेत सभी प्रखंडों में व्यापक असर देखा गया. मेडिकल सेवा को छोड़कर सुबह से ही बाजार व दुकानें बंद रहीं. बंद के कारण लंबी दूरी व आसपास क्षेत्र के लिए चलने वाली वाहनों का परिचालन भी ठप रहा. चक्रधरपुर में कुछ दुकानें खुलीं, लेकिन बंद समर्थकों ने उसे बंद करा दिया. हालांकि मेडिकल सेवा चालू रहीं. चक्रधरपुर में झामुमो, कांग्रेस, भीम सेना व आदिवासी हो महासभा के लोग जगह-जगह मोटरसाइकिल से घूमते नजर आये. झामुमो की ओर से चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव के पुत्र सह झामुमो युवा नेता सन्नी उरांव, राहुल आदित्य, प्रदीप महतो, दिनेश जेना, कांग्रेस की ओर से प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड व अन्य मोटरसाइकिल से घूम-घूमकर लोगों से बंद को समर्थन देने की बात कही. वहीं गोईलकेरा प्रखंड के गोईलकेरा बाजार स्थित मुख्य चौक पर बंद समर्थकों ने टायर जलाकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का विरोध किया.

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के बाहर विरोध जताते बंद समर्थक.

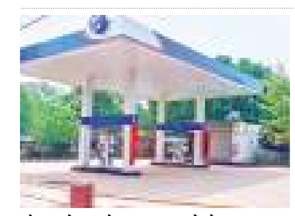

गोइलकेरा में बंद पड़ा पेट्रोल पंप.

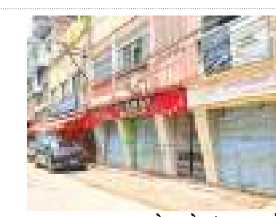

चक्रधरपुर बाटा रोड में बंद दुकानें.

गोइलकेरा में सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताते बंद समर्थक.

सड़क पर टायर जला की नारेबाजी

चांडिल । विभिन्न आदिवासी संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में मिला-जुला असर रहा. भारत बंद को सफल बनाने के लिए आदिवासी संगठनों के सदस्य सड़कों पर उतरे और टायर जलाकर आवागमन बाधित किया. इस दौरान चांडिल थाना क्षेत्र के कांदरबेड़ा, चांडिल गोलचक्कर व चौका मोड़ पर एनएच 33 पर और ईचागढ़ प्रखंड के डुमटांड़ मोड़ पर रांगामाटी-सिल्ली सड़क पर टायर जलाकर व नारेबाजी करते हुए भारत बंद को सफल बनाने का आह्वान किया. आदिवासी समाज के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए सड़क पर प्रदर्शन किया.

युवा महासभा ने किया बंद का समर्थन

चाईबासा । भारत बंद के सर्मथन में आदिवासी हो समाज युवा महासभा की टीम ने चाईबासा के विभिन्न चौक-चौराहों पर बंद का समर्थन किया. राष्ट्रीय अध्यक्ष इपिल सामड के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली. रैली गितिलपी चौक, ताम्बो चौक, बाईपास, बस स्टैंड, मंगलाहाट, बड़ी बाजार, सुपलसाई, पोस्ट ऑफिस चौक, महुलसाई, मयूर चौक और मंगलाहाट आदि जगहों का भ्रमण किया. एसटी-एससी आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. एसटी-एससी जिन्दाबाद, आदिवासी एकता जिन्दाबाद, आदिवासी हो समाज युवा महासभा जिन्दाबाद का नारा बुलंद किया.

सेल ने अवैध रूप से 600 टीपीएच का क्रशर मशीन लगाया है : यादव

बोलानी ठेका मजदूर संघ का आंदोलन जारी

आंदोलन में शामिल ठेका मजदूर व महिलाएं.

- ठेका मजदूरों को रात्रि पाली भत्ता देने की मांग

संवाददाता । किरीबुरु

सेल की बोलानी लौह अयस्क खदान प्रबंधन के खिलाफ बोलानी ठेका मजदूर संघ का 20 अगस्त से जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा. इस संबंध में बोलानी ठेका मजदूर संघ के अध्यक्ष कमलापति यादव ने लगातार न्यूज और शुभम संदेश अखबार को बताया कि मुख्य मांगों में बोलानी खदान में नियुक्ति में भेदभाव नहीं कर शत-फीसदी स्थानीय बेरोजगार युवाओं और ठेका मजदूरों को शामिल किया जाये.

खदान में काम करने वाले तमाम ठेका मजदूरों को रात्रि पाली भत्ता, धूल-कण भत्ता, पूरे परिवार को चिकित्सा सुविधा, आवास अथवा आवास भत्ता आदि मांगें शामिल हैं.

इसके अलावे उन्होंने बोलानी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुये कहा कि बोलानी खदान गेट के बगल में पानपोस से जो फाइन्स मंगाकर स्टॉक किया गया है, जहां 600 टीपीएच का क्रशर मशीन लगाया गया है, वह बिना लीज के अवैध रूप से इस कार्य को संचालित किया जा रहा है. यहां से माल ढुलाई भी नहीं होने दिया जायेगा. इस मामले की जांच के लिए ओडिशा प्रशासन से मांग की जाएगी.

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन आगे और तेज होता जायेगा, जब तक कि हमारी मांगें पूरी नहीं हो जाती हैं. इस आंदोलन में अध्यक्ष कमलापति यादव के अलावे महासचिव गोरांगो मुंडा आदि लगभग 250 महिला-पुरुष शामिल थे.

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' होगा शुरू : कुलदीप

30 अगस्त से 15 सितंबर तक कार्यक्रम में आवेदनों का होगा निष्पादन

विशेष सहयोगी । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले में 30 अगस्त से 15 सितंबर तक "आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम के लिए बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम के डीसी कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में समाहणालय में बैठक हुई. इसमें डीसी ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी "आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम आयोजित करने का राज्य सरकार ने निर्णय लिया है. इसके तहत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों को देगी.

डीसी ने कहा कि अभियान के दौरान यह प्रयास रहे कि व्यक्तिगत योजनाओं को प्रतिपूर्णता मोड में लागू किया जाए, ताकि कोई भी अर्हता प्राप्त व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहे. शिविरों में सरकारी योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था करें. जिले के सभी पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन किया जाएगा तथा संलग्न पंचायत के प्रत्येक गांव/टोला में शिविर तिथि तथा स्थान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाएगा, ताकि शिविर में अधिक से अधिक लोग भाग ले सकें. बैठक में डीसी ने कहा कि शिविर में आम जनों आमजनों की समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किया जाएगा तथा इसका त्वरित निष्पादन भी सुनिश्चित होगा. इस वर्ष मुख्य प्रक्षेत्र के तहत झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हर राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड सहित जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किए जाएंगे. इसके अलावा वैसी योजनाएं जिन्हें राज्य सरकार प्रतिपूर्णता मोड में लागू करने के लिए संकल्पित है, जैसे- सभी प्रकार की पेंशन योजनाएं, आयुष्मान कार्ड का वितरण, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा आदि के लिए भी छूटे हुए व्यक्तियों से आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे, ताकि उन्हें भी लाभान्वित किया जा सके.

बैठक में कहा गया कि प्रत्येक शिविर में कल्याण मंच स्थापित किया जाएगा. उसके माध्यम से शिविर में ही लाभुकों के बीच योजनाओं से संबंधित लाभ/परिसंपत्तियों का वितरण होगा. बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलको, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुधाकर मुंडा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्वेता भारती, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग खुशेंद्र सोनकेशरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल सहित अन्य उपस्थित थे.

चाईबासा समाहरणालय में बैठक करते डीसी कुलदीप चौधरी.

न्यूज अपडेट

झामुमो ने किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में दुकानें बंद कराईं

किरीबुरु । एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में 21 अगस्त की दोपहर लगभग एक बजे झामुमो कार्यकर्ता किरीबुरु-मेघाहातुबुरु की दुकानों को बंद कराने निकले. इस दौरान दुकानदारों ने दुकानें कुछ घंटों के लिये बंद कर दीं. इससे पहले शहर की तमाम दुकानें खुली रहीं. झामुमो कार्यकर्ताओं ने सिर्फ दुकानों को ही बंद कराने का प्रयास किया. उक्त मांगों को लेकर भीम सेना द्वारा भारत बंद बुलाया गया था.

बोलानी की महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाला

किरीबुरु । बोलानी मे महिला मोर्चा एवं हेल्पिंग हैंड संगठन की महिलाओं ने कोलकाता की महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध मे कैंडल मार्च निकाली. कैंडल मार्च का मंगलवार को बिरसा चौक से रात्रि 8 बजे से आरंभ होकर बोलानी टाउनशिप के विभिन्न चौक चोराहों से होते हुए सेल गेट के निकट बीजू पटनायक प्रतिमा स्थल तक गई. कैंडल मार्च में महिला डाक्टर के हत्यारे को फांसी दो के नारे लगा रही थी.

महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या के विरोध में कैंडल मार्च

किरीबुरु । कोलकाता की महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में गुवा स्थित विवेक नगर, कच्छी धौड़ा की महिलाओं ने मंगलवार की देर शाम कैंडल मार्च निकाला. इस दौरान महिलाओं ने घटना में शामिल अपराधियों को अविलंब फांसी देने, महिलाओं व बेटियों का शोषण व अत्याचार की घटना पर पूरी तरह से अंकुश लगाने. कैंडल मार्च में दीपा रॉय चौधरी, सोनाली चौबे, सुजाता दास, गोपा रॉय चौधरी, गीता दास आदि शामिल थीं.

समस्या छोटानागरा पंचायत के राजाबेड़ा गांव के महिलाएं और पुरुष पूछ रहे

मुख्यमंत्री जी, क्या दूषित पानी के लिये अलग राज्य की लड़ाई थी?

संवाददाता । किरीबुरु

मुख्यमंत्री जी बतायें कि क्या ऐसा ही दूषित लाल पानी पिलाने के लिये अलग झारखंड राज्य बनाया गया था ! अलग झारखंड राज्य हेतु हम ग्रामीणों ने भी लड़ाई लड़ी थी. हमारे पूर्वज व बीच के साथियों ने शहादत दी थी. यह कहना है सारंडा के छोटानागरा पंचायत अन्तर्गत राजाबेड़ा गांव के पुरुष व महिलाओं का. उल्लेखनीय है कि राजाबेड़ा गांव सेल की गुवा खदान एवं टाटा स्टील की विजय-टू खदान से सटा हुआ है.

सेल की गुवा खदान क्षेत्र स्थित रानी चुआं डम्प का बांध टूटने की वजह से खदान का लौहचूर्ण व लाल मिट्टी वर्षा का पानी के तेज बहाव में रानी चुआं नाला के रास्ते जोजोगुटु, राजाबेड़ा, जामकुंडिया आदि गांवों के बगल से गुजरने वाली कोयना नदी में मिलकर इस नदी का पानी को पूरी तरह से लाल व प्रदूषित कर रही है. टाटा स्टील की विजय-टू खदान का चेकडैम भी बीते वर्षों टूट गया था, जिससे लाखों टन फाइन्स बह गया था. वर्षा होने पर बहा फाइन्स व खदान का लाल मिट्टी बहकर विभिन्न प्राकृतिक नालों के माध्यम से तितलीघाट गांव के समीप कोयना नदी के पानी को लाल कर देती है.

दोनों खदानों की लाल मिट्टी व लौह चूर्ण बहकर आने से नदी का पानी खूनी रंग में रंग जाता है. दूसरी तरफ राजाबेड़ा गांव के ग्रामीण इस कोयना नदी का पानी का इस्तेमाल ही पेयजल, खाना बनाने, नहाने, बर्तन व कपड़ा साफ करने के रुप में करते हैं. इनके पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है. नदी किनारे चुआं बनाकर उस चुआं से थोड़ा साफ पानी डेगची में भरकर ले जाते व उसे पीते तथा खाना बनाते हैं. राज्य सरकार ने बाईहातु गांव स्थित आसन्न जलापूर्ति योजना के तहत पाइप लाइन बिछाकर राजाबेड़ा गांव के सभी घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की योजना बनायी थी. गांव में पानी पाइप लाइन बिछाकर नल भी लगाया गया, लेकिन ग्रामीणों को आज तक एक बूंद भी पानी इस योजना से नहीं मिला. यह योजना भारी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है. राजाबेड़ा गांव के मुंडा जामदेव चाम्पिया ने कहा कि सरकार व प्रशासन हम ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है, जो दुर्भाग्य की बात है. सेल व टाटा स्टील सरकार को प्रतिवर्ष डीएमएफटी फंड के रुप में सैकड़ों करोड़ रुपये खदानों से प्रभावित गांवों का विकास हेतु दे रही है. लेकिन हमारा राजस्व गांव का अब तक कोई विकास नहीं हुआ. सिर्फ दोनों खदानें हम ग्रामीणों को निरंतर बीमारी देने का कार्य कर रही है.

यहां तक कि बरसात में राजाबेड़ा गांव पूरी तरह से टापू में तब्दील हो जाता है. गांव में जाने हेतु एक नाला पर पुल निर्माण हो रहा था, लेकिन वह भी पिछले डेढ़ वर्षों से अधूरा पड़ा है. एक बार मुख्यमंत्री से लेकर उपायुक्त तक अथवा दोनों खदानों के उच्च अधिकारी ऐसा दूषित लाल पानी पीकर दिखा दें, फिर हम उसके बाद सरकार व प्रशासन से कुछ भी मांग नहीं करेंगे.

तितलीघाट गांव के समीप कोयना नदी का साफ पानी में मिलता खदानों से आने वाला लाल पानी.

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना वाहन से होगा प्रचार-प्रसार

प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीसी कुलदीप चौधरी.

- डीसी ने हरी झंडी दिखा कर प्रचार वाहन को किया रवाना

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय परिसर से डीसी कुलदीप चौधरी ने बुधवार को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. वाहन योजना के संबंध में वृहद प्रचार-प्रसार व जिले के बालिकाओं के बीच जागरूकता सुनिश्चित करेगी. प्रचार के लिए तीन वाहन रवाना किये गये हैं. कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा भी मौजूद थे. इस अवसर पर डीसी ने बताया कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड अंतर्गत संचालित किशोरी समृद्धि योजना का मुख्य उद्देश्य बालिका शिक्षा पर जोर, बाल विवाह प्रथा का अंत, महिला सशक्तीकरण एवं किशोरियों को अपने जीवन के संबंध में स्वतंत्र निर्णय लेने हेतु सक्षम बनाना है. उन्होंने कहा कि योजना अंतर्गत कक्षा 8वीं में 2500, कक्षा 9वीं में 2500, कक्षा 10वीं में 5000, कक्षा 11वीं में 5000, कक्षा 12वीं में 5000 और 18 से 19 वर्ष की आयु की किशोरी को एकमुश्त 20000 रुपये अनुदान देने का प्रावधान निहित है. झारखंड राज्य अंतर्गत संचालित इस योजना से किशोरी शिक्षा को संबल प्रदान किया जा रहा है. इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्वेता भारती सहित अन्य उपस्थित थे.

अलविदा लैटरल इंट्री

सामाजिक न्याय आंदोलन का दबाव लगातार अपना असर दिखा रहा है. लैटरल इंट्री के मामले में चौतरफा विरोध को देखते हुए उसके वापस लेने की पहल कर दी गयी है. लैटरल इंट्री के मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखा विरोध एक्स पोस्ट के माध्यम से जताया था. राहुल गांधी ने संविधान पर इसे हमला बताया था. बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी जोरदार विरोध जताया. केंद्र सरकार के भीतर से भी विरोध के स्वर को मंत्री चिराग पासवान से स्वर दिया. इसके साथ देश भर के दर्जनों आदिवासी, दलित और पिछडे संगठनों, उसके बुद्धिजीवियों ने केंद्र सरकार पर आरक्षण को खत्म करने का अरोप लगाया. इसके साथ ही आदिवासियों और दलितों के आरक्षण में राज्यों को दिए गए वर्गीकरण के अधिकार और क्रिमी लेयर के मुद्दे का भी भारी विरोध हो रहा है. केंद्र सरकार पर इसका दबाव साफ नजर आ रहा है. आरक्षण का सवाल एक संवेनशील मुद्दा है. लोकसभा चुनाव के समय भी संविधान और आरक्षण के साथ जाति जनगणना के मुद्दे ने अपना असर दिखाया था. इस समय सामाजिक न्याय के सवाल पर राजनीतिक दलों के बीच चैंपियन होने की प्रतिस्पर्धा जारी है. इस बात को समझने की जरूरत है कि किसी भी निर्णय को थोपने का सामाजिक प्रतिकार अश्वयंभावी है. ऐसे हालात में एक सर्वसम्मत राय बनाने की जरूरत है. भारत के संविधान में भारत के 140 करोड़ लोगों की आत्मा बसती है. इसके साथ ही संविधान प्रदत्त अधिकारों के प्रति भी जागरूकता बढ़ी है. केंद्र सरकार को इस तथ्य को समझने की जरूरत है. लैटरल इंट्री बैकडोर से कारपोरेट समर्थकों को प्रवेश दिलाने की पहल के रूप में अपनी पहचान बना चुका है. देश ने देखा है कि आर्थिक मामलों की निगरानी करने वाली एक संस्था प्रमुख के रूप में हुई नियुक्ति को ले कर किस तरह विदेशी संस्थाएं रिपोर्ट दे रही हैं. सरकारी पदों पर सामाजिक विविधता की गारंटी केवल यूपीएससी की नियुक्ति प्रक्रिया से ही संभव है. जरूरत है कि उच्च पदों पर सामाजिक बहुलता और विविधता का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि देश की नीतियों के निर्माण में समावेशी निर्णय का माहौल परिपक्व हो. ऐसा नहीं दिखना चाहिए कि कुछ चुनिंदा लोग ही देश की नीतियों के निर्धारण में प्रमुखता से हावी हैं. इस तथ्य को भी समझने की जरूरत है कि सामाजिक संतुलन का माहौल अब तेजी से बदला है. इसे स्वीकार करते हुए ही सरकार को निर्णय लेना चाहिए. 2024 के जनादेश के संदेशों का सबक भी यही है. भागीदारी का मतलब केवल प्रतिनिधत्व मात्र नहीं है, बल्कि उसे ज्यादा व्यापक धरातल प्रदान करने की अनिवार्यता है. आजादी के बाद देश में जिस तरह की सामाजिक शक्तियों का संतुलन बना है, उसे भी गंभीरता से समझने की जरूरत है. भारत के वंचित समूहों की ताकत उनकी एकता और भागीदारी की प्रक्रिया में ही अंतरनिहित है. लैटरल इंट्री यानी परीक्षा-प्रतियोगिता और संवैधानिक प्रावधानों के बगैर भारतीय प्रशासन में संयुक्त सचिव से लेकर निदेशक जैसे पदों पर निजी क्षेत्र के कथित प्रोफेशनल्स को मनमर्जी नियुक्त करने की पॉलिसी ! इस पॉलिसी के तहत 45 लोगों की होने जा रहीं नियुक्तियों की प्रक्रिया रद्द करनी पड़ी.

> सरकारी पदों पर सामाजिक विविधता की गारंटी केवल यूपीएससी की नियुक्ति प्रक्रिया से ही संभव है. जरूरत है कि उच्च पदों पर सामाजिक बहुलता और विविधता का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि देश की नीतियों के निर्माण में समावेशी निर्णय का माहौल परिपक्व हो.

सुभाषित

कन्या वरयते रूपं माता वित्तं पिता श्रुतम्।
बान्धवा: कुलमिच्छन्ति मिष्टान्नमितरेजना: ।।

विवाह के समय कन्या सुन्दर पति चाहती है. उसकी माताजी सधन जमाई चाहती है. उसके पिताजी ज्ञानी जमाई चाहते हैं तथा उसके बन्धु अच्छे परिवार से नाता जोड़ना चाहते हैं, परन्तु बाकी सभी लोग केवल अच्छा खाना चाहते हैं.

रात के अंधेरे पर स्त्रियों का धावा

पीड़िता एक बेहद होनहार छात्रा थी. परिवार की गरीबी उसकी प्रगति में बाधा नहीं बन सकी. उसके माता पिता दर्जी का काम करते थे. लेकिन उसने एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा और आईआईटी जेईई दोनों एक साथ क्वालीफाई किया. पर उसने डॉक्टर बनने का फैसला किया. उसके परिवार की स्थिति सुधरने लगी थी. पिता दर्जी का काम छोड़कर गारमेंट का व्यापार करने लगे थे. वह पूरे मोहल्ले की प्यारी लड़की थी. लेकिन इस घटना ने स्त्री स्वाधीनता के हजारों स्वतंत्रता सेनानी पैदा कर दिए.

• देश-काल

अरुण कुमार त्रिपाठी

इस बार का पंद्रह अगस्त कुछ अलग था. अलग इसलिए नहीं कि एक दिन पहले अपने संबोधन में राष्ट्रपति महोदया ने विभाजन विभीषिका को याद किया. अलग इसलिए नहीं कि प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से सांप्रदायिक सिविल कोड को हटाकर सेक्यूलर सिविल कोड लाने की बात की. अलग इसलिए नहीं कि पिछली बार की तरह उन्होंने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा की बात की. अलग इसलिए कि 14/15 की आधी रात को देश की तमाम महिलाएं अपने घरों में बैठकर टीवी नहीं देख रही थीं. वे अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए कोलकाता से लेकर दिल्ली और देश के दूसरे शहरों में सड़कों पर उतर आई थीं. उनके हाथों में मशालें थीं और जुबान पर नारे थे और दिल में दुख और आक्रोश था. वे 'रिक्लेम द नाइट' के आंदोलन के साथ रात के अंधेरे को चीर रही थीं और मांग कर रही थीं कि हर सार्वजनिक स्थल पर महिलाओं को रात में भी उतनी ही सुरक्षा मिलनी चाहिए जितनी दिन में होती है. वे आधी आबादी के लिए अंधेरे और उजाले के बारे में इस फर्क को मिटा देना चाहती थीं और जवाब दे रही थीं उस मानस को जो बलात्कार और हत्या होने के बाद भी स्त्री को ही दोषी ठहराते हुए कहता है कि आखिर वे वहां गई क्यों थीं.

वे महिलाएं कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में नौ अगस्त की रात को पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम की छात्रा और जूनियर डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार के बाद उसकी हत्या का प्रतिरोध कर रही थीं. वैसे तो देश भर में हुए इस प्रतिरोध की भावना को मीडिया ने अलग अलग तरीके से दर्शाया लेकिन सबसे विशेष प्रस्तुति थी 'द टेलीग्राफ' की. उस अखबार ने स्वतंत्रता दिवस वाले दिन के अपने पहले पेज को पूरी तरह से काला कर दिया और उस पर रात में हो रहे महिलाओं के प्रदर्शन के साथ खबर का शीर्षक दिया----इन द डार्कनेस, डिफाइंस(अंधेरे में, प्रचंड प्रतिरोध). अखबार ने उस प्रदर्शन में आईं युवतियों से लेकर अस्सी नब्बे साल तक की महिलाओं से बात की. उन सबका जज्बा देखने और सुनने लायक था. एक बूढ़ी औरत कह रही थी कि वह डॉक्टर लड़की हम सबकी सेवा कर रही थी. मेरी भी ऐसी ही तीन पोतियां हैं. आज हम उनके लिए नहीं खड़े होंगे तो कब खड़े होंगे.

पीड़िता एक बेहद होनहार छात्रा थी. परिवार की गरीबी उसकी प्रगति में बाधा नहीं बन सकी. उसके माता पिता दर्जी का काम करते थे. लेकिन उसने एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा और आईआईटी जेईई दोनों एक साथ क्वालीफाई किया. पर उसने डॉक्टर बनने का फैसला किया. उसके परिवार की स्थिति सुधरने लगी थी. पिता दर्जी का काम छोड़कर गारमेंट का व्यापार करने लगे थे. वह पूरे मोहल्ले की प्यारी लड़की थी. लेकिन इस घटना ने स्त्री स्वाधीनता के हजारों स्वतंत्रता सेनानी पैदा कर दिए. उन्होंने उम्र की सीमाएं तोड़ दीं और दिन और रात का अंतर मिटा दिया. कोलकाता से जिस तरह की खबरें आईं उससे लग रहा था कि जैसे 1947 में लोग आजादी का जश्न मनाने रात को सड़कों पर निकल पड़े थे वैसे ही इस बार वे स्त्रियों की आजादी की रक्षा के लिए बाहर आ गए थे.

रिक्लेम द नाइट' नाम के इस आंदोलन के लिए लोगों को जगाया एक 26 साल की समाजशास्त्र की छात्रा रिमझिम सिन्हा ने. उसकी फेसबुक पोस्ट ने लोगों को झकझोर दिया. हालांकि उसे यकीन नहीं था कि लोग इस तरह से निकलेंगे. उसे ज्यादा से ज्यादा सौ पचास लोगों के बाहर आने और रात के अंधेरे पर धावा बोलने की उम्मीद थी. लेकिन कॉलेज स्ट्रीट पर इतने लोग उतर आए कि सड़कों पर सिर ही सिर दिखाई पड़ रहे थे. कोई शंख बजा रहा था कोई नारा लगा रहा था, कोई मोबाइल जलाए था. इस आंदोलन की भारत में पहली प्रभावी झलक 2021 में निर्भया की बलात्कार-हत्या के बाद दिखी थी. उस समय दिल्ली का इंडिया गेट निर्भया को न्याय दिए जाने की मांग से गूंज उठा था. हालांकि इस आंदोलन का इतिहास अमेरिका के नारीवादी आंदोलन से शुरू होता है. जब 1975 में आफिस से घर लौटते समय सुसान अलेक्जेंडर की रास्ते में हत्या कर दी गई थी. बाद में इसी तरह का आंदोलन 1977 में इंग्लैंड में लीड्स में हुआ. उसी साल ऐसा ही आंदोलन जर्मनी में भी हुआ. धीरे धीरे यह आंदोलन रेडिकल फेमनिस्ट आंदोलन की रणनीति बन चुका है. जाहिर तौर पर हर सामाजिक आंदोलन का राजनीतिक पक्ष होता है और उससे राजनीति निकलती है.

एक ओर कहा जा रहा है कि इंटर्न डॉक्टर के साथ जो कुछ हुआ उसके लिए तृणमूल कांग्रेस के गुंडे जिम्मेदार हैं. अगर ऐसा न होता तो अभियुक्त तुरंत गिरफ्तार होता और कॉलेज के प्रिंसिपल पर कठोर कार्रवाई होती. बात तो यहां तक हो रही है कि वह इंटर्न कॉलेज के कई गहरे राज से परिचित हो गई थी और इसीलिए उसे सबक सिखाने के लिए ऐसा किया गया या करवाया गया. इसलिए इस मामले में बड़े लोगों का हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता. अब चूंकि हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सीबीआई जांच कर रही तो देखना है कि कौन कौन सी साजिशें सामने आती हैं. लेकिन दूसरी ओर ममता बनर्जी जो कि प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री, गृहमंत्री होने के साथ मुख्यमंत्री भी हैं वे भी सड़क पर उतर आई हैं और अपराधी को एक हफ्ते में सजा दिलाकर फांसी दिए जाने की मांग कर रही हैं. ध्यान रहे कि ममता स्वयं एक स्त्री भी हैं. लेकिन इस राजनीतिक पैंतरेबाजी से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण है स्त्रियों के भीतर पैदा हुआ स्वाधीनता का जज्बा. सवाल यह है कि 15 अगस्त की रात को 'रिक्लेम द नाइट' के आह्वान से शुरू हुआ यह आंदोलन क्या आरजी कर मेडिकल कॉलेज के अभियुक्त को सजा दिलाकर समाप्त हो जाएगा?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

मनोवृत्ति पर प्रभाव

परिवेश में जो कुछ भी होता है, उसका प्रभाव तो मनुष्य की मनोवृत्ति पर पड़ता ही, लेकिन उसमें खान-पान विशेष कारक होता है. कहावत है जैसा अन्न, वैसा मन. जैसा आहार, वैसा व्यवहार. अशुद्ध आहार से शुद्ध व्यवहार की अपेक्षा करना किसी बड़ी मूर्खता से कम नहीं है. इसका विलोम यह है-घर में हमेशा हमें बच्चों के सामने गालियों का प्रयोग करना चाहिये, ऐसे थोडा ही है कि बच्चे गालियां ही सीखेंगे? न भी सीखें और अच्छे शब्द ही अपनाए. या फ़िर उन्हीं का अधिकार होना चाहिए वे क्या सीखें, क्या बोलें. बच्चों के समक्ष ही टीवी पर थोडे बहुत अश्लील हिंसक फ़िल्म-कार्यक्रम देखने चाहिए, कोई देखने सुनने मात्र से थोडे ही ऐसी हरकते करने लगेंगे? और उन्हे क्या देखना क्या सुनना उनका अधिकार है जब बडे होंगे तो स्वतः ही निर्णय कर लेंगे क्या करना है और क्या नहीं, यह उनका अधिकार होना चाहिए. फ़िर भला हिंसक कृत्यों व मंतव्यो से ही उत्पन्न, मांसाहार से मन में हिंसक विचारों का प्रस्फुटन क्यों नहीं हो सकता? यह तर्क निर्थक हो जाता है कि 'जरूरी नहीं मांसाहारी क्रूर प्रकृति के ही हों.' न भी हों, किन्तु क्रूर प्रकृति के पनपने की संभावनाएं अधिक ही हो जाती है. विवेकशीलता इसी में है कि हमें परिणामो से पूर्व ही सम्भावनाओं से बचने के उपाय कर लेने चाहिए. किसी जीव की हिंसा किये बिना मांस प्राप्त करना असंभव है. हिंसा से विरत हुए बिना अहिंसा-भाव को हृदय में जगाना असम्भव है, अतः अहिंसा-भाव के अभाव में, दया, करूणा, प्रेम, अनुकम्पा, वात्सल्य दिखावे के शब्द मात्र रह जाते है. जीवों के प्रति करूणा लाए बिना, अहिंसा की मनोवृति प्रबल नहीं हो सकती. यह कुतर्क विषय से भ्रमित करने के लिए है कि 'पहले मानव के प्रति हिंसा समाप्त की जाय उसके बाद ही जानवरों पर दया के बारे में सोचा जाय.' मानव के साथ तो होने वाली हिंसाएं उसी के द्वेष और क्रोध का परिणाम होती है, और मानव के लिये द्वेष और क्रोध पर पूर्ण जीत हासिल करना आज तो सम्भव नहीं है. और निरिह निर्दोष जीव के साथ हमारे सम्बंध इस प्रकार क्रोध - द्वेष के साथ नहीं बिगडते, फ़िर इन निरपराधी ईश्वर की संतानों को क्यों दंड दिया जाय. अतः मै समझता हू मानव के कोमल भावों की अभिवृद्धि के लिये भी अहिंसा, जीवों से ही प्रारंभ की जानी चाहिए. वही विस्तृत होकर, परस्पर मानव सम्बंधो से भी क्रूरता दूर करने की प्रेरक बनती है. वस्तुतः समुचित अहिंसा के विचार ही हमें मानवों के प्रति भी सहिष्णु बनाते है. सर्वभूतों से सम्पूर्ण, सम्यक प्रेम ही, निष्पक्ष अहिंसा की मनोवृति को दृढ़भूत कर सकता है.

पदक चाहिए तो बदलनी होगी पूरी खेल नीति

• खेल जगत

जगमति सांगवान

पेरिस ओलंपिक में छह अगस्त को भारतीय खिलाड़ी विनेश फोगाट ने जिस प्रकार एक के बाद एक तीन बाऊट जीती और खास तौर पर अजेय मानी जाने वाली जापानी सुसाकी को हराया, उससे देश में उत्साह और आह्लाद पैदा हुआ. उसने महिला कुश्ती में पहली बार कोई गोल्ड मेडल जीतने की आस जगाई थी. लेकिन सात अगस्त की सुबह सौ ग्राम ओवरवेट होने की वजह से विनेश के डिसक्वालीफाई होने की खबर आते ही देशवासियों का वह आह्लाद विनेश के प्रति भारी हमदर्दी में बदलने लगा. बहरहाल, इस प्रकरण से कुछ लोगों में खेल सिस्टम के खिलाफ अविश्वास भी गहराया. कई फिल्मी हस्तियों व खिलाड़ियों की बयानबाजी, ओलंपिक डेलिगेशन द्वारा सही समय पर अधिकृत बयान न देने, तथा खेल मंत्री द्वारा संसद में पूरे प्रकरण को सिर्फ विनेश की ट्रेनिंग पर खर्च के हिसाब तक सिकोड़ देने का अच्छा संकेत नहीं गया.इसी प्रकार सेमीफाइनल के उपरांत एकदम विनेश के वेट में अचानक वृद्धि व अन्य कई सवालों का जवाब नहीं मिल रहा. इन निर्णायक क्षणों में आईओए, कुश्ती फेडरेशन, उसके कोच, फिजिशियन की भूमिका पर भी सवाल हैं. ऐसे में सरकारी तंत्र व खेल मंत्रालय को एक श्वेत पत्र के माध्यम से जनता से मुखातिब होना चाहिए. उतना ही जरूरी है हमारी खेल नीति में लिंग संवेदी बदलाव. पेरिस के वकीलों ने ओलंपिक अधिशासी कोर्ट के स्तर पर विनेश की ओर से उसकी कांस्य पदक साझा करने की अपील दर्ज करवा कर एक स्वागतयोग्य पहल की.जनता को विश्वास में लेने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा यथासंभव तत्काल समुचित प्रयास करना इसलिए भी अति आवश्यक है क्योंकि इस पूरे प्रकरण की अपनी एक त्रासदीपूर्ण पृष्ठभूमि है. जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती. पिछले दिनों चाहे वह हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री पर लगे यौनहिंसा के आरोप हों, कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष व भाजपा के शक्तिशाली पूर्व सांसद बृजभूषण पर विनेश समेत अन्य ओलंपियन खिलाड़ियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार के खिलाफ जंतर-मंतर पर लड़ा गया अभूतपूर्व संघर्ष हो, जनता की नजर में सरकार की डीलिंग चुनावी कंसीडरेशन से संचालित रही है. यह कवायद महिला खिलाड़ियों को न्याय देने वाली नहीं थी. जिसके नकारात्मक असर खेल जगत पर पड़े हैं.यहां सवाल स्वाभाविक है कि न्याय के लिए आवाज उठाने वाली वह हरियाणा की ओलंपियन एथलीट जूनियर कोच हो या महिला ओलंपिक कुश्ती में देश के लिए पहली मेडल विजेता साक्षी मलिक और अब विनेश फोगाट. इन सभी को आखिर खेल ही क्यों छोड़ना पड़ा है? उनके मनोबल को पितृसत्तात्मक सिस्टम के ठेकेदार कब तक तोड़ते रहेंगे? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बगैर तो एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई.जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को क्या इस चीज का अंदाजा नहीं है कि उनके संवेदनहीन व भेदभाव पूर्ण व्यवहार ने इन खिलाड़ियों व राष्ट्रीय गरिमा को कितनी ठेस पहुंचाई है? इन निहित स्वार्थी तत्वों के क्रियाकलापों के कारण कितनी बेटियों को उनके माता-पिता द्वारा खेल से दूर किया गया है? इस आधुनिक युग में भी जिन असंख्य एकलव्यों के अंगूठे कलम किये जा रहे हैं, वक्त उनका हिसाब लेगा.हकीकत में तो पूरे खेल जगत के प्रति ही सरकार का रवैया उपेक्षा पूर्ण नजर आता है. हाल का खेल बजट भी इसकी एक नजीर हो सकता है. इसमें खेलों के लिए बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं जगती. जो खिलाड़ी इस बार पेरिस ओलंपिक में खेले हैं, उनकी अगर केस स्टडी की जाए तो पता लगेगा कि उनके संघर्ष के दौर में तो उनके परिवारों ने ही अपना बजट निचोड़ कर उनके खेल करियर निर्माण पर लगाया है. सरकारें तो मेडल जीतने के बाद ही जो पुरस्कृत करने की होड़ लगाती हैं उसकी आड़ में तो वे अपने ही राजनीतिक स्वार्थ साधते हैं. अपनी इमेज बिल्डिंग करते हैं. राजनीति को चमकाने के लिए इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भुनाने को लालायित रहते हैं. अभी भी जो लोग खेलों में अपना कैरियर बना रहे हैं, वे वही हैं जिनके परिवारों के पास उनके ऊपर खर्च करने के लिए कुछ सामर्थ्य है. खास तौर पर महिला खिलाड़ी बनने की आकांक्षा रखने वाली साधारण परिवारों की बेटियों के सपने तो संसाधनों के अभाव में अभी भी आए दिन चूर-चूर हो रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> पेरिस के वकीलों ने ओलंपिक अधिशासी कोर्ट के स्तर पर विनेश की ओर से उसकी कांस्य पदक साझा करने की अपील दर्ज करवा कर एक स्वागतयोग्य पहल की.जनता को विश्वास में लेने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा यथासंभव तत्काल समुचित प्रयास करना इसलिए भी अति आवश्यक है क्योंकि इस पूरे प्रकरण की अपनी एक त्रासदीपूर्ण पृष्ठभूमि है.

तब पीने योग्य नहीं रह जाएगा भूजल

• जलवायु

मुकुल व्यास

दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है. वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है. शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है. सबसे खराब स्थिति में, 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं. इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं. लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता.जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है. लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है. यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं. फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है. सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है. लेकिन बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है. इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ़ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं. इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है.जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है. रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं. फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं. इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है. विशेषज्ञों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है. 2020 से इसमें तेजी आई है. यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी.नए अध्ययन के शोधकर्ताओं ने मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रणनीतियां तैयार की हैं जिनका उपयोग विभिन्न देश उचित कार्रवाई करने के लिए कर सकते हैं. इसमें मदद करने के लिए उन्होंने एक ऑनलाइन टूल भी विकसित किया है. शोधकर्ताओं का कहना है कि मीथेन उत्सर्जन में यह निरंतर वृद्धि मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के लगातार उपयोग के कारण है. मीथेन सीधे तेल,गैस और कोयले की ड्रिलिंग और प्रोसेसिंग द्वारा उत्पादित होती है. अब एक नई बात यह है कि गर्म जलवायु के कारण प्राकृतिक आर्द्रभूमि से मीथेन का बढ़ता उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि कर रहे हैं. लैंडफिल, पिघलते हुए पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) और पशुधन से भी मीथेन का उत्पादन होता है. अमेरिका में ड्यूक विश्वविद्यालय के जलवायु विशेषज्ञ ड्रू शिंडेल का कहना है कि फिलहाल इन स्रोतों से उत्सर्जन में योगदान मामूली है. हालांकि इन पर भी बारीकी से नज़र रखने की ज़रूरत है.अध्ययन में पाया गया है कि इन सभी मीथेन स्रोतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है. कार्बन डाइऑक्साइड में कमी लाने के लक्ष्यों के साथ-साथ मीथेन में कमी के लक्ष्यों को भी लागू किया जाना चाहिए.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है. लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है. यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं.

मीडिया में अन्यत्र

मॉलिवुड पर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ 17 प्रकार के शोषण का उल्लेख है. रिपोर्ट को सार्वजनिक करने में पांच साल लगे. इस रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न रोकने वाले कानूनों की सीमाओं और ताकतवर लॉबी के प्रभाव का भी वर्णन है. रिपोर्ट में महिलाओं की असुरक्षा पर जोर दिया गया है. मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आखिर सोमवार को सार्वजनिक हो गई. रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान तो करती ही हैं, इस रिपोर्ट को सामने लाने के लिए जिस तरह की मशक्कत करनी पड़ी, वह भी अपने आप में बहुत कुछ कहती है. कमेटी का गठन 2017 में मलयालम फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री के अपहरण और सेक्शुअल असॉल्ट की घटना के बाद किया गया था. कमेटी ने 2019 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी. लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया. सूचना के अधिकार (RTI) के तहत किए गए आवेदनों के जरिए पांच साल के लंबे और कठिन संघर्ष के बाद यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में लाई जा सकी. रिपोर्ट का कंटेंट देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि क्यों वहां की ताकतवर लॉबी इसे सार्वजनिक किए जाने के खिलाफ थी और क्यों उसने इसे लोगों की नजरों से छुपाए रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी. रिपोर्ट में कम से कम 17 तरह के शोषण गिनाए गए हैं, जिनसे केरल फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही महिलाओं को गुजरना पड़ता है. इनमें लेडीज टॉयलेट और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाओं की कमी और पारिश्रमिक में भेदभाव से लेकर काम के बदले में सेक्स की डिमांड तक तमाम तरह के शोषण शामिल हैं. रिपोर्ट में ठीक ही कहा गया है कि सेक्शुअल हैरासमेंट ऑफ विमिन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रॉहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013 जैसे कानून और इसके तहत अनिवार्य बताए गए इंटरनल कमेटी गठित करने जैसे प्रावधान इन मामलों में ज्यादा मदद नहीं करते. इसकी एक वजह यह है कि ये वर्कप्लेस पर हैरासमेंट की बात करते हैं जबकि फिल्म इंडस्ट्री में शोषण अक्सर काम मिलने से पहले ही शुरू हो जाता है. दूसरी बात यह कि शोषण करने वाले लोगों की लॉबी इतनी ताकतवर है कि शिकायत करने की हिम्मत दिखाने पर भी करिअर खत्म हो जाता है. भले जस्टिस हेमा कमेटी की यह रिपोर्ट सिर्फ केरल फिल्म इंडस्ट्री की बात करती हो, अन्य फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं. इजिस समय यह रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, कोलकाता में एक डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना को लेकर पूरा देश उद्वेलित है.

(एनबीटी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जान/पहचान

हिंदी फिल्मों के गानों में दशकों पूर्व अजीबोगरीब शब्दों का प्रयोग कर अद्भुत भाव उकेर दिये जाते थे. उदाहरण के लिए किशोर कुमार का गाया यह गीत तो आपने सुना ही होगा-अजनबी, तुम जाने पहचाने से लगते हो. भाव महसूस कीजिए, कोई या तो अजनबी होगा या जाना-पहचाना होगा. अगर जान-पहचान हो गयी तो फिर कोई अजनबी कैसे रह सकता है. यानी विरोधाभास अलंकार. दूसरा गाना रफी साहब की आवाज में प्रसिद्ध हुआ-तुमने किसी की जान को जाते हुए देखा है? देखो वो मुझसे रूठ कर मेरी जान जा रही है. जान निकलने के बाद तो बेजान हो जाना स्वाभाविक है, लेकिन फिल्मों का नायक जान जाने के बाद भी गाना गा रहा है. यानी विरोधाभास के साथ वक्रोक्ति. यह तो हुई मनोरंजन की बात. जान-पहचान शब्द हिंदी भाषा में बहु प्रचलित शब्द है. इसका प्रयोग अनपढ़ से लेकर विद्वान तक करते रहते हैं. जान शब्द के दो रूप हैं. एक तद्भव और दूसरा फारसी मूल. जान संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है जानकारी, ज्ञान, समझ, परिचय, अनुमान, खयाल, राय. जान-पहचान का जान इसी वर्ग का शब्द है. फारसी मूल में भी जान संज्ञा स्त्रीलिंग ही है. इसका मतलब है किसी प्राणी या वस्तु को गतिमान या संचालित करनेवाला तत्व या शक्ति, प्राणशक्ति, शारीरिक क्षमता, जीवन, प्राण, जीवंतता, प्रेरणा, स्फूर्ति, शक्ति, बल, सामर्थ्य, दम, बूता, आधारभूत गुण, सौंदर्य या लालित्य, रस का गुण, किसी प्रिय के लिए किया जानेवाला संबोधन, जां के रूप में समासांत में भी प्रयुक्त, प्रेयसी, प्रिय, प्रेमी, पत्नी, बहुत प्यारी चीज, किसी वस्तु या कृति आदि की शोभा बढ़ाने वाला तत्व, सार-तत्व. फिल्म शोले का यह डायलॉग आपको याद होगा-बड़ी जान है तेरे इन हाथों में ठाकुर. पहचान भी संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है पहचानने की क्रिया या भाव, किसी का गुण या मूल्य जानने की योग्यता, परख, निश्चित पहचान का चिह्न, परिचय, भेदक अभिलक्षण चिह्न, गुण-दोष के आधार पर वस्तु को परखने की शक्ति.

आनी चाहिए फीता काटने की कला

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

फीता काटना एक कला है. जब कोई दस-बीस जगह जाकर तरह-तरह के लोगों को फीता काटते हुए देखता है और केवल देखता ही नहीं है, गहराई से उसका निरीक्षण करता है तथा अपना सारा चिंतन फीता काटने में लगा देता है, तब उसे फीता काटने के वास्तविक महात्म्य का पता चलता है. अन्यथा ज्यादातर लोग फीता काटने के लिए जाते हैं और कैंची हाथ में जैसे ही उन्हें पकड़ाई जाती है, फीता काट देते हैं. जबकि यह इतनी सरल और सीधी-सादी प्रक्रिया नहीं होती है. फीता काटने से पहले आदमी को चारों तरफ गर्व से सिर उठाकर देखना चाहिए. एक नजर फीते की ओर, दूसरी नजर चारों तरफ उपस्थित भीड़ की ओर. अगल-बगल-पीछे सबको देखने के बाद उसे कैंची हाथ में लेने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए अर्थात कैंची को बहुत नाजुक तरीके से हाथ में उठाना होता है. इसमें कभी भी अपनी उतावलेपन की भावना को प्रकट नहीं होने देना चाहिए. वरना मामला बिगड़ जाता है. भीतर भले ही कैंची को झटपट प्लेट से उठाकर फीता काटने की आंधियां चल रही हों, लेकिन व्यक्ति की कलात्मकता इसी में है कि वह मंद मंद मुस्कुराते हुए धीरे-धीरे कैंची को प्लेट से उठाए और हल्के-हल्के फीते तक ले जाए. बस यहां आकर थोड़ा-सा रुकने की जरूरत है. अभी आपको फीता नहीं काटना है. कुछ लोग इसी समय अपना हाथ आपकी कैंची की तरफ बढ़ाने के उत्सुक होंगे. उन्हें जबरन पीछे धकेलने की कला आपको आनी चाहिए. यह बात सुनिश्चित कर लीजिए कि कैंची अकेले आपके हाथों में ही सुशोभित होनी चाहिए. अगर अगल-बगल के दो लोगों ने भी कैंची को स्पर्श कर लिया, तो समझ लीजिए कि आपका श्रेय एक तिहाई रह जाएगा. कल को जब इतिहास लिखा जाएगा, तब फोटो को सबूत के तौर पर कोई भी प्रस्तुत करके यह कह सकता है कि फीता तीन लोगों ने काटा है. तब आप क्या करेंगे? सिवाय हाथ मलने के कुछ नहीं बचेगा? इसलिए कैंची को अपने शरीर के बीचो-बीच बिल्कुल सुरक्षित पोजीशन में रखिए. कैमरे की तरफ ध्यान अवश्य दें, लेकिन कैंची को चिंतन की धारा से बाहर न जाने दें. परोक्ष रूप से ध्यान पूर्णतः फीते पर ही रहना चाहिए. जरा सोचिए ! कितने उखाड़-पछाड़ के बाद फीता काटने का सौभाग्य जीवन में आता है! कितने पापड़ बेले! कितनी सिफारिशें पड़वाईं ! क्या-क्या सौदे नहीं किए! न जाने कितने वायदों के बाद फीता काटने की मंजूरी मिल पाती है! फीता काटने की दौड़ में अनेक प्रतियोगी लगे रहते हैं. एक अनार, सौ बीमार. जिसे फीता काटने का सौभाग्य मिल जाता है, सचमुच अपने आप को धन्य मानता है. दौड़ में एक को ही विजयश्री प्राप्त होती है. बाकी मन-मसोसकर रह जाते हैं कि यह जो फीता काटने का सौभाग्य अमुक को मिला है, काश हमें मिल जाता! अगर दांव लग जाता तो हम भी फीता काट रहे होते!

लाइफ लाइन

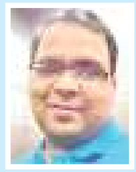

डॉ दीपक चंद्रा प्रकाश
न्यूरोलॉजिस्ट, मेडिका हॉस्पिटल और रांची न्यूरोलॉजी क्लीनिक

एमपॉक्स

डरिए नहीं, बस सर्तक रहिए

कोविड 19 वायरस से हम बमुश्किल अभी अभी तो उबरे हैं कि एक अन्य वायरस एमपॉक्स ने आतंक फैलाना शुरू कर दिया है. डब्ल्यूएचओ ने इसे ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी करार दिया है. एमपॉक्स वायरस जानवरों से मनुष्यों में फैलता है. इसके लक्षणों में दाने निकलना, फफोले बनना, बुखार शामिल है. इसके लक्षण चेचक के समान होते हैं, हालांकि चिकित्सकीय रूप से यह कम गंभीर होता है. सामान्यतया, इसके लक्षण दो से चार सप्ताह तक रहते हैं.

एमपॉक्स क्या है?

एमपॉक्स एक वायरल बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है, जो ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस की एक प्रजाति है. एमपॉक्स को पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था. इस वायरस की पहचान वैज्ञानिकों ने पहली बार 1958 में की थी जब बंदरों में 'पॉक्स जैसी' बीमारी का प्रकोप हुआ था. एमपॉक्स वायरस के उसी परिवार 9से संबंधित है, जिसमें चेचक होता है.

यह कैसे फैलता है?

एमपॉक्स वायरल संक्रमण है. आमतौर पर संक्रमित व्यक्ति या जानवर के साथ संपर्क में आने से फैलता है. दो इंसान के बीच संक्रामक त्वचा या मुंह या जननांगों जैसे अन्य घावों के सीधे संपर्क के माध्यम से फैल सकता है. हालांकि विशेषज्ञ बताते हैं कि यह संक्रमण कपड़ों, टैटू की शॉप, पार्लर या अन्य पब्लिक जगहों पर यूज होने वाली कॉमन चीजों से भी फैल सकता है. जब संक्रमित पशु किसी इंसान को काटता है, खरोंचता है, चाटता है या ऐसी ही दूसरी गतिविधि करता है तो भी यह वायरस जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है.

पहचानिए लक्षण

एमपॉक्स के लक्षण वायरस के संपर्क में आने के 21 दिनों के अंदर दिखना शुरू होते हैं. एमपॉक्स से संक्रमित पीड़ित के शरीर पर आमतौर पर सबसे पहले दाने नजर आते हैं. ये दाने हाथ, पैर, छाती, चेहरे या मुंह या जननांगों के आसपास हो सकते हैं. कुछ दिनों बाद इन दानों में मवाद बन जाते हैं जो बाद में पपड़ी के रूप में तब्दील हो जाते हैं. बुखार, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द आदि एमपॉक्स के अन्य लक्षण हो सकते हैं. वायरस से लड़ने की कोशिश करते समय लिम्फ नोड्स भी सूज सकते हैं. आम तौर पर ये लक्षण तीन दिन से तीन हफ्ते तक रह सकते हैं.

उपचार

हालांकि अब तक एमपॉक्स का अभी तक कोई खास इलाज नहीं है, लेकिन जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुझाव दिया है, इसके लक्षणों पर दर्द और बुखार की दवा चिकित्सक देते हैं. कई बार मजबूत रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता होने पर और त्वचा संबंधी अधिक अगर किसी मरीज की इम्यूनिटी अच्छी है और उसे स्किन संबंधी लक्षण अधिक नहीं उभरे हों तो बिना किसी विशेष उपचार के भी वह ठीक हो सकता है. बस उसे देखभाल की जरूरत होगी.

इनको खतरा कम

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जिन लोगों को छोटी चेचक या चिकनपॉक्स हो चुका है या इससे संबंधित टीका (वैक्सीन) लग चुका है, उनमें इस बीमारी के होने का खतरा नहीं के बराबर है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

वात, पित, दाह, रुधिरविकार, क्षय, नाशक होता है अमड़ा

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

आमड़ा या अमड़ा झारखंड में सर्वत्र मिलने वाला लोकप्रिय फल है जिसकी पहचान आचार और चटनी के लिए है. हिंदी और बंगला में आमड़ा नाम से पुकारते हैं तो अंग्रेजी में स्पौन्डियस मिनट और लैटिन में स्पौन्डियस मैंगिफेरा कहते हैं. यह एक ग्राम औषधीय वृक्ष हैं. चालीस पचास साल पहले यह झारखंड के वन प्रदेश में देखने को मिल जाता था. पर अब वन प्रदेश से विलुप्त हो गया है. लातेहार जिला के वन विभाग से रिटायर्ड और औषधीय वृक्ष के ज्ञाता स्व. एन. के. मिश्रा जी के अनुसार आजादी के बाद वन प्रदेश से वृक्षों की कटाई की नीलामी अर्थात निविदा प्रक्रिया के चलते और ग्रामीण द्वारा संरक्षण विहिन फल का दोहन के चलते विलुप्त हो गया है. जंगलों में अमरा के वृक्ष अब देखने को नहीं मिलते हैं.

कच्चा अमड़ा के फल खट्टे होते हैं और वात नाशक, रुचिकर, गरम, दस्तावर होता है और पके अमडा फल स्वदिष्ट, पाक में शीतल, तृप्तिकारक, कफकारी, वीर्यवर्द्धक, पुष्टिकारक, बलकारक, भारी, वात, पित, दाह, क्षय, रुधिरविकारनाशक होता है.

अमड़ा के वृक्ष ऊंचे होते हैं. काण्ड स्थूल, त्वचा अर्थात वृक्ष की उपरी सतह का रंग श्वेत वर्ण का होता है. पत्र पीले चिकने और एक विशेष ढंग से छोटे छोटे पत्र आपस में जुड़े हुए रहते हैं और अग्रभाग में एक फुट पत्र होता है अर्थात एक प्यारा सा पता जुड़ा रहता है, बसंत ऋतु में मंजूरी आता है और जिसका रंग स्वर्ण वर्ण का होता है. देखने में मनभावन लगता है. फल का आकार बेर से थोड़ा सा बड़ा और अंडाकार होता है जिसे पूर्ण गोलाकार नहीं कह सकते हैं. ग्रीष्म ऋतु के अंत तक झारखंड के ग्रामीण इलाके के बाजार में उपलब्ध होने लगता है और ग्रामीण इलाकों से यह फल झारखंड की राजधानी रांची में बिकने के लिए आ जाते हैं. इस वृक्ष का छाल, फल, गोंद का उपयोग में लाया जाता है. इस देहाती फल और वृक्ष को बहुत ही ज्यादा संरक्षण की आवश्यकता है और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड रांची को वृक्षारोपण कार्यक्रम में इसे शामिल करना चाहिए.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

विटामिन बी 12 की कमी से हो सकती हाथ-पैरों की झुनझुनी

विभिन्न तरह के विटामिन और मिनरल ऐसे पोषक तत्त्व हैं, जो शरीर के विभिन्न कार्यों में भूमिका निभाते हैं. इन्हें भोजन या सप्लीमेंट्स से लिया जाता है. इनके अभाव में शरीर में कई तरह की परेशानियां उभरने लगती है. ऐसा ही एक पोषक तत्व है विटामिन बी 12. विटामिन बी 12 हमारे शरीर के लिए काफी जरूरी होता है. यह वेजिटेरियन फूड्स की अपेक्षा नॉन-वेजिटेरियन फूड्स में अधिक पाया जाता है. विटामिन बी 12 की कमी के हाथ-पैर में कुछ संकेत दिखते हैं. आइए जानें कि विटामिन 12 किन खाद्य पदार्थों में पाया जाता है, इसकी कमी से क्या समस्या होती है आदि...

क्या है विटामिन बी 12

विटामिन बी12 एक आवश्यक पोषक तत्व है जो नॉनवेज, पनीर और अंडे जैसे एनीमल प्रोडक्ट्स में अधिक मात्रा में पाया जाता है. लाल रक्त कोशिकाओं के बिना शरीर ऑक्सीजन भी शरीर के अंगों तक नहीं ले जा सकता और विटामिन बी इन्हीं लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है. विटामिन बी की कमी कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है. विटामिन बी12 की कमी का आमतौर पर आसानी से इलाज किया जाता है लेकिन जब तक आप लक्षणों को पहचान नहीं लेते, तब तक वह आपके डेली रूटीन को मुश्किल बना सकता है. विटामिन बी की कमी के गंभीर मामलों में हार्ट फेल, डायबिटीज, गठिया और कैंसर का जोखिम हो सकता है.

क्या हैं इसके लक्षण

विटामिन बी12 की कमी विभिन्न तरीकों से सामने आ सकती है. सबसे आम लक्षणों में थकान, सुस्ती, सिरदर्द, बेहोशी महसूस होना या सांस लेने में मुश्किल होना है. हाथ और पैरों में झुनझुनी या सुन्नता भी विटामिन बी की कमी का संकेत है. दरअसल विटामिन बी 12 नर्व्स के स्वास्थ्य को सही रखने के लिए जरूरी है क्योंकि यह माइलिन के प्रोडक्शन में अहम भूमिका निभाता है जो नर्व्स के चारों ओर एक प्रोटेक्शन लेयर है. जब विटामिन बी12 कम होता है तो यह प्रोटेक्शन कमजोर हो सकती है जिससे नर्व की लेयर डैमेज हो जाती है जिससे हाथ-पैर में झुनझुनी होने लगती है.

इससे अपच, दस्त, भूख में कमी, धड़कन, आंखों की समस्याएं, घाव या लाल जीभ, मुंह में छाले, मांसपेशियों में कमजोरी, डिमेंशिया आदि लक्षण भी विटामिन बी 12 की कमी के संकेत हो सकते हैं.

बचाव के लिए क्या करें

हमारा शरीर विटामिन बी 12 नहीं बनाता है. इसलिए इसे खाद्य पदार्थों और सप्लीमेंट से लिया जाता है. लेकिन अच्छी बात यह है कि यह हमारे शरीर में स्टोर रहता है. यानी दूसरे अन्य कई विटामिन की तरह फ्लश आउट नहीं होता. यदि आप शाकाहारी या वीगन हैं तो यह मुश्किल हो सकता है क्योंकि बी12 रेड मीट, मटन के लिवर, अंडे की पीले हिस्से, सी फूड आदि में पाया जाता है. मशरूम में भी इसकी अच्छी मात्रा होती है. कुछ मात्रा में इसे दूध, दही, पनीर, दालों आदि से भी पाया जा सकता है लेकिन नॉनवेज की तुलना में यह बेहद कम है. इसलिए शाकाहारियों में इसकी कमी होने पर ऐसे लोगों को विटामिन बी 12 सप्लीमेंट दिया जाता है.

इन्हें पड़ती अधिक जरूरत

उम्र के साथ शरीर की विटामिन्स को अवशोषित करने की क्षमता कम हो जाती है. इसलिए बुजुर्गों में इसकी अधिक जरुरत होती है. इसी तरह विटामिन बी9 (फोलिक एसिड) गर्भस्थ शिशु के विकास के लिए जरूरी है. गर्भवती महिलाओं को फोलिक एसिड की उचित मात्रा सुनिश्चित करनी चाहिए. चूंकि विटामिन बी12 मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है. इसलिए शाकाहारी लोगों को इस विटामिन की कमी का सामना करना पड़ सकता है. तनाव, अवसाद जैसी समस्याओं के लिए विटामिन बी6 और बी12 अहम होते हैं. इसलिए मनोरोगियों के आहार में विटामिन बी 12 की उपलब्धता के लिए आश्वस्त हों.

दवाओं के साइड इफेक्ट से पायरिया!

डॉ आकांक्षा चौधरी
एमडीएस (मसूढ़ों एवं इंप्लांट सर्जरी विशेषज्ञ)

पायरिया या पीरियोडोंटाइटिस मसूड़ों का गंभीर संक्रमण है. यह एक आम बीमारी है जिससे दुनिया में 90 प्रतिशत लोग जूझ रहे हैं. यह अधिकतर ग्राम नेगेटिव, स्पाइरोकीट, बैसिलस बैक्टीरिया आदि के कारण होता है. इसमें जबड़े और मसूड़ों की हड्डी को नुकसान होता है. समय रहते इस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह बढ़कर इतना फैल जाती है कि दांत हिलना शुरू हो जाते हैं. हड्डी और दांतों के डैमेज को रोकने के लिए मौखिक स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है.

पायरिया के लक्षण

मसूढ़ों से खून आना इसका सबसे प्रमुख लक्षण है. यह प्रायः टूथ ब्रश करने के दौरान होता है. दो दांतों के बीच की दूरी बढ़ने लगती है. दांतों का टूट कर गिरना इसके अन्य लक्षण हैं. मसूढ़े लाल हो जाते हैं. मसूढ़ों में सूजन की शिकायत होती है. सांसों से बदबू आती है और रोज ब्रश करने के बाद भी इससे पीड़ित शख्स के करीब आप कई बार नहीं जा पाते.

ये हैं कारण

1. **धूम्रपान करना** : मसूड़ों की बीमारी के लिए धूम्रपान को सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक माना जाता है. तंबाकू के इस्तेमाल से मसूड़ों की बीमारी होती है. दरअसल, धूम्रपान और तंबाकू मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया को पनपने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाते हैं. धूम्रपान न करने वाले लोगों के मुकाबले धूम्रपान करने वाले लोगों में ट्रीटमेंट का प्रभाव देरी से होता है.

2. **आनुवंशिकता** : कई बार सब कुछ ठीक तरीके से करते रहने के बाद भी मसूढों की बीमारी हो जाती है. आबादी का लगभग एक तिहाई हिस्सा मसूढ़ों की समस्याओं से ग्रस्त है और ये ओरल हेल्थ समस्याएं उन्हें आनुवंशिकता में मिली हैं.

3. **दवाएं** : एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, एंटीहिस्टामिन जैसी दवाओं में ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह में लार बनने की क्रिया को धीमा करते हैं. लार दांतों को साफ रखने में मदद करती है, जिससे बैक्टीरिया की वृद्धि में रोकथाम होती है. इसलिए, लार की मात्रा कम होने से प्लैक और दांत में मैल जमा होने लगता है.

4. **डायबिटीज** : डायबिटीज होने की वजह से शरीर में कई तरह के और संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है. इनमें मसूढ़ों का इंफेक्शन भी शामिल है. मसूढों में सूजन और पायरिया ये दोनों इंन्सुलिन इस्तेमाल करने की क्षमता को बिगाड़ देते हैं, जिससे शुगर को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है.

5. **पोषण में कमी** : यदि आहार में विटामिन बी और सी, कैल्शियम आदि पोषक तत्व न हों, तो यह स्थिति मसूढों के रोगों को बढ़ावा दे सकती है. कैल्शियम बहुत जरूरी होता है, क्योंकि यह हड्डियों को मजबूत रखता है इनमें दांतों को सहारा प्रदान करने वाली हड्डियां भी शामिल हैं. विटामिन सी संयोजी ऊतकों की मजबूती को बनाए रखने में मदद करता है.

6. **हार्मोन में बदलाव** : गर्भावस्था, मेनोपॉज और यहां तक कि मासिक धर्म के दौरान होने वाले हार्मोन में बदलाव मसूढ़ों को पायरिया होने के प्रति अतिसंवेदनशील बना देते हैं. इससे पायरिया की आशंका बढ़ जाती है.

पायरिया से बचाव

दांतों को स्वस्थ बनाने के लिए ओरल हाइजीन जरूरी है.

- सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले ब्रश अवश्य करें.
- ब्रश करने की तरह फ्लॉसिंग करने की भी आदत डालें इससे दांतों की सफाई सही तरीके से होगी.
- सिगरेट या तंबाकू जैसी चीजों का सेवन बंद कर दें.

पायरिया से बचने के लिए कुछ आवश्यक खाद्य पदार्थ

1. पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर क्रेनबेरी दांतों और मसूढ़ों के लिए अच्छा स्रोत है.
2. अदरक और लहसुन के सेवन से दांतों और मसूढ़ों की परेशानी कम होती है.
3. दिन में एक से दो कप ग्रीन टी सेहत को स्वस्थ रखने के साथ दांतों को भी स्वस्थ रखता है.
4. सोयाबीन में मौजूद पर्याप्त विटामिन और मिनरल फायदेमंद होता है.
5. आहार में ब्रोकली के सेवन से भी फायदा मिलता है.
6. स्वस्थ मुंह के लिए चुइंगम चबाने की आदत डालें लेकिन ध्यान रहे इसे बहुत देर तक चबाते ना रहें.
7. गाजर और पालक का रस पीने से फायदा होता है.
8. सेंधा नमक या अनार के छिलके का पाउडर बना कर नियमित दांतों पर मसाज करना.
10. खाने के बाद ठीक तरह से कुल्ला करने से दांतों को सफाई हो जाती है.

पांव पसार रही हैं ये बीमारियां

बरसात में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है. इसके साथ ही बढ़ जाती है मच्छरों से होने वाली बीमारियों की आशंका. आइए आज हम मच्छरों से होने वाली कुछ आम बीमारियों और उसके लक्षणों की करें चर्चा ...

1. **मलेरिया** – मच्छर जनित बीमारियों में मलेरिया सबसे चर्चित है. झारखंड समेत पूरे देश में इससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं. यह प्लास्मोडियम जीनस के एककोशिकीय परजीवी के कारण होता है. परजीवी आमतौर पर मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है. गंभीर अवस्था में इससे श्वसन संबंधी समस्याएं और ऑर्गन फेलियर तक के लक्षण नजर आ सकते हैं और समुचित इलाज के अभाव में यह जानलेवा भी हो सकता है.

2. **डेंगू** - डेंगू फैलाने के लिए एडीज मच्छर जिम्मेदार माना जाता है. यह रुके हुए पानी में होता है. कूलर, नाली, निर्माण स्थलों, गर्म पानी की टंकियों, स्विमिंग पूल, गमलों, कूड़े-कचरों में मच्छर की यह प्रजाति पनप सकती है. तेज बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों में गंभीर दर्द, आंखों में परेशानी और गंभीर मामलों में ब्लीडिंग बुखार या शॉक सिंड्रोम जैसे लक्षण हो सकते हैं. ये लक्षण एक हफ्ते या अधिक समय तक बने रहते हैं. गंभीर अवस्था में यह भी जानलेवा हो सकता है.

3. **जापानी एन्सेफलाइटिस** - जापानी एन्सेफलाइटिस एक वायरल दिमाग संक्रमण है जो क्यूलेक्स मच्छरों से फैलता है. इसके गंभीर मामलों में दिमाग में सूजन हो सकती है और कोमा या मृत्यु हो सकती है.

4. **येलो फीवर या पीला बुखार** - यह भी एडीज मच्छर से फैलता है. यह वायरल है. हल्का बुखार, ठंड लगना, भूख न लगना, मतली, पीठ में परेशानी, सिरदर्द और थकान से लेकर गंभीर पीलिया और आंतरिक ब्लीडिंग जैसे लक्षण हो सकते हैं. आमतौर पर पांच दिनों के अंदर ये समस्या ठीक हो जाती है. भारत में इसकी आशंका नहीं है.

5. **चिकनगुनिया** - बुखार, जोड़ों में परेशानी और सूजन, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द और दाने आदि लक्षण चिकनगुनिया में उभर सकते हैं. आमतौर पर इन लक्षणों से हफ्ते भर के भीतर राहत मिल जाती है. हालांकि, इस बीमारी से हुई जोड़ों की परेशानी महीनों या सालों तक रह सकती है.

6. **जीका वायरस** - एडीज मच्छरों से फैलने वाले जीका वायरस में डेंगू जैसे लक्षण उभर सकते हैं. बुखार, सिरदर्द, दाने, जोड़ों में दर्द और लाल आंखें आदि. गर्भवती महिलाओं और गर्भधारण की योजना बना रही महिलाओं को इस बीमारी से सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना टॉप-3 में पहुंचीं, हरमनप्रीत नौवें स्थान पर

हरमनप्रीत कौर

आईसीसी ने जारी की महिला वनडे रैंकिंग

एजेंसी। दुबई

भारत की स्टार खिलाड़ी और उप-कप्तान स्मृति मंधाना महिलाओं की आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) वनडे रैंकिंग में एक पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गयी हैं. मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज है. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है. श्रीलंका की दिग्गज बल्लेबाज चमारी अट्टापट्टू तीसरे से चौथे स्थान पर खिसक गई जबकि टीम की उनकी साथी बल्लेबाज नीलाक्षिका डी सिल्वा (तीन पायदान ऊपर 32वें), हर्षिता समरविक्रमा (आठ स्थान के सुधार के साथ 44वें) और कविशा दिलहारी (चार स्थान के सुधार के साथ 50वें पायदान) ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया. मंधाना टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही. समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे.श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गये दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस चार स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गयी. लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी.

आरसीबी को बनाया था चैंपियन

आईपीएल में जो काम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम नहीं कर सकी उसे वुमेंस प्रीमियर लीग में स्मृति मंधाना की अगुआई वाली टीम ने कर दिखाया था. मंधाना की कप्तानी में आरसीबी टीम पहली बार ट्रॉफी जीतने में सफल रही थी. स्मृति मंधाना ने साल 2016 में अपना पहला वनडे शतक बनाया था, जब उन्होंने होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 109 गेंदों में 102 रन बनाए थे.

स्मृति मंधाना

ब्रीफ खबरें

सतीश जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में

योकोहामा (जापान)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सतीश कुमार करुणाकरन ने बुधवार को यहां पहले दौर में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन के मैच के बीच में चोटिल होने के कारण हटने पर जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. भारत के 23 साल के सतीश जब 6-1 से आगे चल रहे थे तब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एंटोनसन ने योकोहामा एरेना में मुकाबले के तीसरे मिनट में ही हटने का फैसला किया. दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सतीश प्री क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के केंटाफोन वैंगचेरोएन से भिड़ेंगे.

साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स ने सेंट्रल दिल्ली को हराया

नयी दिल्ली। प्रियांश आर्य की 51 गेंदों में 82 रन की शानदार पारी की बदौलत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को छह विकेट से हराया. सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने मंगलवार को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद ध्रुव कौशिक (56) और यश ढुल (52) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया.

श्रीलंका ने लिया पहले बल्लेबाजी का फैसला

मैनचेस्टर। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला के पहले टेस्ट में बुधवार को यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 की जीत के बाद इस शृंखला में खेल रहा इंग्लैंड कप्तान बेन स्टोक्स के बिना उतरा है जिन्हें इस महीने घरेलू मैच के दौरान पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी. ओली पोप कप्तान की भूमिका निभा रहे हैं जबकि डैन लॉरेंस को जैक क्राउली की जगह पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

एरिका एंड्रीवा ने डेनिएल कोलिन्स को हराया

मॉन्टेरी (मैक्सिको)। एरिका एंड्रीवा ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त डेनिएल कोलिन्स को हराकर मॉन्टेरी डब्ल्यूटीए 500 हार्डकोर्ट टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. एंड्रीवा ने देर रात तक चले इस मैच में 1-6, 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की. यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया. यही नहीं वह पहली बार किसी शीर्ष स्तरीय डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं.

एडम गिलक्रिस्ट दुनिया के तीन महान विकेटकीपर्स के नाम बताए

एडम गिलक्रिस्ट ने धौनी को बताया विकेटकीपर नंबर-2

महान क्रिकेटर रॉडनी मार्श को पहले स्थान पर रखा

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेट की दुनिया के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों में शुमार महान ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने दुनिया के तीन महान विकेटकीपर चुने हैं. उन्होंने भारत के महान महेंद्र सिंह धोनी को तीन महानतम विकेटकीपर बल्लेबाजों में शामिल किया है. हालांकि, गिलक्रिस्ट ने धोनी को नंबर-2 पर रखा है. उन्होंने पहला नाम नाम अपने ही देश के दिग्गज क्रिकेटर का लिया. दूसरा नाम महेंद्र सिंह धोनी का लिया कर तीसरे नंबर पर श्रीलंका के एक दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज को शामिल किया है. गिलक्रिस्ट ने एमएस धौनी से पहले ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रॉडनी मार्श का नाम लिया. गिलक्रिस्ट ने कहा कि मार्श उनके आदर्श थे. 2003 और 2007 के वर्ल्ड कप विजेता गिलक्रिस्ट ने धौनी की कूलनेस की सराहना करते हुए उनका नाम लिया. आखिर में उन्होंने श्रीलंका के कुमार संगाकारा का नाम लिया.

तीनों विकेटकीपर के रिकॉर्ड इस प्रकार हैं

गिलक्रिस्ट ने जो तीन नाम चुने हैं उनके विकेटकीपिंग रिकॉर्ड पर नजर डालें तो रॉडनी मार्श ऑस्ट्रेलिया के लिए 96 टेस्ट मैचों में 343 कैच लपके और 12 स्टंप आउट भी किए. वहीं, वनडे में उन्होंने 92 मैच खेलते हुए 120 कैच लपके और 4 स्टंप किए. भारतीय दिग्गज विकेटकीपर धौनी ने 90 टेस्ट मैचों में 256 कैच लपके और 38 स्टंप किए. वहीं, वनडे में उन्होंने 350 मैच खेलते हुए कुल 321 कैच और स्टंप पूरे किए. टी20 इंटरनेशनल में धौनी के नाम 57 कैच और 34 स्टंप दर्ज हैं. यह उन्होंने 98 मैच खेलते हुए हासिल किए. कुमार संगाकारा ने 134 टेस्ट खेले, जिसमें 182 कैच और 20 स्टंप किए. वनडे में 404 मैच खेलते हुए 402 कैच और 99 स्टंप पूरे किए. टी20 इंटरनेशनल में इस दिग्गज ने 25 कैच और 20 स्टंप किए. यह उन्होंने 56 मैच खेलने के दौरान हासिल किया.

एडम गिलक्रिस्ट

रॉडनी मार्श

एमएस धौनी

कुमार संगाकारा

दोस्तों के साथ छुट्टी मनाते दिखे एमएस धौनी, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

रांची । महेंद्र सिंह धौनी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. वह अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हुए नजर आते हैं. धौनी अपने परिवार के साथ रांची में ही रहते हैं. इस दौरान छुट्टियों पर घूमने के लिए वह बाहर भी निकलते हैं. सोशल मीडिया पर एक तस्वीर काफी तेजी से वायरल हुई. इसमें महेंद्र सिंह धोनी अपने दोस्तों के साथ बैठे हैं और पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं. यह तस्वीर झारखंड के रांची शहर की है. इसमें धौनी क्रिकेट से दूर अपने दोस्तों के साथ मौज मस्ती करते हुए दिखाई दिए. धौनी के साथ बैठे उनके दोस्त में से किसी को पहचान पाना मुश्किल है. इसका मतलब ये है कि यह उनके रांची के करीबी दोस्त हैं. धौनी को कुछ दिन पहले रांची के सड़कों पर बाइक चलाते हुए भी देखा गया था. धौनी के फैंस जानते हैं कि उन्हें बाइक चलाना कितना पसंद है.

आपको बता दें कि रांची के सिमलिया में स्थित धौनी का बंगला है. दौनी के बंगले में उनके पालतू डॉग के अलावा कई सारे पेट्स हैं, जिनके साथ धौनी समय गुजारते हुए नजर आते हैं. इसके अलावा रांची के सैंबो में धौनी का फार्म हाउस है. जहां कई एकड़ में धौनी खेती करते हैं. जब भी धौनी रांची दौरे पर आते हैं तो वह परिवार के साथ अपने फॉर्म हाउस आना नहीं भूलते. भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी बेशक विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक थे. उनकी कप्तानी में भारत ने 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतने का कारनामा किया है. धौनी की कप्तानी में भारत ने साल 2007 और साल 2011 का विश्व कप जीता था. 2011 के विश्व कप में धौनी ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी.

रौनक दहिया को अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक

भाषा। अम्मान (जॉर्डन)

भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता. अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया. यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है. इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कज़ाको से हार गए थे. इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया. भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे. उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा. अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा.

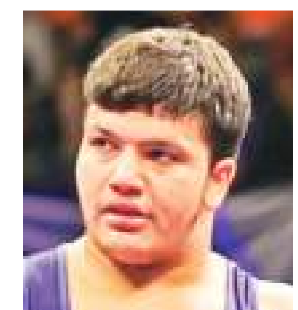

कियान नासिरी नया चेहरा

झिंगन संभावित खिलाड़ियों में नहीं

भाषा। नयी दिल्ली

सेंटर-बैक संदेश झिंगन को भारत के नए मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए बुधवार को चुनी गई 26 सदस्यीय संभावित टीम में नहीं लिया है जबकि ईस्ट बंगाल की तरफ से खेलने वाले ईरान के फुटबॉलर जमशेद नासिरी के बेटे और चेन्नईयिन एफसी के फॉरवर्ड कियान नासिरी के रूप में नया चेहरा टीम में शामिल किया गया है. मोहन बागान एसजी के राइट-बैक आशीष राय और ईस्ट बंगाल के गोलकीपर प्रभुसुखन सिंह गिल को भी तीन से नौ सितंबर तक हैदराबाद में होने वाले तीन देशों के टूर्नामेंट के लिए लगाए जाने वाले शिविर के लिए संभावित टीम में लिया गया है. जनवरी में सीरिया के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप मैच के दौरान डिफेंडर झिंगन के दाहिने घुटने में चोट लगी थी और माना जा रहा है कि वह अभी तक चोट से उबर नहीं पाए हैं.

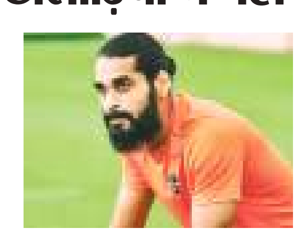

यह 31 वर्षीय सेंट्रल डिफेंडर मई में कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन राउंड दो के मैचों में भी नहीं खेल पाया था. इंटरकॉन्टिनेंटल कप में भारत के अलावा सीरिया और मॉरीशस की टीम भाग लेंगी. भारत फीफा की नवीनतम विश्व रैंकिंग में 124वें जबकि सीरिया 93वें और मॉरीशस 179वें स्थान पर है. अभ्यास शिविर 31 अगस्त से हैदराबाद में शुरू होगा.

सिंकफील्ड कप : गुकेश ने नेपोमनियाचची से ड्रॉ खेला

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में रूस के इयान नेपोमनियाचची के साथ रोमांचक ड्रॉ खेला, जिससे वह संयुक्त दूसरे स्थान पर बने हुए हैं. अपनी पहली बाजी में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के साथ अपेक्षाकृत आसान ड्रॉ खेलने के बाद गुकेश में यहां नेपोमनियाचची के खिलाफ रोमांचक मुकाबला खेला. भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेल रहा था और वह कुछ बेहतर स्थिति में भी दिख रहा था, लेकिन रूस के खिलाड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया. दोनों खिलाड़ी 60 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए. भारत के एक अन्य खिलाड़ी आर प्रज्ञाननंदा ने फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला.

शाह को दो अग्रणी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से समर्थन मिल चुका है!

आईसीसी के नए चेयरमैन बन सकते हैं जय शाह

- 27 अगस्त तक अगले अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन करना होगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

जय शाह आईसीसी के नए चेयरमैन बन सकते हैं. वर्तमान अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की, जबकि शासी निकाय और इसके प्रमुख ब्रॉडकास्ट अधिकार धारक स्टार के बीच 4.46 बिलियन डॉलर का विवाद चल रहा है. ऐसे में नए चेयरमैन को लेकर जय शाह का नाम उभरकर सामने आ रहा है. बीसीसीआई के महासचिव के तौर पर उनके कार्यकाल ने भारत को सबसे ताकतवर क्रिकेट बोर्ड के तौर पर अपनी पकड़ और मजबूत करने में मदद की है. द ऐज की रिपोर्ट के अनुसार, शाह को नॉमिनेशन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दो अग्रणी टीमों ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से समर्थन प्राप्त हो चुका है. आईसीसी के प्रवक्ता ने बताया, आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने बोर्ड को पुष्टि की है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए खड़े नहीं होंगे और नवंबर के अंत में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने पर पद से हट जाएंगे. बार्कले को नवंबर 2020 में स्वतंत्र आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसके बाद उन्हें 2022 में फिर से चुना गया था. आईसीसी अधिकारी ने कहा, वर्तमान निदेशकों को अब 27 अगस्त, 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन प्रस्तुत करना होगा, और यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं, तो चुनाव होगा.

डालमिया और पवार रह चुके हैं आईसीसी प्रमुख

जगमोहन डालमिया (1997 से 2000) और शरद पवार (2010-2012) केवल दो भारतीय हैं जिन्होंने अतीत में आईसीसी के प्रमुख का पद संभाला है. बीसीसीआई के महासचिव के रूप में शाह का कार्यकाल 2025 में समाप्त हो रहा है. इसके बाद वो एक नई भूमिका में नजर आ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति को आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के लिए, उस व्यक्ति को 16 में से कम से कम नौ वोट प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, जो कि 51 प्रतिशत है.

टेस्ट मैच फीवर ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है

एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

भाषा। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्राफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह शृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण शृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे. स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा,इस बार यह पांच मैच की शृंखला होगी, जिससे यह एशेज शृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है. ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार शृंखला जीती हैं. भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया. स्टार्क न केवल शृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह शृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है. उन्होंने कहा, हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है.

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है. स्टार्क ने कहा, भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं. इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक शृंखला होने वाली है. उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी. स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है. उन्होंने कहा, जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है. उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचों टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे. जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा. स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की शृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे. मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है. आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं. इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे.

अंतिल की अगुआई में पहला जत्था पेरिस रवाना

पैरा एथलीटों की नजरें 12 पदक पर

भाषा। नयी दिल्ली

पांच स्वर्ण सहित एक दर्जन पदक जीतने की उम्मीद के साथ भारत के पैरालंपिक एथलीटों का पहला जत्था स्टार भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल की अगुआई में पेरिस पैरालंपिक के लिए रवाना हो गया है. परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने के लिए पैरालंपिक खिलाड़ी समय से पहले रवाना हुए हैं. देश के 16 पैरा एथलीट उद्घाटन समारोह से तीन दिन पहले 25 अगस्त को खेल गांव में प्रवेश करेंगे और उससे पहले कुछ दिन पेरिस के होटलों में रुकेंगे. पैरालंपिक में अपने खिताब की रक्षा करने वाला पहला भारतीय बनने के लिए चुनौती पेश करने वाले अंतिल सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी फ्रांस की राजधानी के पास की सुविधाओं में प्रशिक्षण लेंगे ताकि वे वहां के मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें. पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाएं 30 अगस्त से पैरालंपिक के समापन दिवस आठ सितंबर तक 'स्टेड डी फ्रांस' में आयोजित की जाएंगी. इसी स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक के दौरान सक्षम खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा की थी. पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने पीटीआई को बताया, सुमित अंतिल और कुछ अन्य पैरा एथलीट खेल गांव में प्रवेश करने से पहले कुछ दिनों के लिए नेल्सन मंडेला खेल परिसर में प्रशिक्षण लेंगे. नेल्सन मंडेला खेल परिसर स्टेड डी फ्रांस से लगभग पांच किमी दूर है. इसमें एथलेटिक्स, रग्बी, टेनिस, व्हीलचेयर टेनिस और तैराकी के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं. सत्यनारायाण ने कहा, कुछ लोग खेल गांव के पास के होटलों में रुकेंगे और वे दिन के समय वहां प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें भाव में चंद्रमा राहु का योग है. गलत खर्च और लोगों से बचें. धन के साथ-साथ प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. किसी खास चीज अच्छा लाभ का योग हैं. सहकर्मियों से मनमुटाव हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

वृष गलत आय से बचें. वैसे आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. दोपहर के बाद समय बहुत ही अनुकूल है. अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी दोस्त से धोखा मिल सकता है. आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. गौ माता का सेवा करें.

मिथुन समय अनुकूल है. आय भाव में चन्द्र है. सात्विक आय ज्यादा लाभकारी होगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी, वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें.

कर्क धर्म के प्रति मन उदासीन होगा. कोई बड़ा लाभ होगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पड़ें. धन आगमन से मन खुश होगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह धर्म से भाग्य उदय होगा. कर्म के लिए दिन अच्छा है. मनोरंजक होगी. ससुराल से अच्छा लाभ का मौका दिख रहा है. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य ना करें.

कन्या थोड़ा मानसिक तनाव होगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. यात्रा का योग है.

तुला जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कोई नया कार्य कर सकते हैं. शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं. कोई बड़ा बदलाव होगा.

वृश्चिक समय सामान्य है. मानसिक उलझन वाला दिन होगा. एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. शिवलिंग पर दूध का अर्पण करें.

धनु समय सामान्य है. कार्य में बिलंब होने से मन खिन्न होगा. संतान के कार्य पर नज़र रखें. धर्म से सही मार्ग मिलेगा. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. काली वस्तु का दान करें.

मकर आपके प्रभाव से अच्छे लाभ का योग है. पर किसी से विवाद नहीं करें. माता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भरी पड़ सकता है. दुर्गा माता का ध्यान करें. जूता और अन्न का दान करें.

कुंभ भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. शिक्षा में बदलाव होगा. नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें.

मीन लग्न में राहु का योग है, उदर विकार से बचें. किसी से विवाद होगा. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार के नुकसान से बचें.

एआईएमआईएम ने किया हल्ला बोल-पोल खोल कार्यक्रम

गढ़वा। एआईएमआईएम के तत्वावधान में जिले के चिनियां प्रखंड के चिनियां बाजार और भारतीय स्टेट बैंक के समीप हल्ला बोल पोल खोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा रंका विधान सभा के प्रत्याशी डॉ एमएन खान उपस्थित थे. मौके पर डॉ एमएन खान ने कहा कि सहायक अध्यापकों का वेतनमान की मांग एक ज्वलंत मुद्दा है. बावजूद इसके यहां के स्थानीय विधायक सह प्रदेश के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है. आज सहायक अध्यापक दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं. सहायक अध्यापक कई बार अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया, लेकिन उन्हें लाठी और आश्वासन के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के शिक्षा मंत्री बैधनाथ राम की अध्यक्षता में सहायक अध्यापक संघ के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक हुई थी, लेकिन बैठक में शिक्षा मंत्री बैधनाथ राम के द्वारा सहायक अध्यापकों की मानदेय में सिर्फ दो हजार रुपए की बढ़ोतरी किए जाने की बात कही गई. मौके पर जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार रजक, संरक्षक अब्दुल शकूर अंसारी, उपाध्यक्ष आशिक मंसूरी, मौलाना मजहर हुसैन, मोजाहिम अंसारी, मुजाहिद अंसारी, साबिर अंसारी, रहीमुद्दीन अंसारी, हसनैन मंसूरी, विनय सिंह खरवार, दशरथ सिंह खरवार, सुनील यादव, जितेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, गढ़वा प्रखंड मीडिया प्रभारी दाऊद इब्राहिम, जमीरउद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे.

मंईयां सम्मान योजना : गढ़वा में अब तक दो लाख से अधिक आवेदन हो चुके स्वीकृत

मंईयां सम्मान योजना ऐतिहासिक : मिथिलेश

संवाददाता । गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना देश का अब तक की ऐतिहासिक योजना है. इस योजना से राज्य की आधी आबादी एक साथ लाभान्वित हो रही है. मंत्री ने कहा कि झारखंड के इतिहास में अब तक किसी भी सरकार ने इतनी बड़ी जनकल्याणकारी योजना लागू नहीं की है, जिससे बहन बेटियों को स्वावलंबी बनने में मदद मिले. इस योजना से राज्य की सभी बहन बेटियों में आशा की नई किरण जगी है. मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि इस योजना से अब तक अकेले गढ़वा जिला में दो लाख से अधिक बहन-बेटी लाभान्वित हो चुकी हैं. उन्होंने बताया कि जिले में अब तक दो लाख 22 हजार 264 आवेदन प्राप्त हुए हैं. जांच के बाद इनमें 1726 आवेदन रिजेक्ट हो गया है, जबकि दो लाख छह हजार 414 आवेदन अप्रूव हुआ है, 14 हजार 124 आवेदन लंबित हैं. सभी के खाते में पैसा जाना शुरू हो गया है. प्रति माह 15 तारीख तक सभी के खाते में 1000 रुपये नियमित रूप से जमा हो जाएगा. इससे बहन-बेटियों को अपने कार्यों में बहुत बड़ा सहयोग प्राप्त होगा. महिला स्वावलंबन की दिशा में झारखंड सरकार का बहुत बड़ी पहल है.

फर्जी कॉल से रहें सावधान, किसी को नहीं दें अकाउंट डिटेल : मंत्री

गढ़वा। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गढ़वा सहित पूरे राज्य की जनता से फर्जी कॉल से सावधान रहने की अपील की है. उन्होंने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से संबंधित अपने अकाउंट डिटेल की जानकारी किसी को भी नहीं दें. मंत्री ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संदर्भ में कई लाभुकों के मोबाइल नंबर पर योजना को लेकर कॉल आने की जानकारी मिल रही है, जो पूरी तरह से फर्जी है. इसलिए योजना के तहत निबंधित बहन – बेटियों

से आग्रह है कि योजना के संदर्भ में या राशि हस्तांतरण से संबंधित कॉल आने पर ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी कॉल करने वाले के साथ कदापि साझा नहीं करें. झारखंड पुलिस ऐसे मामलों को लेकर सतर्क है.

एक्शन में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट: विभागों से मांगी टेकन रिपोर्ट

प्रमुख संवाददाता । रांची

फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने सरकारी विभागों से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी. केंद्र सरकार के निर्देश पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने राज्य के ग्रामीण विकास, नगर विकास, भवन निर्माण विभाग सहित अन्य कार्य विभागों से यह रिपोर्ट मांगी है. इसकी वजह यह है कि भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा क्लाइमेंट चेंज पर गाइडलाइन तैयार की जा रही है. इसको लेकर लोस सेक्रेट्रेरियट ने सभी सरकारों को पत्र भी लिखा है. इसमें इस बात का भी जिक्र किया गया है वायु प्रदूषण को रोकने के लिए अब तक राज्य सरकारों ने क्या-क्या उपाए किए हैं.

रिपोर्ट के आधार पर राज्यों को मिलेगा अनुदान : राज्यों की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार अनुदान देगी, जिससे पर्यावरण और वायु प्रदूषण में सुधार के काम किए जाएंगे. इसके तहत, वृक्षारोपण, परिवहन, नागरिक सुविधा से जुड़े कार्य किये जाने हैं.

झारखंड में क्या है स्थिति : झारखंड में 32165 निजी भवन, मॉल और बैंक्वेट हॉल को पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिली है. वहीं विस, कोर्ट सहित सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है. स्मार्ट सिटी, अटल वेंडर मार्केट, नगर निगम ऑफिस, कलेक्टेरियट सहित जिलों के सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है.

पूरे देश में कांग्रेस पार्टी ईडी ऑफिस के समक्ष विरोध जताएगी

कांग्रेस आज ईडी कार्यालय के समक्ष करेगी प्रदर्शन

विशेष संवाददाता । रांची

कांग्रेस अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत झारखंड सहित पूरे देश में ईडी कार्यालयों के समक्ष 22 अगस्त को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पिछले दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की उपस्थिति में बैठक हुई थी. इसमें पहली बार हिंडनबर्ग रिपोर्ट में सामने आयी अडाणी महाघोटाला की जांच संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की मांग की है. इसको लेकर यह आंदोलन किया जाएगा. यह जानकारी देते हुए मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजीनी ने बताया कि हाल के खुलासों ने वित्तीय बाजार नियामक सेबी के गंभीर समझौते को और उजागर कर दिया है, जिसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है.हर दिन, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर और अधिक खुलासे सामने आ रहे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हैं. उन्होंने बताया कि उस बैठक में अडाणी महाघोटाला, देशव्यापी जाति जनगणना और भारत के संविधान अन्तर्गत निहित आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक न्याय के प्रावधानों के वास्तविक सम्मान की आवश्यकता सहित कई गंभीर मुद्दे शामिल रहेंगे.

आज रांची ईडी कार्यालय के समक्ष होगा प्रदर्शन

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश निर्देशानुसार आगामी 22 अगस्त 2024 को सुबह 11.30 बजे हिनू रांची (एयरपोर्ट रोड) स्थिति ईडी कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदशन होगा. जिसमें प्रदेश स्तर से लेकर जिला, महानगर स्तर के नेता एवं कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे.

आज मीर संग रांची आएंगे केशव महतो

प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 22 अगस्त को दिन के 12.15 बजे रांची आएंगे. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जायेगा. इसके बाद कर्पूरी ठाकुर चौक हिनू,भगवान बिरसा मुंडा चौक, वीर बुद्धू भगत अरगोड़ा,हरमू चौक में कार्तिक उरांव, हातमा में सिदो–कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कांग्रेस

भवन पहुंचेंगे. कांग्रेस भवन में महतो राजेश ठाकुर से प्रभार ग्रहण करेंगे. इसके बाद उनका पार्टी नेताओं के द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा.

गिरिनाथ सिंह ने किया मेराल के गांवों का दौरा

संवाददाता । गढ़वा

परिवर्तन सह जनसंपर्क यात्रा के दौरान पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह के नेतृत्व में मेराल प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा किया गया. यात्रा ग्राम मेराल के मकुना टोला, छवनवा टोला ग्राम कुम्भी के सुकठवा टोला, चरका पत्थर टोला, अबादगंज में किया गया. मौके पर पूर्व मंत्री सिंह ने कहा कि अयूब मंसूरी की निर्मम हत्या कर दिया गया. वह एक समाजसेवी था लोगों की मदद करता था, इसीलिए उसे रास्ते से हटा दिया गया. लोग जब जांच की मांग करने गए तो मंत्री ने डांट कर भगा दिया. पूरे गढ़वा विस में गुंडागर्दी, माफियागिरी, भ्रष्टाचार चरम पर है. मंत्री अपने बिचौलियों के साथ गढ़वा को लूटने का काम कर रहे हैं. इसी क्रम में मेराल प्रखंड अंतर्गत ग्राम चिरौंजिया

वार्ड सदस्य नौशाद के घर के समीप भारतीय जनता पार्टी, झामुमो एवं अन्य दलों को छोड़ लगभग 200 लोगों को माला पहनाकर परिवर्तन यात्रा में शामिल किया एवं साथ चलने का संकल्प किया. टीम में शामिल होने वालों में नौशाद अली, संतोष ठाकुर, कासिम अंसारी, पिंटू चौधरी, महबूब अंसारी, समीर अंसारी, बब्लू ठाकुर, असगर अंसारी, मुख्तार अंसारी, बबलू महतो, डॉ सोनू, एजाज अंसारी, गुलाम फरीद, सरिता देवी, तसरीन बीबी, बब्लु ठाकुर, कांति देवी, सलीम अंसारी, सतेंद्र चौधरी, बीरेंद्र चौधरी, रामकुमार मेहता, गुड्डु मेहता आदि का नाम शामिल है. मौके पर बाबूल सिंह, पूर्व मुखिया प्रदीप साव, शिवनाथ चौधरी, अवध सिंह, सुनील चंद्रवंशी, प्रद्युमन, अल्मुद्दीन अंसारी सदर, ख़ुर्शीद, अहमद अंसारी, मुबारक अंसारी, यासिन अंसारी, यकीब अखतर, राम सागर महतो, रामदेव चौधरी आदि उपस्थित थे.

भीम आर्मी के सदस्यों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता । मझिआंव

गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंड क्षेत्रों में विभिन्न संगठनों द्वारा बुधवार को धरना प्रदर्शन किया गया. भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिला अध्यक्ष ललित राम की अध्यक्षता में मझिआंव में धरना प्रदर्शन किया गया. सभी सदस्यों ने सबसे पहले प्रखंड मुख्यालय के समीप तीन मुहान पर धरना प्रदर्शन किया. उसके बाद मझिआंव-गढ़वा मुख्य पथ को करीब तीन घंटे तक सड़क को

जाम कर धरना प्रदर्शन और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई. वहीं मझिआंव में बंद का असर मिला जुला देखा गया.

इस संबंध में अध्यक्ष ललित राम ने कहा कि केंद्र सरकार का आरक्षण के खिलाफ गलत नियत है, जिसको लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदया भारत के नाम जिलाधिकारी को पत्र दिया जा रहा है. बीएसपी से सुनेश्वर राम, बिगु राम, सुदेश्वर राम, आजाद समाज पार्टी से बिचुन राम, उमेश राम, श्रीराम एवं विजय राम, युगल राम, सरवन राम, पिंटू राम, बबलू कुमार राम सहित अन्य लोगों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया है। धरना प्रदर्शन के दौरान सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे.

दिल्ली से लौटने के बाद छात्राओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता । लातेहार

दिल्ली से लातेहार लौटने के बाद पीएमश्री कस्तूरबा विद्यालय, मनिका की छात्राओं को सम्मानित किया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार व समग्र शिक्षा अभियान के एडीपीओ अनूप माइकल केरकेट्टा ने छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. बता दें कि पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मनिका की पांच छात्राएं रक्षा बंधन के अवसर पर दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राखियां बांधने के लिए चयनित की गयी थी. छात्रायें विद्यालय की शिक्षिका गीता कुमारी के संरक्षण में दिल्ली गयी थी. छात्राएं रक्षा बंधन के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति को राखियां बांधी और उन्हें झारखंड के सोहराय कला से संबंधित पेंटिंग सौंपी थी. राष्ट्रपति भवन में छात्राओं ने राष्ट्रपति के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई थी. छात्राओं को ग्रुप फोटो भी उपलब्ध कराया गया. जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री कुमार ने छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं दी और छात्राओं से उनके अनुभव जाने. उन्होने छात्राओं को इस सुनहने पल को हमेशा याद कर आगे बढ़ने की सलाह दी. कहा कि ऐसे अवसर बहुत ही कम लोगों को मिलता है. इससे हमेशा प्रोत्साहित होना चाहिए.

विनोद जायसवाल फिर बने विहिप के खूंटी जिलाध्यक्ष, मिली बधाई

खूंटी। जिले के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विनोद जायसवाल को फिर से विश्व हिंदू परिषद का खूंटी जिला बनाया गया है जबकि मुकेश जायसवाल को खूंटी नगर का अध्यक्ष बनाया गया है. कोडरमा में पिछले दिन विहिप की हुई प्रांत बैठक में विश्व हिन्दू परिषद में कुछ नये लोगों को भी दायित्व दिया गया है. इस आशय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने बुधवार को कहा कि राजीव कुमार झा को जिला मंत्री बनाया गया है. जिला समरसता प्रमुख बिरेंद्र सोनी बनाये गये हैं. जिला कार्यकर्ता विशेष संपर्क प्रमुख सह नगर अध्यक्ष का दायित्व मुकेश जायसवाल को दिया गया है. इनके अलावा बजरंग दल जिला संयोजक अभिषेक कुमार, बजरंग दल जिला सह संयोजक मनीष कुमार, जिला उपाध्यक्ष शिव राज सिंह, अजय साहू और विकास मिश्रा बनाये गये हैं जबकि जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार जायसवाल को बनाया गया है.

डीएसपी सत्येंद्र नारायण सिंह ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

चोरी के सामान के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता । गढ़वा

धुरकी थाना के निकट राजकीयकृत 2 उच्च विद्यालय के अनुसूचित जाति के छात्रावास से हुई चोरी का खुलासा पुलिस ने कर लिया है. बुधवार को धुरकी थाना में डीएसपी सत्येंद्र नारायण सिंह ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी है. वहीं घटना में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया गया साथ ही चोरी की गई सामान को भी बरामद कर लिया गया.

डीएसपी ने बताया की विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश पाठक के द्वारा लिखित शिकायत मिली थी की 15 जून को अज्ञात चोरों ने छात्रावास से करीब 40 बेड, 80 फाइबर की कुर्सी एवं गद्दा की चोरी कर ली गई है. इस संबंध में धुरकी थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए अनुसंधान

शुरू किया गया, जिसमें छापामारी दल में थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, सब इंस्पेक्टर बिक्कू कुमार रजक, एएसआई शैलेंद्र कुमार, आरक्षी पिंकु कुमार सहित सशस्त्र बल के नेतृत्व में अनुसंधान के क्रम में संदेह के आधार पर अजय कुमार, ग्राम धुरकी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया. वही आरोपी ने कांड में शामिल रोहित कुमार चंद्रवंशी की भी संलिप्तता बताई है. वही पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर विभिन्न जगहों से लोहे का बेड, 20 पीस गद्दा, 11 पीस प्लास्टिक की कुर्सी, 21 पीस बरामद किया गया है. डीएसपी ने बताया की आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. वहीं एक फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापामारी चलाई जा रही है. प्रेसवार्ता में पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार, एएसआई शैलेंद्र कुमार मौजूद थे.

प्रशंसनीय सभी एफपीएस में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइस लगाए गए हैं

राशन से पोषण तक : केंद्र का प्रयास खाद्य सुरक्षा प्रदान करना

संजीव चोपड़ा

चमन प्रकाश, एक उचित दर दुकान (एफपीएस) डीलर हैं, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के प्रताप विहार ब्लॉक में पिछले 11 वर्षों से खाद्यान्न वितरित कर रहे हैं. इस क्षेत्र में एकमात्र एफपीएस डीलर होने के कारण वे 1,500 से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान करते हैं. समुदाय में एक विश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गई, जब लाभार्थी अपनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ी पात्रताओं पर बहुत अधिक निर्भर थे. प्रकाश, देश भर के उन 5.3 लाख डीलरों में से एक हैं, जो अंतिम छोर तक खाद्यान्न वितरण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं और पीडीएस के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं.

इन एफपीएस को राज्य सरकारों द्वारा लाइसेंस दिया जाता है और इनका प्रबंधन भी किया जाता है तथा डीलरों को अपनी दुकानों पर प्रति क्विंटल लेन-देन के आधार पर डीलर मार्जिन के माध्यम से मुआवजा मिलता है. तथापि, एफपीएस के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रत्ये क माह 7-10 दिनों की अवधि में केंद्रित होता है. माह के शेष दिनों में, ये दुकानें कम उपयोग में रहती हैं, जिससे डीलरों को कोई अतिरिक्त आय का अवसर नहीं मिलता है. एफपीएस में भौतिक और आवश्यक अंतिम छोर तक वितरण नेटवर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और स्थिरता को खतरा पहुंचता है.

एक अन्य गंभीर चुनौती लाभार्थियों की पोषण सुरक्षा रही है. वर्तमान में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग केवल पीडीएस के माध्यम से ऊर्जा देने वाले (एनर्जी रिच) अनाज (चावल और गेहूं) प्रदान करता है, जबकि आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पोषण संबंधी कमियों का सामना कर रही है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े उच्च एनीमिया दरों को दर्शाते हैं: 6 से 59 महीने की आयु के बच्चों में 67.1%, 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में 57% और 15 से 49 वर्ष की आयु के पुरुषों में 25%. इसके अतिरिक्त, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन के मुद्दे बने हुए हैं. अतः, एफपीएस डीलरों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के साथ-साथ आहार विविधीकरण के माध्यम से जनसंख्या के पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने जैसे दोहरे दृष्टि कोण (डुअल अप्रोच) की आवश्यकता है.

इन दो चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 60 एफपीएस-गाजियाबाद, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद प्रत्येक में 15 एफपीएस को 'जनपोषण केंद्र' (जेपीके) में परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है. ये केंद्र, अन्य मदों के अलावा, खुले बाजार की तुलना में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर पोषक तत्वों से भरपूर वस्तुओं जैसे मिलेट्स (श्री अन्न), दालें, खाद्य तेल और सोयाबीन की एक विविध रेंज पेश करेंगे. जेपीके का उद्देश्य लाभार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच पोषण संबंधी अंतर को दूर करते हुए डीलरों के लिए अतिरिक्त राजस्व स्रोत और बेहतर मार्जिन प्रदान करना है.

एफपीएस का जेपीके में बदलाव चार प्रमुख स्तंभों पर निर्भर करता है: 1. एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, 2.चालान वित्ततपोषण (इन्वॉइस फाइनैन्सिंग) के माध्यम से एफपीएस डीलरों के लिए कार्यशील पूंजी तक पहुंच, 3. बी2बी एग्रीगेटर्स के माध्यम से बाजार संपर्क, और 4. पोषण संबंधी साक्षरता को बढ़ावा देना.

एफपीएस डीलरों की क्षमता बढ़ाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कौशल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है. इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, पोषण संबंधी साक्षरता और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना है. प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम में भाग लेने वाले एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण सत्र मई और जून 2024 के दौरान दो बैचों में आयोजित किए गए थे.

इसके अतिरिक्त, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 'एफपीएस-सहाय', एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एफपीएस डीलरों को गैर-पीडीएस वस्तुओं की खरीद के लिए इन्वॉइस फाइनैन्सिंग की अनुमति देता है, को बनाने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के साथ एक और अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है. प्रमुख बी2बी एग्रीगेटर्स को इस प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि एफपीएस डीलरों के लिए आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चैन) लिंकेज स्थापित करने में सहायता की जा सके. इसके अलावा, एफपीएस डीलरों को पोषण मित्र के रूप में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो लाभार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन और संतुलित भोजन बनाने के लाभों पर बुनियादी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं. इस पहल के साथ, चमन प्रकाश का पेशेवर जीवन परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे उन्हें अपनी पेशकशों में विविधता लाने, अपनी आय बढ़ाने और समुदाय के पोषण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायता मिलेगी.

(लेखक भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव हैं)

सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी, मामला दर्ज

संवाददाता । पलामू

जिले के छतरपुर थाना से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित सरकारी शराब दुकान से 12 लाख की चोरी का मामला सामने आया है. चोरों ने दुकान से 9.50 लाख की शराब एवं ढाई लाख नगद की चोरी कर ली है. घटना को तीन चोरों ने अंजाम दिया. उनकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में सामने आई है. शराब और नगद चोरी करने के बाद चोर अल्टो कार से निकल गए. घटना की जानकारी बुधवार सुबह हुई. इस संबंध में संचालक प्रकाश कुमार के द्वारा छतरपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया है. घटना की पुष्टि उत्पाद अधीक्षक संजीत देव ने की है. सीसीटीवी फुटेज के अनुसार घटना मंगलवार की रात 12.32 बजे की है. छतरपुर-जपला रोड में उषा पेट्रोल पंप के समीप सरकारी शराब दुकान है. तीन लोग चोरी करने से पहले नगर पंचायत की स्ट्रीट लाइट बुझाते नजर आए हैं. लाइट बुझने के बाद सीसीटीवी में कोई दृश्य कैद नहीं हो पाया है. सुबह में शटर का कुछ हिस्सा कटा नजर आया. भारी मात्रा

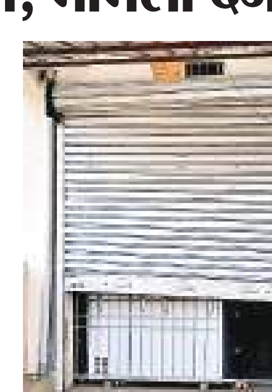

में शराब और नगद राशि से भरा बॉक्स गायब मिला है.

संचालक प्रकाश कुमार ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात 10 बजे तक दुकान खुली थी. दो दिन के सेल का पैसा बाक्स में रखा हुआ था. कटर से ताले की कड़ी काटी गई और शटर का कुछ हिस्सा तोड़ने के बाद दुकान में रखी 9.50 लाख की शराब और ढाई लाख रुपए से भरा बॉक्स गायब कर दिया गया है. इस संबंध में विभाग को सूचना दे दी गई है.

न्यूज अपडेट

स्कूल कर्मचारी ने की दो की हत्या

साराजेवो (बोस्निया-हर्जेगोविना)। उत्तर-पश्चिमी बोस्निया के एक कस्बे में बुधवार को एक स्कूल कर्मचारी ने गोली मारकर कम से कम दो लोगों की हत्या कर दी और कई अन्य को घायल कर दिया. स्थानीय मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गयी. गोलीबारी कथित तौर पर बोस्निया की राजधानी साराजेवो से लगभग 300 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में सैंस्की मोस्ट के एक माध्यमिक विद्यालय भवन में हुई.

टेक्सास में विमान दुर्घटना में दो मरे

ओडेसा (टेक्सास)। पश्चिमी टेक्सास के पास मंगलवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इसमें पायलट और एक यात्री की मौत हो गई तथा एक महिला घायल हो गई. अधिकारियों के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद विमान अधिक ऊंचाई तक नहीं जा सका और बिजली के खंभे से टकरा गया इसके बाद करीब सात बजे एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया.

व्यापारिक जहाज को निशाना बनाया

दुबई। लाल सागर से गुजर रहे एक व्यापारिक जहाज पर बुधवार को कई हमले किये गए, जिसके चलते उसपर अब नियंत्रण नहीं रह गया है. इस हमले को हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है जो पहले भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना चुके हैं. बताया कि छोटी-छोटी नौकाओं से आए हमलावरों ने यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले होदेइदिया बंदरगाह से करीब 140 किलोमीटर पश्चिम में जहाज को छोटे हथियारों से निशाना बनाया.

अमेरिका में भारतीय डॉक्टर गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका में कई वर्षों तक बच्चों और महिलाओं की सैकड़ों नग्न तस्वीरें खींचने और वीडियो बनाने के आरोप में 40 वर्षीय एक भारतीय चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एजाज ने स्नानगृह, कपड़े बदलने की जगह, अस्पताल के कमरों और यहां तक कि अपने घर में भी कई जगहों पर छिपाकर कैमरे लगा रखे थे. उसने दो साल तक के छोटे बच्चों की तस्वीरें लीं और वीडियो बनाए. उसने कई महिलाओं के साथ ऐसे समय में कथित तौर पर यौन संबंध भी बनाए, जब वे बेहोश थीं या सो रही थीं.

लोपेज बेन एफ्लेक से लेंगी तलाक

लॉस एंजिलिस। दो दशक के रिश्ते में रहने और खूब सुर्खियां बटोरने के बाद मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर लोपेज ने फिल्म निर्माता बेन एफ्लेक से तलाक लेने का फैसला किया है. हॉलीवुड के 'पावर कपल' कहलाने वाले इस जोड़े को उनके प्रशंसक प्यार से 'बेनिफर' कहते थे. लोपेज ने मंगलवार को तलाक का मुकदमा दर्ज कराया. लोपेज ने बेन से अलग होने की तारीख 26 अप्रैल 2024 दर्ज करायी है.

रुद्रपुर : सड़क हादसे में चार की मौत

रुद्रपुर। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के जिला मुख्यालय रुद्रपुर में बुधवार को तड़के एक कार और एक ई-रिक्शा की आमने-सामने हुई टक्कर में एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गए. जान गंवाने वाली एक महिला गर्भवती थी. पुलिस ने बताया कि अटरिया रोड के पास नैनीताल राजमार्ग पर हुई यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार व्यक्तियों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी.

कार-ट्रक के बीच टक्कर, चार की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर एक कार के आगे जा रहे ट्रक से जा टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुबह साढ़े छह बजे आगरा-इटावा-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर पिलखर गांव के पास दिल्ली से हमीरपुर जा रही एक कार के चालक को नींद आ गई और कार आगे जा रहे ट्रक से जा टकराई. उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

एसआईटी करेगी यौन शोषण की जांच

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कृष्णागिरि जिले में हाल ही में एक फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) शिविर में नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण से संबंधित घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने का आदेश दिया है. राज्य सरकार ने बुधवार को बताया कि भारतीय पुलिस सेवा की वरिष्ठ अधिकारी के. भवनेश्वरी विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व करेंगी. मुख्यमंत्री ने उन्हें मामले की जांच में तेजी लाने और 60 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दायर करने का काम सौंपा है.

जहरीली शराब पीने से एक की मौत

बेरहामपुर। ओडिशा में कथित तौर पर नकली देशी शराब पीने से तबीयत बिगड़ने पर एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार करवा रहे 15 लोगों में से एक की मंगलवार की रात मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि मरने वाले की पहचान चिकिता के निकट जेनापुर के रहने वाले जूरा बेहरा (60) के रूप में की गयी है. वह गंजम जिले के नुआगांव पुलिस थाने के मौंदपुर गांव में सोमवार को कथित तौर पर मिलावटी शराब पीने के बाद बीमार पड़ने वाले उन 20 लोगों में से एक थे.

मौसम : उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी और नाले उफान पर, राजस्थान व त्रिपुरा में अतिवृष्टि से कई इलाके टापू में तब्दील

केरल में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, सड़क-रेल यातायात प्रभावित

लगातार न्यूज नेटवर्क

केरल, उत्तराखंड और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों मॉनसून की सक्रियता के बीच बीते 24 घंटों के दौरान भारी बारिश हुई. इसके कारण उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी और नाले उफान पर हैं, जबकि राजस्थान में बीते चौबीस घंटे में राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई. जयपुर, धौलपुर तथा झालावाड़ जिले में कहीं कहीं भारी वर्षा हुई है.सबसे अधिक, 85 मिलीमीटर बारिश जयपुर तहसील में हुई. केरल के कई जिलों में बुधवार तड़के भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए, विभिन्न हिस्सों में संपत्ति को नुकसान पहुंचा, यातायात प्रभावित हुआ तथा बिजली गुल हो गई. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सुबह के समय इडुक्की, एर्नाकुलम और त्रिशूर जिले में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने के साथ-साथ मध्यम से मूसलाधार वर्षा होने का पूर्वानुमान किया था. संबंधित जिलों के प्रशासन ने बताया कि तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ने से कोट्टायम और अलप्पुझा के बीच रेल परिचालन अवरुद्ध हो गया. केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि निचले इलाकों और नदी तट के कई हिस्सों में बाढ़ आने, बिजली आपूर्ति बाधित होने, मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचने और भूस्खलन होने की आशंका है. मंगलवार को आईएमडी ने राज्य के छह जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' और बुधवार के लिए शेष जिलों में 'येलो अलर्ट'' जारी किया था.

त्रिपुरा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिले बाढ़ की चपेट में

त्रिपुरा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं. नदियां उफान पर है. चारों तरफ तबाही का मंजर है. बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से हुए अलग-अलग हादसों में करीब सात लोगों की जान जा चुकी है. और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं, कई गांव बाढ़ के पानी में डूब गए हैं, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है.

उत्तराखंड : तेज बहाव में युवक बहा, एक लापता

उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण नदी और नाले उफान पर हैं. नाले में पानी के तेज बहाव में एक युवक बह गया जबकि एक अन्य लापता हो गया. राज्य के आपातकालीन जानकारी के अनुसार नैनीताल जिले के कोटाबाग में मंगलवार देर शाम फतेहपुर नाले में पानी के तेज बहाव के कारण मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति बह गया. राज्य आपदा प्रतिवादन बल की टीम ने शव बरामद किया. एक अन्य घटना में देहरादून जिले के पुरुकुल गांव के पास नदी में एक युवक बह गया जबकि दूसरे को स्थानीय लोगों ने बचा लिया.

बच्चियों का यौन शोषण : विरोध-प्रदर्शन के बीच बदलापुर में इंटरनेट सेवा बंद

स्कूल प्रबंधन ने घटना को छुपाया

लगातार न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में ठाणे जिले के बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ व्यापक पैमाने पर प्रदर्शनों के मद्देनजर बुधवार को शहर में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं और अधिकतर स्कूल बंद रहे. इसी बीच, महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल ने अभिभावकों की मदद करने के बजाय मामले को छुपाने की कोशिश की. वहीं एमवीए ने घटना के विरोध में 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता सुप्रिया सुले ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की. उन्होंने बदलापुर की घटना की निंदा करने के लिए आयोजित एक विरोध प्रदर्शन से इतर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि सरकार तो पार्टियों को तोड़ने में व्यस्त है, लिहाजा उसके पास आम लोगों के लिए समय नहीं है. वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस मामले में विरोध प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि अधिकतर प्रदर्शनकारी बाहरी है. मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान रेलवे स्टेशन और बदलापुर के अन्य हिस्सों में पथराव की घटनाओं में शहर पुलिस के कम से कम 17 कर्मी और करीब आठ रेलवे पुलिसकर्मी घायल हो गए और जांचकर्ताओं ने हिंसा के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बताया कि कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है.

बदलापुर की घटना पर सुले ने मांगा फडणवीस का इस्तीफा

एमवीए ने 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) ने बुधवार को ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में 24 अगस्त को 'महाराष्ट्र बंद' का आह्वान किया. राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने बताया कि एमवीए के घटक दलों- कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा- एसपी) ने यहां एक बैठक में यह निर्णय लिया. उन्होंने कहा कि एमवीए के सभी सहयोगी दल 24 अगस्त को बंद में भाग लेंगे. उन्होंने कहा, 'हमने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे और भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के नेतृत्व वाली 'महायुति' सरकार के सभी मोर्चों पर विफल रहने पर चर्चा की.'

स्कूल ने अभिभावकों की मदद करने के बजाय मामले को छुपाने की कोशिश की : महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुसीबेन शाह ने बुधवार को कहा कि बदलापुर के जिस स्कूल में दो बच्चियों का कथित तौर पर यौन शोषण किया गया था, उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में पीड़िताओं के माता-पिता की मदद करने के बजाय अपराध को छुपाने की कोशिश की. शाह ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि दो बच्चियों के कथित यौन शोषण का यह मामला स्पष्ट रूप से पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत आता है. राज्य बाल अधिकार आयोग प्रमुख ने बताया कि घटना का पता चलने के बाद उन्होंने माता-पिता की चिंताओं को लेकर ठाणे जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क किया. शाह ने कहा, 'वे (बाल संरक्षण इकाई) उन्हें शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास ले गए. जब मैंने स्कूल प्रबंधन से मामले के बारे में पूछा, तो उन्होंने इसे छिपाने की कोशिश की.

मिमी चक्रवर्ती ने कहा- डॉक्टरों का समर्थन किया तो मुझे मिल रहीं रेप की धमकियां

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का दावा है कि उन्हें ऑनलाइन रेप की धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने कहा कि इसके पीछे की वजह उनका कोलकाता में डॉक्टरों के विरोध-प्रदर्शन का समर्थन करना है. मिमी चक्रवर्ती ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर खुद को मिली धमकियों के स्क्रीनशॉट शेयर किए. उनका कहना है कि हाल के वक़्त में उन्हें ऐसे धमकी भरे कई कमेंट्स मिले हैं. उन्होंने अपनी पोस्ट में कोलकाता पुलिस की साइबर क्राइम डिविजन को टैग किया. पोस्ट के कैप्शन में मिमी ने लिखा, "और हम महिला अधिकारों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं? ये उनमें से कुछ हैं. भीड़ में खड़े नकाबपोश पुरुषों ने बलात्कार की धमकियों को सामान्य बना दिया है. कौन सी परवरिश और शिक्षा ऐसा करने की इजाज़त देती है."

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

किसी भी धर्म का पुजारी नहीं करा सकता जबरन धर्मांतरण

लगातार । न्यूज नेटवर्क

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए बड़ी टिप्पणी की है. जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मो शाने आलम नाम के शख्स को जमानत देने से इंकार करते हुए कहा कि किसी भी धर्म का व्यक्ति, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाए जैसे फादर, कर्मकांडी, मौलवी या मुल्ला, अगर वो किसी व्यक्ति का जबरन गलतबयानी, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती और प्रलोभन देकर धर्मांतरण नहीं करा सकता है. अगर, वो ऐसा करता है, तो धर्मांतरण विरोधी अधिनियम के तहत जिम्मेदार होगा.

मौलाना पर एक पीड़िता को जबरन इस्लाम में परिवर्तित करने और एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ उसका निकाह कराने का आरोप है. आरोपी याची शाने आलम के खिलाफ गाजियाबाद के थाना अंकुर विहार में यूपी गैरकानूनी धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में याची ने अपनी जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी.

कोर्ट ने आदेश में क्या कहा?

अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अधिनियम, 2021 की धारा 8 में प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति जो अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है उसे शेड्यूल-वन में निर्धारित प्रपत्र में कम से कम साठ दिन पहले एक घोषणा पत्र देना होगा. इसके लिए उसे जिला मजिस्ट्रेट या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के यहां आवेदन करना होगा. विशेष रूप से जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत किया जाएगा कि वो अपना अपनी स्वतंत्र सहमति से और बिना किसी बल, दबाव, अनुचित प्रभाव या प्रलोभन के धर्म परिवर्तन करना चाहता है.

याची के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि आवेदक शाने आलम मौलाना यानी धार्मिक पुजारी है और उसने केवल आरोपी अमान के साथ पीड़िता का निकाह कराया था, पीड़ित महिला को जबरन इस्लाम में धर्म परिवर्तन नहीं कराया था.

इजराइल और हमास में नहीं हो पाया समझौता

यरूशलम। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की पश्चिम एशिया की नौवीं यात्रा समाप्त हो गई, लेकिन इस दौरान इजराइल और हमास के बीच संघर्ष-विराम समझौता नहीं हो सका. वहीं हमास ने मंगलवार को कहा कि यह प्रस्ताव उसके द्वारा पहले जताई गई सहमति के विपरीत है. उसने अमेरिका पर इजराइल की नयी शर्तों को स्वीकार करने का आरोप लगाया. मिस्र में बैठकें करने से पहले ब्लिंकन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की. हमास और इजराइल द्वारा चुनौतियां बरकरार रहने के संकेत दिए जाने के बीच ब्लिंकन ने कहा कि समझौते को इसी 'समय करना बहुत महत्वपूर्ण है.'

प्रौद्योगिकी का उपयोग जनहित में किया जाना चाहिए: राष्ट्रपति

- **द्रौपदी मुर्मू बोलीं- भारत चौथी औद्योगिकी क्रांति की चुनौतियों का सामना करने, इसका फायदा उठाने के लिए तैयार**

एजेंसी। फरीदाबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत चौथी औद्योगिक क्रांति से पैदा हुई चुनौतियों का सामना करने और इससे उत्पन्न अवसरों का फायदा उठाने के लिए तैयार है. मुर्मू ने यहां जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पाचवें दीक्षांत समारोह में कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग उचित तथा सतत विकास और जनहित के लिए किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में है. उन्होंने कहा कि भारत भी इस क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और इसके अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है. राष्ट्रपति ने कहा कि इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी. राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में कई औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं. उन्होंने कहा कि बहुत-सी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए इस विश्वविद्यालय के परिसर में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए हैं. मुर्मू ने कहा कि वर्तमान में प्रौद्योगिकी के विकास के कारण प्रगति के अनेक रास्ते खुल गए हैं. राष्ट्रपति ने युवाओं को कुशल और आत्म-निर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इस विश्वविद्यालय की सराहना की.

हसीना व उनके सहयोगियों के खिलाफ एक और मुकदमा

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 86 अन्य के खिलाफ सिलहट शहर में एक जुलूस पर हमला करने के मामले में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई. इस महीने की चार तारीख को बड़े पैमाने पर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई लोग गोली लगने से घायल हो गए थे. इस मामले के साथ ही हसीना पर अब 33 मुकदमे दर्ज हो गए हैं, जिनमें 27 हत्या के, चार मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के तथा एक अपहरण का मामला शामिल है. हसीना ने देश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया था. जातीयतावादी छात्र दल की सिलहट शहर इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष जुबेर अहमद ने सिलहट मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सुमन भुइया की अदालत में मामला दर्ज कराया. हसीना की बहन शेख रेहाना को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है.

डीएनसी : पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने किया कमला हैरिस का समर्थन

'नए चैप्टर' के लिए तैयार है अमेरिका

कमला के पति बोले

- **उनकी पत्नी महान राष्ट्रपति बनेंगी, सभी को उन पर गर्व होगा**

एजेंसी। शिकागो

अमेरिका के शिकागो में हो रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) में मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप को खतरनाक बताते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की तारीफ़ की. वहीं कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने कहा कि उनकी पत्नी एक महान राष्ट्रपति बनेंगी, जिन पर पूरे अमेरिका को गर्व होगा. एमहॉफ (59) ने डीएनसी में उत्साहित भीड़ को अपना परिचय 'फर्स्ट-सेकंड जेंटलमैन' के रूप में कराया. ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर कहा, "डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों से जुड़े उन समझौतों को ख़त्म कर दिया, जिससे हमारी दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने में मदद मिलती. ट्रंप ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्होंने सोचा कि समस्या को वास्तव में हल करने की कोशिश करने से उनके अभियान को नुकसान होगा." ओबामा ने कमला हैरिस को लेकर कहा, 'अमेरिका नए चैप्टर के लिए तैयार है. हम कमला हैरिस के लिए तैयार हैं. कमला हैरिस भी तैयार हैं. दुनिया देख रही है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में क्या होगा. देश के अधिकतर लोग उस देश में नहीं रहना चाहते जो विभाजित हो. हम कुछ अच्छा चाहते हैं.' कहा, "हमारा काम लोगों को ये विश्वास दिलाना है कि लोकतंत्र बहुत कुछ कर सकता है और कमला हैरिस ये अच्छे से समझती हैं." पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा.

जो बाइडन ने बहुत खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की

बराक ओबामा ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की भी प्रशंसा की और कहा कि वे "राजनीति में सबसे दुर्लभ काम करने के लिए इतने निस्वार्थ हैं, कि उन्होंने देश की खातिर अपनी महत्वाकांक्षा को किनारे रख दिया." ओबामा ने कहा, "इतिहास जो बाइडेन को एक ऐसे उत्कृष्ट राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने बहुत खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की. मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने पर गर्व है, लेकिन उन्हें अपना मित्र कहने पर और भी ज्यादा गर्व है."

देश की अगले राष्ट्रपति के तौर पर कमला को चुनें : बर्नी सैंडर्स

सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने कमला हैरिस समर्थन किया. उन्होंने कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों के लिए एक प्रगतिशील आर्थिक एजेंडा पेश करने और बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट लालच पर काबू पाने के महत्व के बारे में बात करते हुए कहा, 'हमें ऐसी अर्थव्यवस्था की जरूरत है, जो हम सभी के लिए काम करे, न कि महज अरबपति वर्ग के लालच को पूरा करने के लिए. हममें से 60 प्रतिशत लोग तनख्वाह पर निर्भर रहते हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के साथ ऐसा कभी नहीं रहा.'

कमला हैरिस के पति ने मंच पर साझा की प्रेम कहानी

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के पति डगलस एमहॉफ ने अपनी प्रेम कहानी साझा की और याद किया कि कैसे 2013 में एक 'ब्लाइंड डेट' पर उनके बीच प्रेम की शुरुआत हुई और कमला के लिए एक अजीब 'वॉइस मैसेज' छोड़ा था, जिसे वह उनकी शादी की हर सालगिरह पर सुनाती हैं. मंगलवार रात यहां डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में मंच पर एमहॉफ ने यह किस्सा साझा किया, ताकि वह हैरिस के लिए समर्थन जुटा सकें. उन्होंने बताया कि उन्हें वकालत का पेशा बहुत पसंद है. वह बेटे कोल और बेटी एला के पिता बने, (पूर्व पत्नी) से तलाक लिया और फिर 'कुछ अप्रत्याशित हुआ' हैरिस के साथ एक 'ब्लाइंड डेट' पर गए. एमहॉफ ने कहा, '2013 में, मैं एक मुवक्किल से विवादास्पद मुलाकात करने गया। हमने मुद्दे पर काम किया और बैठक के अंत में प्रसन्न मुवक्किल ने मुझे 'ब्लाइंड डेट' पर जाने का प्रस्ताव दिया और इस तरह मुझे कमला हैरिस का फोन नंबर मिला.' उन्होंने अपनी पत्नी को एक 'योद्धा' और उनके बच्चों को प्यार करने वाली अभिभावक करार दिया.

रूस-यूक्रेन युद्ध : रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के हमलों के बीच पुतिन ने किया चेचन्या का दौरा, कहा

स्वयंसेवी लड़ाकों के रहते रूस को कोई हरा नहीं सकता

एजेंसी। मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को रूसी संघ के भीतर मुख्य रूप से मुस्लिम गणराज्य चेचन्या का अचानक दौरा किया. यह लगभग पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है. यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है. रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कीव के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है और यूक्रेन की युद्ध से थकी हुई जनता का मनोबल बढ़ रहा है. हालांकि, इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है. पुतिन का स्वागत चेचन्या के स्वयंभू दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया. पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की. इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर रखा गया है. रूस की सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की प्रशंसा की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग हैं, तब तक उसे 'कोई हरा नहीं' सकता. कादिरोव ने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को द्वारा यूक्रेन में अपना 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किए जाने के बाद से स्वयंसेवकों सहित 47,000 से अधिक लड़ाके इस केंद्र में प्रशिक्षण ले चुके हैं. चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं. सोवियत संघ के पतन के बाद स्वतंत्रता समर्थक लड़ाकों का रूसी सरकारी बलों के साथ कई वर्षों तक युद्ध चला. दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के प्रति वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं. जोखर आजादी समर्थक नेता थे. पुतिन कादिरोव के पिता एवं पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र, एक कमांड पोस्ट और ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए.

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला

इसी बीच, रूसी प्राधिकारियों ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया और उसके सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए हैं. रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए. उसने बताया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए, 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए. मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, 'ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी.' उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनायी गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)